हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com जबलपुर, गुरुवार 6 फरवरी 2025

4 टैरिफ वार में भारत के लिए अवसर
मैट्रो
14 कालाडूमर में 7 हजार क्विंटल धान ...

मध्यप्रदेश पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के को-चेयरमैन मनोज मोदी ने 'हरिभूमि' से कहा

उद्योगों, स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए भी नए अवसर लेकर आएगी ये जीआईएस

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट(जीआईएस-2025) का भोपाल में होना मध्य प्रदेश की राजधानी के लिए सचमुच एक बहुत बड़ा सौभाग्यपूर्ण क्षण है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन्वेस्टमेंट के लिए मध्य प्रदेश से बेहतर परिस्थितियां किसी भी प्रदेश में नहीं हैं। ये बात मध्यप्रदेश पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के को-चेयरमैन मनोज मोदी ने 'हरिभूमि' से चर्चा करते हुए कही।

उन्होंने दावे के साथ कहा कि मैंने जब अपनी पहली इकाई स्थापित की थी, तब प्रदेश में विकास की गंगा केवल बहना शुरू हुई थी, तब से लेकर आज तक भाजपा की सरकारें लगातार उद्योगों को बढ़ावा दे रही हैं। मध्यप्रदेश आज औद्योगिक प्रदेश बन चुका है जो पहले एक कृषि प्रधान प्रदेश था।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 24, 25 फरवरी 2025 भोपाल

भोपाल के पास परंपरागत उद्योगों को वैश्विक बाजार से जोड़ने और उन्हें नई तकनीक व पूंजी से सशक्त करने की दिशा में भी यह समिट एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी

समिट से भोपाल की औद्योगिक प्रगति का मार्ग और सुगम होगा

नए बिजनेस, शैक्षणिक संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित होंगे

समिट से राजधानी भोपाल को वैश्विक पहचान मिलेगी, जिससे नए बिजनेस, शैक्षणिक संस्थान और अनुसंधान केंद्र स्थापित होने की संभावना बढ़ेगी। ऐसा इसलिए होगा, क्योंकि भोपाल न केवल मध्यप्रदेश का प्रशासनिक केंद्र है, बल्कि भौगोलिक रूप से भी एक आदर्श औद्योगिक हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। भोपाल के चारों ओर कई प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र पहले से विकसित हैं, जो इस समिट के माध्यम से नए निवेश आकर्षित होंगे। मंडीदीप, बगरोदा, पीलूखेड़ी, मक्सी, गोविंदपुरा, अचारपुरा और फंदा औद्योगिक क्षेत्र न केवल छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यहां स्थापित इकाइयां प्रदेश की औद्योगिक शक्ति को मजबूती भी देती हैं। इसके अलावा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्रियल पार्क और लॉजिस्टिक्स हब्स में निवेश से शहर की कनेक्टिविटी और सुविधाएं बेहतर होंगी। पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। जिससे भोपाल की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और हमारा शहर और अधिक आकर्षक बनेगा।

बड़े उद्योगपतियों के साथ मध्यप्रदेश के उद्योग जगत का खाका तैयार होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में बड़े उद्योगपतियों के साथ मध्यप्रदेश के उद्योग जगत का खाका तैयार होगा। मध्य प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है और भारत का खाद्यान्न भंडार है। मध्य प्रदेश में व्यवसाय करने की लागत प्रतिस्पर्धी है और भारत की 50 फीसदी आबादी तक इसकी पहुंच है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सोने ने तोड़े सारे रिकॉर्ड 10 ग्राम 84 हजार पार

नई दिल्ली। सोने की कीमतें बुधवार को, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर एक नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। अप्रैल वायदा सोना 84,399 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जो कि पिछले सभी रिकॉर्ड्स को तोड़ता है। यह तेजी न केवल निवेशकों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि आम लोगों के लिए भी सोने की खरीदारी को महंगा बना रही है।

आईआईटी बीएचयू छात्र को 2.20 करोड़ का पैकेज

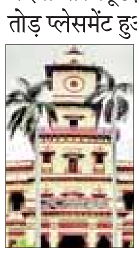

नई दिल्ली। आईआईटी बीएचयू में इस बार स्टूडेंट्स का रिकॉर्ड तोड़ प्लेसमेंट हुआ है। यहां के एक स्टूडेंट को अब तक का सबसे हाईएस्ट दो करोड़ 20 लाख का पैकेज मिला है। तकरीबन तीन साल पहले, वर्ष 2021 में एक छात्र को दो करोड़ 15 लाख सालाना का पैकेज मिला था। वहीं, 11 छात्रों को एक करोड़ का पैकेज मिला।

आईआईसी टी20 रैंकिंग में नंबर-2 पर अभिषेक

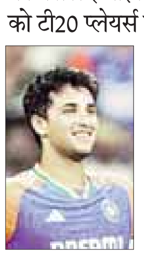

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बुधवार को टी20 प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर अभिषेक शर्मा को आईसीसी रैंकिंग में तगड़ा फायदा मिला है। वह नंबर-40 से सीधे नंबर-2 रन बन गए हैं। उन्होंने बल्लेबाजों की सूची में 38 स्थान की छलांग लगाई है। उनकी 829 रेटिंग अंक हैं।

दिल्ली में शाम 5 बजे तक 57.70% वोटिंग, सबसे ज्यादा नार्थ-ईस्ट दिल्ली में 63.83% मतदान

क्या अब दिल्ली में होगा तख्तापलट... कमल खिलेगा, डबल इंजन चलेगा ?

> एग्जिट पोल के अनुमान में भाजपा की बनती दिख रही सरकार

> मतदाता चला सकते हैं आम आदमी पार्टी पर ही उसकी झाड़ू

दिल्ली में वोट पड़ गए पर ये सवाल अब भी है कि क्या वहां कमल खिलेगा, या फिर आप की झाड़ू चलेगी या फिर कांग्रेस कोई कमाल कर पाएगी। एग्जिट पोल के अनुमान भाजपा के पक्ष में हैं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को मतदान हुआ। इसके बाद शाम को एग्जिट पोल के नतीजे आ गए। एग्जिट पोल में दिल्ली में बड़ा बदलाव होते दिख रहा है। मैट्रीज के सर्वे के मुताबिक दिल्ली में भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। लेकिन इसमें भाजपा को मामूली बढ़त देखने को मिल रही है। इन आंकड़ों के मुताबिक, आप को 32-37 सीटें मिलती दिख रही हैं, जबकि भाजपा 35-40 सीटों के साथ दिल्ली में सरकार बनाती दिख रही है। वहीं, कांग्रेस को भी एक सीट मिलती दिख रही है।

दिल्ली की 70 सीटों पर कुल 13,766 पोलिंग स्टेशन बनाए गए थे

ईवीएम में कैद उम्मीदवारों की किस्मत, 8 फरवरी को आएंगे नतीजे

जिन वोटिंग सेंटर्स पर लोग लाइन में लगे थे उन्हें मतदान का अधिकार दिया गया

दिल्ली विधानसभा चुनाव में लाइन लगे उत्साहित मतदाता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत दिग्गजों ने डाले वोट

दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीटों पर सुबह 7 बजे से जारी वोटिंग शाम 6 बजे संपन्न हो गई। हालांकि, लाइन में लगे लोगों को 6 बजे के बाद भी वोटिंग का अधिकार दिया गया। शाम 5 बजे तक 57.70% वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा 63.83% मतदान नार्थ-ईस्ट दिल्ली में हुआ। यह भाजपा सांसद मनोज तिवारी का संसदीय क्षेत्र है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, एलजी वीके सक्सेना, विदेश मंत्री एस जयशंकर, मुख्यमंत्री आतिशी और राहुल गांधी ने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके अलावा प्रियंका गांधी ने मां सोनिया और पति- बेटे के साथ वोट डाला। अरविंद केजरीवाल अपने माता-पिता को व्हीलचेयर पर लेकर वोट डालने पहुंचे।

चाणक्य स्ट्रैटजी के एग्जिट पोल में क्या? चाणक्य स्ट्रैटजी के एग्जिट पोल में भी भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है। इस सर्वे के अनुसार, दिल्ली में आप को 25-28 सीटें मिल सकती हैं, जबकि भाजपा दिल्ली में 39-44 सीटें मिलती दिख रही हैं। जबकि कांग्रेस 2-3 सीटें जीत सकती हैं।

पोल डायरी के एग्जिट पोल में भाजपा की सरकार पोल डायरी के एग्जिट पोल में भी दिल्ली में बदलाव होता दिख रहा है और भाजपा बहुमत के साथ सरकार बनाती दिख रही है। इस पोल के मुताबिक, आप 18-25 सीटें हासिल कर सकती है, जबकि भाजपा को 42-50 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, कांग्रेस को 0-2 सीटें मिल सकती हैं।

सड़क पर बिगड़ गया था संतुलन

रायसेन में खाई में गिरी एंबुलेंस मरीज व उसकी पत्नी की मौत

> हादसे में मरीज का बेटा एंबुलेंस चालक और ईएमटी गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

रायसेन जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे मरीज और उसकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में मरीज का बेटा, एंबुलेंस चालक और ईएमटी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे गैरतगंज के देवनगर (देहगांव) के पास हुआ। बेगमगंज के नजदीकी गांव भैसवाह कलां निवासी मरीज प्रीतम सिंह रैकवार (60) को रात करीब 1:30 बजे बेगमगंज सिविल अस्पताल से रायसेन जिला अस्पताल रेफर किया गया था। इसी दौरान रास्ते में एंबुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई और पुलिया से करीब 12 फीट नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में प्रीतम सिंह रैकवार और उनकी पत्नी गेंदा रानी (55) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एंबुलेंस के पायलट राजकुमार, ईएमटी तेज सिंह और मरीज का बेटा तोरण सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। थाना प्रभारी शैलेंद्र दायमा ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि सड़क पर अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण एंबुलेंस पलटी और पुलिया से नीचे जा गिरी।

इस क्षेत्र में न स्पीड ब्रेकर और न संकेतक

स्थानीय लोगों के अनुसार यह क्षेत्र पहले भी कई दुर्घटनाओं का गवाह बन चुका है। यहां रात के समय वाहनों की रफ्तार अधिक होती है और उचित संकेतक भी नहीं हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर और संकेतक लगाए जाएं, ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके।

वित्त मंत्रालय की कर्मचारियों को चेतावनी

चैटजीपीटी और डीपसीक का न करें इस्तेमाल

> एआई टूल और एआई एप सरकारी डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता के लिए जोखिम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों से कहा कि वे आधिकारिक काम के लिए चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का इस्तेमाल न करें। हाल ही में जारी की गई एडवाइजरी में चेतावनी दी गई है कि ये टूल गोपनीय सरकारी डेटा और दस्तावेजों के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं। वित्त मंत्रालय की एडवाइजरी के अनुसार यह

निर्धारित किया गया है कि ऑफिस के कंप्यूटर और डिवाइस में एआई टूल और एआई एप (जैसे चैटजीपीटी और डीपसीक आदि) (सरकारी) डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

छह महीने में भारत का आएगा स्वदेशी एआई मॉडल

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले महीने कहा था कि देश छह महीने के भीतर किफायती कीमत पर अपना सुरक्षित और सुरक्षित स्वदेशी एआई मॉडल लॉन्च कर सकता है। भारतीय एआई मॉडल आने वाले दिनों में देश को एआई समाधानों के अधिक विश्वसनीय तकनीकी पावरहाउस के रूप में उभरने में मदद करेगा। उच्च-स्तरीय सामान्य कंप्यूटिंग सुविधा द्वारा समर्थित, इंडियाएआई मिशन अब भारतीय भाषाओं का उपयोग करके घरेलू संदर्भ के लिए स्वदेशी एआई समाधानों को अनुकूलित करने के करीब है।

मंत्रालय घेरने जा रहे किसानों से डिप्टी सीएम देवड़ा बोले- सभी मांगें होंगी पूरी

किसानों ने आवेदनों से भरा झोला सौंपा

भोपाल में किसानों का 'हल्ला बोल'

भोपाल। फसलों के दाम में बढ़ोतरी जैसे कई मुद्दे लेकर प्रदेश भर के किसान बुधवार को राजधानी भोपाल पहुंचे। प्रदेश से आए किसान वल्लभ भवन मंत्रालय घेरने का प्लान बनाया था इसके पहले किसान लिंक रोड नंबर एक स्थित ऑफिस के सामने धरना दे रहे थे। इसी बीच डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा किसानों से मिलने धरना स्थल पहुंचे और उनकी मांगों को पूरी करने का आश्वासन दिया। किसानों ने डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा को आवेदनों से भरा झोला सौंपा। जिसके बाद किसानों ने धरना खत्म कर दिया है।

इंदौर में कारोबारी को बैडमिंटन खेलते-खेलते हार्ट अटैक, मौत

मौत के बाद परिजनों ने कारोबारी अमित चेलावत की डोनेट की आंखें और स्किन

सीपीआर देने से उठकर बैठे फिर दोबारा अटैक आने से नहीं उठे

जैन धर्म की परंपरा निभाने के लिए नहीं खाई दवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

दवा व्यापारी की बैडमिंटन खेलने के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। मौके पर मौजूद साथियों ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। रिस्पॉन्स नहीं मिलने पर नजदीक के निजी अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर

दिया। हादसा बुधवार सुबह अभय प्रशाल का है। साउथ तुकोगंज के रहने वाले अमित चेलावत (45) रोजाना की तरह बैडमिंटन खेल रहे थे। खेल के दो दौर पूरे हो चुके थे, तभी अमित के सीने में दर्द शुरू हुआ। वे एक ओर जाकर बैठ गए। कुछ ही देर में उनको बेहोशी छाने लगी। साथियों ने सीपीआर दिया तो वे उठकर बैठ गए।

परिवार में पत्नी और दो बेटियां

अमित चेलावत के परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी आचमी अमेरिका में 5 साल के इंटीग्रेटेड कोर्स के फाइनल ईयर में है। छोटी बेटी मान्या 11वीं क्लास की छात्रा है। अमित शेयर ब्रोकिंग का काम भी करते थे। रैफिल टावर में ऑफिस है। अमित के बड़े भाई अतुल मनोहर केमिस्ट के नाम से दुकान चलाते हैं। वे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सदस्य राहुल द्रविड़ के दोस्त हैं। पिता की पांच साल पहले कोरोना में मौत हो गई थी।

शिवपुरी में एक शिक्षक के घर ईओडब्ल्यू का छापा

वैध आय से 7 करोड़ 98 लाख 28 हजार 340 रुपए की अधिक संपत्ति अर्जित की

सर्विस पीरिएड में कमाए 38 लाख 4 हजार शिक्षक के पास मिली '8 करोड़' की संपत्ति

दुकानें, घर, कार, सोना-चांदी, ट्रक-ट्रैक्टर समेत और भी मिली अन्य संपत्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी

ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर दो शिक्षकों पर कार्रवाई की। ईओडब्ल्यू की टीम ने शिवपुरी जिले के भौंती में प्राथमिक सहायक शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया के घर छापेमारी की। कार्रवाई में भदौरिया और उनके परिजन के नाम पर 8 करोड़ की संपत्ति का खुलासा हुआ है।

44 भू-अधिकार पुस्तिकाएं और 12 बैंक पासबुक जब्त

ईओडब्ल्यू के मुताबिक भदौरिया ने अपने सर्विस पीरिएड में लगभग 38 लाख 4 हजार रुपए वेतन के रूप में कमाए हैं। लेकिन छापे में मिली संपत्तियों की अनुमानित कीमत 8 करोड़ 36 लाख 32 हजार 340 रुपए है। इस तरह उन्होंने अपनी वैध आय से 7 करोड़ 98 लाख 28 हजार 340 रुपए की अधिक संपत्ति अर्जित की है। छापे के दौरान 44 भू-अधिकार पुस्तिकाएं और 12 बैंक पासबुक मिली हैं। शिक्षक भदौरिया मूल रूप से भिंड जिले के रहने वाले हैं।

टीचर बनने के पहले वह राशन दुकान चलाते थे

टीचर बनने के पहले वह राशन दुकान चलाते थे। फिर प्रॉपर्टी का काम भी करने लगे थे। भदौरिया पर एससी/एसटी एक्ट समेत आधा दर्जन से ज्यादा केस दर्ज हैं। भदौरिया ने भौंती थाने की जमीन को अपना बता कर कब्जा कर लिया था। उन्होंने कोर्ट में दावा भी किया था, लेकिन एक महीने पहले ही वह कोर्ट से केस हार गए। इसके बाद प्रशासन अब कब्जे पर से अतिक्रमण हटाने की तैयारी में है।

फैसला मध्य प्रदेश में डॉ.मोहन यादव सरकार का ऐतिहासिक फैसला

धार्मिक महत्व के 17 शहरों में शराबबंदी से श्रद्धालुओं को मिली राहत भरी खुशी

दतिया-पन्ना-अमरकंटक में पूरी तरह बैन

मध्यप्रदेश में डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस निर्णय से पूरे प्रदेश में खुशी का माहौल है। वजह ये है कि यहां प्रदेश के 17 शहरों में शराबबंदी की गई है। ये वो शहर या नगर हैं जहां राज्य के बड़े धार्मिक स्थल है। इन धर्मस्थलों पर देश और विदेश के लोग आते हैं। ऐसे में जरूरी है कि यहां पवित्रता बनी रहे और सात्विक वातावरण निर्मित बना रहे। श्रद्धालु लंबे समय से शराबबंदी की प्रतीक्षारत थे। अब वे खुश हैं।

अन्य बड़े प्रदेश के शहर जहां पर धार्मिक कारणों से शराबबंदी लागू की गई है, उनमें दतिया एक मुख्य शहर है। सीएम डॉ.मोहन यादव का कहना है कि पीतांबरा पीठ होने की वजह से यहां शराबबंदी की गई है। वहीं अमरकंटक नर्मदा का उद्गम स्थल है। इस वजह से यहां शराब प्रतिबंधित रहेगी। मंदसौर में पशुपतिनाथ का मंदिर है। यहां के लोग लंबे समय से शराब बंदी की मांग भी कर रहे थे। मैहर में माता शारदा विराजित है। इसके अलावा पन्ना में भी शराब पर रोक लगाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि मध्यप्रदेश शराबबंदी की दिशा में कदम आगे बढ़ा रहा है। समय के साथ मध्यप्रदेश में भी पूर्ण शराबबंदी होगी। पर इसमें वक्त लगेगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि राज्य धीरे-धीरे शराबबंदी की तरफ बढ़े, इस क्रम में आज एक नीतिगत निर्णय हुआ है। पहले चरण में 17 धार्मिक नगरों को चुना गया है। इनमें नगर पालिका, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्र शामिल हैं। इन दुकानों को दूसरी जगह शिफ्ट भी नहीं किया जाएगा। यह निर्णय हमेशा के लिए किया गया है।

भोपाल

डॉ.मोहन यादव सरकार ने श्रद्धालुओं की भावना को समझा और एक झटके में शराबबंदी का निर्णय ले लिया। इस ऐतिहासिक निर्णय को देखकर दूसरे राज्यों में भी उदाहरण दिया जाने लगा है। आने वाले समय में यदि अन्य राज्यों में भी धार्मिक स्थलों पर शराब को प्रतिबंधित कर दिया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि मध्यप्रदेश का यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है। बता दें कि शराब का सेवन करने वाले उग्र हो जाते थे और कई बार झगड़े की नौबत आ जाती थी।

ऐसे में धार्मिक भावना लेकर आने वाले लोगों में नकारात्मक भावना आती थी। मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक अप्रैल से अब प्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में शराब नहीं बिकेगी और दुकानें बंद हो जाएंगी। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव का कहना है कि जो दुकानें बंद की जाएंगी, उन दुकानों को कहीं और शिफ्ट नहीं किया जाएगा। ये पूर्णतः बंद होंगी। प्रदेश के इन शहरों के धार्मिक महत्व को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। शहरों के अलावा नर्मदा नदी के दोनों किनारों के पांच-पांच किमी दायरे तक शराब दुकान नहीं रहेंगी।

उज्जैन में पूर्णतः शराबबंदी

महाकाल ज्योतिर्लिंग होने के कारण उज्जैन को शराब से मुक्त किया जा रहा है। यहां की सभी दुकानें बंद की जाएंगी अर्थात उज्जैन नगर निगम का दायरा शराब से मुक्त रहेगा। इसके अलावा अलग-अलग नगर पालिकाएं, नगर परिषदें भी पूरी तरह से शराब मुक्त की गई है।

इन धार्मिक स्थानों पर होगी शराबबंदी

- मंडला, नगर पालिका
- मुलताई, नगर पालिका
- मंदसौर, नगर पालिका
- अमरकंटक, नगर पालिका
- सलकनपुर, ग्राम परिषद
- बरमानकलां, लिंगा और बरमानखुर्द ग्राम परिषद
- कुंडलपुर, ग्राम परिषद
- बांदकपुर, ग्राम परिषद
- उज्जैन, नगर निगम
- ओंकारेश्वर, नगर परिषद
- महेश्वर, नगर परिषद
- मण्डलेश्वर, नगर परिषद
- ओरछा, नगर परिषद
- मैहर, नगर पालिका
- चित्रकूट, नगर परिषद
- दतिया, नगर पालिका
- पन्ना, नगर पालिका

क्या कहते हैं धर्म शास्त्र

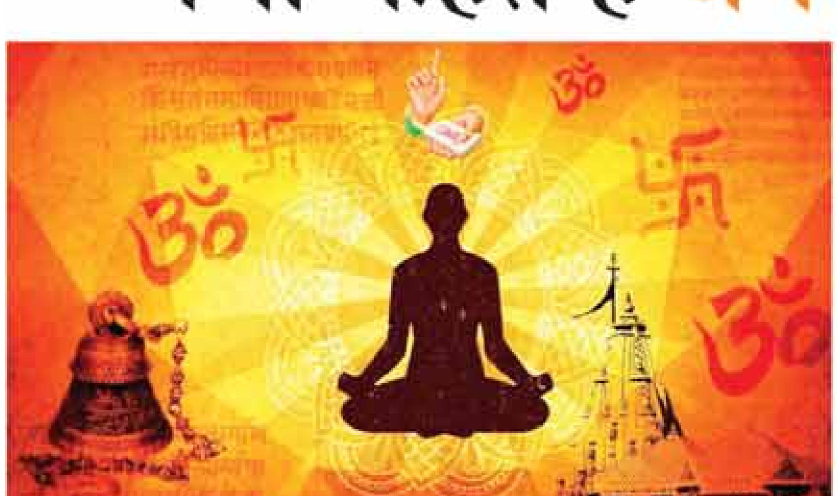

राहत दी है: पवित्र नगरी में दिखने वाली शराब की दुकान आंखों में चुभती थी, अब ये चुभन खत्म होगी

मध्यप्रदेश की डॉ.मोहन यादव की सरकार ने राज्य के 17 धार्मिक महत्व के शहरों में शराबबंदी कर दी है। इस निर्णय से महिलाओं में बेहद खुशी का माहौल है। तमाम धार्मिक स्थलों पर आने वाली महिलाओं का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का यह फैसला स्वागत योग्य है। हम सभी उनका आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने इतना बड़ा ऐतिहासिक फैसला किया है। कई बार जब किसी धार्मिक शहर में जाते थे वहां शराब की दुकान देखकर लगता है था कि इतनी पवित्र नगरी है फिर यहां शराब क्यों बिक रही है। यहां पूरी तरह सात्विक माहौल है लोग सुरक्षित दर्शन कर रहे हैं। भोपाल में स्वच्छता अभियान से जुड़ी अंजीता का कहना है कि कानूनी व्यवस्था भी अच्छी है और पुलिस की तैनाती हमेशा दिखाई देती है। ऐसे में शराब की दुकान आंखों में चुभती थी और लगता था कि इसे हटना चाहिए। देर से ही सही पर जो भी निर्णय डॉ. मोहन यादव ने किया है वो बहुत ही बेहतर है। अब जब भी कोई धार्मिक और पवित्र शहर में जाएंगे तो कम से कम इस तरह से शराब की दुकानें दिखाई नहीं देंगी। बता दें कि राज्य के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जनता की भावनाओं को समझकर ही उनके अनुरुप निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले भी चाहे गौ सेवा हो या फिर धार्मिक आयोजन और धार्मिक स्थलों के विकास का काम हो उसमें वे गहरी रुचि लेते हैं। यही कारण है कि बीते एक साल में धर्म से जुड़े कई ऐसे काम हुए है जो श्रद्धालुओं के लिए राहत भरे निर्णय काफी सराहनीय है।

हिन्दू धर्म के विभिन्न ग्रंथों में मद्यपान के प्रति विभिन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत किए गए हैं। धर्मशास्त्रों में मद्यपान को अधार्मिक माना गया है। मद्यपान वर्जित था। यह माना जाता था कि मद्यपान से आत्मा की शुद्धि नष्ट होती है और यह अधर्म का कार्य है। शिव पुराण और अन्य पुराणों में भी मद्यपान को नकारात्मक दृष्टि से देखा गया है। शिव पुराण में उल्लेख है कि मद्यपान करने वालो को स्वर्ग नहीं मिलता और उन्हें विभिन्न प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार, विष्णु पुराण में भी मद्यपान को पाप माना गया है। हालांकि, धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएँ अभी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और कई लोग अभी भी धार्मिक कारणों से मद्यपान से बचते हैं।

शराबबंदी से खुशी इतनी कि केसरिया दूध बांटकर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को दे रहे हैं धन्यवाद

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 17 शहरों में शराबबंदी की घोषणा की है। प्रदेश की जनता सरकार के इस कदम की जमकर तारीफ कर रही है। धार्मिक शहर उज्जैन में भी शराबबंदी को लेकर तीर्थ पुरोहितों ने सीएम को धन्यवाद देने के लिए केसरिया दूध वितरित किया। हाल ही में रामघाट के तीर्थ पुरोहितों ने कहा कि उज्जैन सहित धार्मिक नगरों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शराबबंदी का फैसला लेकर बहुत

अच्छा सन्देश दिया है। पं. अमृतेश त्रिवेदी व पं. वेदांत व्यास ने बताया कि धार्मिक नगरी उज्जैन सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक नगरों में शराबबंदी का फैसला स्वागत योग्य है। तीर्थ नगरी में आने वाले श्रद्धालु शहर की अच्छी छवि लेकर जाएंगे। इसी को लेकर श्री रामघाट तीर्थ पुरोहित सभा अवंतिकापुरी व ब्राह्मण समाज तीर्थ इकाई द्वारा रामघाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को केसरिया दूध वितरित किया।

D-16090/24

जबलपुर

गुरुवार, 6 फरवरी 2025

माघ मास शुक्ल पक्ष -8

■ वर्ष : 19, अंक : 274

■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 30

न्यून. 13

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मेरिट के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों का अनुसरण जीवन में सफलता के लिए आवश्यक

प्रदेश के 7 हजार 900 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सीएम ने दी ई-स्कूटी

1 मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रदेश भर के मेधावी विद्यार्थियों को ई-स्कूटी वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को किया संबोधित

2 सीएम ने हर चुनौती और कठिन समय का धैर्य और साहस के साथ सामना करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले सत्र में अपनी कक्षा में अव्वल आए छात्र-छात्राओं को अपनी घोषणा के अनुसार स्कूटी प्रदान की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों का जमकर उत्साहवर्धन किया। उन्होंने हर चुनौती और कठिन समय का धैर्य और साहस के साथ सामना करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

मेधावी बच्चों को प्रतीकात्मक स्कूटी की चाबी सौंपते सीएम

योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शासकीय विद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्कूटी प्रदान की जाती है।

विद्यार्थियों के साथ स्कूटी चलाकर किया उनका उत्साहवर्धन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में 10 मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी की चाबी प्रदान की तथा उनके साथ स्कूटी चलाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं की परीक्षा में शासकीय विद्यालयों के टॉपर्स को स्कूटी प्रदान करने की इस योजना के तहत संपूर्ण प्रदेश में 7 हजार 900 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ई-स्कूटी प्रदान की जा रही है। उन्होंने प्रतीक स्वरूप आदित्य राठौर, प्रशांत राजपूत, सिद्धार्थ साहू, रफत खान, आर्यन राजपूत, आकाश कुशवाह, सुश्री बबली मीणा, पलक सिंह, ऊषा मीणा और सलोनी दांगी को ई-स्कूटी की चाबी भेंट की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

लिखा बच्चों को मारकर लेंगे बदला

अब नोएडा के 4 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी ▶▶ नोएडा

दिल्ली से सटे नोएडा के स्कूलों को बुधवार को बम की धमकी मिलने से हड़कंप मचा गया। सेक्टर 126 के 4 स्कूलों को बुधवार सुबह 8:30 बजे धमकी भरा ईमेल मिला जिससे स्कूल प्रबंधन के होश उड़ गए। जिसके बाद सूचना पर पुलिस को दी गई। आनन-फानन में अधिकारियों ने बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड और अग्निशमन कर्मी के साथ जांच शुरू की। अधिकारियों ने दो घंटे की जांच के बाद स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि यह महज एक अफवाह है जो दहशत फैलाने के लिए की गई है। नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि करीब सुबह 8:30 बजे स्टेप बाय, स्टेप स्कूल, मयूर स्कूल और हेरिटेज एक्सपीरिएन्शियल लर्निंग स्कूल को ईमेल मिली थी। जिसमें बच्चों को मारकर बदला लेने और अन्य तरह की धमकी भरी बात लिखी थी।

कूनो में सीएम ने छोड़े 5 चीते इनमें 3 शावक

अब खुले जंगल में विचरण करेंगे 7 चीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 5 चीतों को खुले जंगल में रिलीज किया। इनमें दो वयस्क मादा चीते आशा और धीरा के साथ ही आशा के तीन शावक शामिल हैं। खास बात यह है कि तीनों शावक कूनो में ही जन्मे हैं। कूनो नेशनल पार्क के डीएफओ थिरुकुरल ने बताया कि दिसंबर 2024 में दो चीते अग्नि और वायु को रिलीज किया गया था। जो वर्तमान में पार्क की सीमा में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं। इसके बाद 5 फरवरी 2025 को 5 चीते छोड़े गए। इस नई रिलीज के साथ अब कूनो में खुले जंगल में विचरण करने वाले चीतों की कुल संख्या 7 हो गई है।

■ दिसंबर 2024 में दो चीतों अग्नि वायु को छोड़ा गया था

अब तक 100 हेक्टेयर बाड़े में थे चीते

खुले जंगल में चीतों को छोड़े जाने का यह कदम कूनो में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। अब तक ये चीते 100 हेक्टेयर के बाड़े में सीमित थे, लेकिन अब पर्यटकों को खुले जंगल में चीतों का दीदार करने का अवसर मिलेगा। इससे न केवल पार्क में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी, बल्कि चीतों के लिए भी प्राकृतिक वातावरण में रहने का बेहतर अवसर मिलेगा। कूनो नेशनल पार्क में आशा वह पहली मां बनी है, जिससे तीन नर चीते जन्मे हैं और तीनों खुले जंगल में छोड़े गए हैं। आशा ने इन चीतों को एक जनवरी 2024 में कूनो नेशनल पार्क में जन्म दिया था, जिसका पार्क प्रबंधन को 2 जनवरी को पता चला था।

त्रिवेणी की धारा में खड़े होकर 108 मंत्रों का जाप भी किया

पीएम मोदी ने संगम में लगाईं 11 डुबकी....11 संकल्प भी लिए

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज संगम में स्नान किया। उन्होंने भगवा रंग के कपड़े पहन रखे थे। उनके हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं थीं। मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने अकेले ही संगम में डुबकी लगाई। पीएम मोदी ने त्रिवेणी की धारा में 11 डुबकियां लगाईं। वह हर डुबकी लगाने पर एक संकल्प भी बोल रहे थे।पीएम मोदी ने गुप्त नवरात्रि की अष्टमी पर त्रिवेणी की धारा में आस्था की डुबकी लगाई। पीएम मोदी नवरात्रि का पर्व पूरी परंपराओं और आस्था के साथ मनाते हैं।

सिरोंज में बच्चे को बस ने रौंदा, मौके पर मौत

आक्रोशित भीड़ ने बस को फूंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरोंज

बुधवार को दोपहर दो बजे के आसपास नगर के आरोन रोड पामाखेडी चौराहा पर एक बड़ा हादसा हुआ। जिसमें आरोन से आ रही बस ने सड़क किनारे अपने पिता के साथ पैदल चल रहे ग्राम नटेरन निवासी 10 वर्षीय बालक को कुचल दिया। जिससे बालक की मौके पर ही मौत हो गई।

मौके पर मौजूद अक्रोशित भीड़ ने पहले बस पर पत्थर से तोड़फोड़ की इसके बाद बस को आग के हवाले कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक बालक को पीएम के लिए शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय भेजा और फायर बिग्रेट की मदद से बस में लगी आग पर काबू पाया। नटेरन तहसील के ग्राम हिनौची निवासी कल्याण सिंह जाटव अपने 10 वर्षीय बालक के साथ सिरोंज निवासी उसके नाना के घर आए थे। नटेरन बस से वह सिरोंज के रोहिल पुरा चौराहा पर उतरकर सड़क किनारे पैदल चलकर सिकंदरपुरा स्थित बालक के नाना के घर की ओर जा रहे थे। तभी आरोन की ओर से आ रही शक्ति टेवल्र्स की बस ने बालक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

नाले में जा घुसी 30 यात्रियों से भरी बस कई गंभीर

जबलपुर। सिहोरा थाना इलाके के बहोरीबंद सड़क पर स्थित दिनारी खमरिया गांव के समीप एक तेज रफ्तार यात्री बस पेड़ से टकराकर नाले में गिर गई। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। इस दुर्घटना में बस में सवार सभी 30 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें 4 की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि यात्री बस कुंडलपुर से सिहोरा की तरफ आ रही थी। बस में सवार यात्रियों के अनुसार, जब ये बस दिनारी खमरिया गांव के पास पहुंची तो इसकी रफ्तार तेज थी, जिसके कारण बस अनियंत्रित होकर किनारे पर लगे एक पेड़ से जा टकराई और पलटक नजदीक स्थित नाले में समा गई।

वित्त मंत्रालय MINISTRY OF FINANCE

सत्यमेव जयते

केंद्रीय बजट 2025-26

नियात सशक्तिकरण, नए क्षितिजों का विस्तार और देश विकसित भारत की ओर अग्रसर!

वस्त्र उद्योग:

▶ तकनीकी टेक्सटाइल्स के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु दो अतिरिक्त प्रकार के शटल-रहित लूम को पूर्णतः कर-मुक्त टेक्सटाइल मशीनरी की सूची में शामिल किया गया है। यह पहल बुनाई क्षेत्र के आधुनिकीकरण एवं क्षमता वृद्धि में सहायक सिद्ध होगी। यह तकनीकी टेक्सटाइल्स जैसे एग्रो-टेक्सटाइल्स, मेडिकल-टेक्सटाइल्स एवं जियो-टेक्सटाइल्स के क्षेत्र में "मेक इन इंडिया" को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है

▶ बुनाई वाले कपड़ों के भारतीय निर्माताओं की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए बुने हुए कपड़ों पर कस्टम्स ड्यूटी बढ़ा दी गई है

हस्तशिल्प निर्यात:

हस्तशिल्प उत्पादों के निर्यात हेतु निर्माण के लिए अब नौ प्रकार की नई समूह सामग्रियों के आयात पर शुल्क नहीं लगेगा। इसके अलावा, हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्यात की समय सीमा 6 महीने से बढ़ाकर 1 वर्ष कर दी गई है, जिसे अतिरिक्त 3 महीने तक बढ़ाया जा सकता है

चमड़ा उद्योग:

▶ घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए वेट ब्लू चमड़े पर कस्टम्स ड्यूटी 10% से शून्य कर दी गई है

▶ छोटे टेनरों द्वारा निर्यात को सुगम बनाने के लिए क्रस्ट चमड़े पर निर्यात शुल्क 20% से शून्य कर दिया गया है

समुद्री उत्पाद:

▶ जमे हुए मछली पेस्ट (सुरीमी) पर कस्टम्स ड्यूटी 30% से घटाकर 5% कर दी गई है, जिससे निर्यात हेतु सुरीमी एनालॉग उत्पादों के निर्माण की लागत में कमी आएगी

▶ जलीय आहार के निर्माण हेतु मछली हाइड्रोलाइसेट पर कस्टम्स ड्यूटी 15% से घटाकर 5% कर दी गई है

रेलवे की वस्तुओं का रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (MRO):

विदेशी मूल की मरम्मत हेतु आयातित वस्तुओं के निर्यात की समय सीमा 6 महीने से बढ़ाकर 1 वर्ष कर दी गई है। रेलवे से संबंधित वस्तुओं के मामले में, यह अवधि अतिरिक्त 1 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है

निर्यात को बढ़ावा वैश्विक अवसरों का विस्तार!

अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड

@cbicindia @cbic_india @cbicindia @CBICINDIA CBIC India

CBC 15502/13/0006/2425

डिजिटल अरेस्ट

धोखे से पैसा ऐंठने का एक तरीका है!

ऐसे कॉल्स से सावधान रहें!

परेशान न हों - डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज़ नहीं होती

साझा न करें - निजी/वित्तीय जानकारी किसी को न बताएं

भुगतान न करें

cybercrime.gov.in पर तुरंत रिपोर्ट करें या सहायता के लिए 1930 पर कॉल करें

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/da पर विजिट करें

फीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी

भारतीय रिज़र्व बैंक RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in

चिंतन

प्रवासियों को वापस भेजकर क्या दर्शाना चाह रहे ट्रंप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी मुद्दे के अनुरूप अमेरिका में अवैध आव्रजन के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इस बीच एक अमेरिकी सी-17 सैन्य विमान करीब 200 अवैध प्रवासियों को लेकर बुधवार को टेक्सास से भारत पहुंचा। डोनाल्ड ट्रंप के पिछले महीने राष्ट्रपति पद संभालने के बाद अवैध भारतीय प्रवासियों के खिलाफ वाशिंगटन की यह पहली कार्रवाई है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 27 जनवरी को फोन पर हुई विस्तृत चर्चा और मोदी की 13-14 फरवरी की वाशिंगटन यात्रा से पहले उठाया गया है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह मुद्दा छाया रहेगा। क्योंकि इसे केवल शुरुआत माना जा रहा है। अमेरिका की इच्छा वहां अवैध रूप से रह रहे चार लाख से ज्यादा भारतीयों को वापस भेजने की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी एजेंसियों को अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक्शन पर लगा रखा है। इसी क्रम में पहली खेप को भारत भेज दिया है। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। इससे पहले 27 जनवरी को मोदी से फोन पर हुई बातचीत के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत अवैध प्रवासियों के निर्वासन के मुद्दे पर 'वही करेगा जो सही होगा।' इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि नई दिल्ली अमेरिका सहित विदेशों में 'अवैध रूप से' रह रहे भारतीय नागरिकों की 'वैध वापसी' के लिए तैयार है। अमेरिका की नजर में ऐसे लोग अवैध प्रवासी हैं, जो अमेरिकी वीजा या इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन कर देश में रह रहे हैं। ऐसे प्रवासी आमतौर पर इन कैटेगरी में शामिल किए जाते हैं या फिर ऐसे व्यक्ति जिनके पास कभी अमेरिका में रहने के लिए कानूनी अधिकार था, लेकिन बाद में यह अधिकार खत्म हो गया या फिर उनका लीगल स्टेटस खत्म हो गया, वे भी अवैध प्रवासी माने जाते हैं। अमेरिका की एक एजेंसी के मुताबिक, उनके देश में अल सल्वाडोर के 7.5 लाख, भारत के 7.25 लाख, ग्वाटेमाला के 6.75 लाख और होंडूरास के 5.25 लाख अवैध प्रवासी रहते हैं। अमेरिका में फ्लोरिडा, टेक्सॉस, न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी, मैसाच्युएट्स, मैरीलैंड और कैलिफोर्नियां ऐसे शहर हैं, जहां सबसे ज्यादा अवैध प्रवासी रह रहे हैं। भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति अवैध अप्रवासियों को निकाल बाहर करने पर आमादा हों, लेकिन उन्हें यह आभास होना चाहिए कि विदेशी कामगारों के बिना उनका काम नहीं चल सकता। अच्छा होता कि डोनाल्ड ट्रंप थोड़ा उदार रवैया अपनाते और योग्य लोगों को अमेरिका में रहने की छूट देते। इससे भारतीय बड़ी संख्या में लाभान्वित होते, क्योंकि वे अपेक्षाकृत पढ़े-लिखे, अंग्रेजी समझने और कानून का पालन करने वाले होते हैं। ट्रंप प्रशासन को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका मूलतः अप्रवासियों का देश है और यदि दूसरे देशों के लोग अवैध रूप से वहां आसानी से घुस जाते हैं तो उसकी अपनी खामी से। भारत सरकार को भी अमेरिकी प्रशासन की उस खामी को तो इंगित करना ही चाहिए, जिसके चलते कुछ लोग उत्पीड़न की फर्जी कहानियां सुनाकर वहां शरण पा जाते हैं। इनमें से कुछ तो ऐसे हैं, जो भारत की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। भारत को ट्रंप प्रशासन से यह भी कहना चाहिए कि आखिर जब अमेरिका को विदेशी कामगारों की आवश्यकता है तो फिर वह ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं करता कि भारतीय वहां आसानी से जा सकें? भारत सरकार को भी अमेरिका के इस व्यवहार पर तेवर दिखाने की जरूरत है।

अर्थव्यवस्था

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

टैरिफ वार में भारत के लिए अवसर

अमेरिका के व्यापार घाटे में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 36 अरब डॉलर रही है। अमेरिका को जिन देशों से सबसे ज्यादा व्यापार घाटा होता है उस लिस्ट में भारत 9वें क्रम पर है। गौरतलब है कि ट्रंप भारत की ओर से अमेरिकी प्रोडक्ट पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं। ऐसे में भारत ने भी इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। अतएव भारत ने ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमेरिकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया है। भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया, वहीं 4 फरवरी को चीन ने पलटवार करते हुए अमेरिका पर 15 फीसदी टैरिफ लगा दिया। इसके साथ ही अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वार का नया दौर शुरू हो गया है। वस्तुतः चीन, मैक्सिको और कनाडा से अमेरिका को सबसे ज्यादा व्यापार घाटे का सामना करना पड़ता है। ये तीनों देश अमेरिका के लगभग 670 अरब डॉलर व्यापार घाटे के लिए जिम्मेदार हैं। वर्ष 2023 में अमेरिका को चीन से 317 अरब डॉलर, मैक्सिको से 200 अरब डॉलर और कनाडा से 153 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। जबकि अमेरिका के व्यापार घाटे में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 36 अरब डॉलर रही है। अमेरिका को जिन देशों से सबसे ज्यादा व्यापार घाटा होता है उस लिस्ट में भारत 9वें क्रम पर है। गौरतलब है कि ट्रंप भारत की ओर से अमेरिकी प्रोडक्ट पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं। ऐसे में भारत ने भी इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। अतएव भारत ने ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमेरिकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया है। एक फरवरी को पेश वर्ष 2025-26 के बजट में भारत ने अमेरिका से आने वाली वस्तुओं जैसे 1600 सीसी से कम इंजन की मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। भारत ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह ट्रंप प्रशासन से शुल्कों के रूप में मिलने वाली किसी चुनौती को टालने के लिए सीमा शुल्कों में एकतरफा कमी करने के लिए तैयार है। यह उल्लेखनीय है कि विगत 27 जनवरी को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात करके उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ने के उपायों पर सार्थक चर्चा की है। इसके बाद भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। यह भी बात महत्वपूर्ण है कि जहां इसी माह फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका जाएंगे, वहीं क्वाड के शिखर सम्मेलन में इसी वर्ष 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत आने की संभावनाएं हैं और इससे अमेरिका के साथ भारत के कारोबारी संबंध भी और व्यापक होंगे। यहां यह उल्लेखनीय है कि ट्रंप के नए कार्यकाल के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने अनुमान जताया है कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति ट्रंप से चीन को भारी नुकसान हो सकता है और भारत समेत आसियान देशों को फायदा होगा। वैश्विक अर्थ विशेषज्ञों का यह भी मत है कि भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ता हुआ व्यापार ट्रंप के नए कार्यकाल में और बढ़ना संभावित है। वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 120 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। वर्ष 2024 में जनवरी से जून के बीच अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनने के साथ-साथ भारत के लिए अमेरिका निर्यात के लिए सबसे बड़े बाजार सबसे प्रमुख निर्यात के रूप में रेखांकित हो रहा

है। पिछले वर्ष भी अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में रहा है और यह अधिशेष 35.3 अरब डॉलर स्तर पर है। विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) सहित अन्य नई अध्ययन रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि ट्रंप के नए कार्यकाल में भारत के लिए चुनौतियों के बीच मौके दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप के पहले शासन काल में भारत चीन के खिलाफ सख्ती का फायदा नहीं उठा सका था। ऐसे में ट्रंप द्वारा अमेरिकी प्रशासन की बागडोर संभालने के बाद भारत ने बहुआयामी रणनीति पर आगे बढ़ना शुरू कर दिया है, जिससे एक ओर अमेरिका में निर्यात बढ़ सके, वहीं दूसरी ओर वैश्विक निर्यात में भी तेज बढ़त मिल सके। निश्चित रूप से भारत के द्वारा अमेरिका के व्यापक हित में कुछ उत्पादों से शुल्क घटाए जाने से भारत को अमेरिका में निर्यात के अधिक मौके प्राप्त होंगे। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गारसेटी ने कहा है कि ट्रंप के आगमन से भारत और अमेरिका के आर्थिक रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। ऐसे में ट्रंप की आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत के लिए आर्थिक मौके उभर कर दिखाई दे रहे हैं। खासतौर पर ट्रंप ने भारतीयों को बड़ी राहत का ऐलान करते हुए कहा कि एच-1बी वीजा बंद नहीं होगा, क्योंकि इस समय अमेरिका को अच्छे प्रोफेशनल्स की जरूरत है। निःसंदेह ट्रंप का रुख और ट्रंप की नीति से भारत के लिए अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने और अमेरिका के सहयोग से भारत को चीन प्लस वन के रूप में दुनिया वैश्विक व्यापार में तेजी से उभरने का मौका भी मिल सकता है। चीन में मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली कई विदेशी कंपनियां भी भारत का रुख कर सकती हैं। भारत को अब तक चीन प्लस वन रणनीति अपनाने में अब तक सीमित फायदा ही मिला है। ट्रंप के नए कार्यकाल में यह फायदा बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा। शुरुआत में ही भारत-अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देकर लागू किए जाने की संभावना है। इससे भारत-अमेरिका व्यापार बढ़ेगा। भारत अमेरिका में निर्यात बढ़ाते हुए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में भी आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इन सबके साथ-साथ मोदी और ट्रंप के बीच हाउडी मोदी से नमस्ते ट्रंप तक के मित्रता के बहुआयामी अध्याय भारत-अमेरिका व्यापार को बढ़ाने में मददगार होंगे। इसमें कोई दो मत नहीं है कि जिन क्षेत्रों में चीन अमेरिका को प्रमुखता से निर्यात करता है, उनमे से कई क्षेत्रों में भारत अपना निर्यात सरलता से बढ़ा सकता है। इन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मोबाइल फोन, फुटवीयर, टेक्सटाइल और गार्मेंट्स, फर्नीचर और घर के सजावटी सामान, वाहनों के कल पुर्जे, खिलौने और रसायन आदि शामिल हैं। इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय निर्यातकों को अमेरिका बाजार में पहुंच बढ़ाने के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन अहम भूमिका निभाएगा। इस मिशन और मार्केटिंग प्रोत्साहन से निर्यातकों को अमेरिका के विभिन्न भागों में आयोजित प्रदर्शनियों में शामिल होने और अमेरिका में निर्यात योग्य नए उभरते क्षेत्रों की संभावनाओं का दोहन करने में मदद मिलेगी। इस समय जब डोनॉल्ड ट्रंप अपने नए कार्यकाल में अमेरिका को नए सिरे से गढ़ने के लिए चीन, कनाडा व मैक्सिको पर शुल्क लगाने की घोषणा के साथ आगे बढ़े हैं और भारत ने ट्रंप के टैरिफ वार को समझते हुए अमेरिका के व्यापक हित वाले उत्पादों पर शुल्क में उपयुक्त कमी की रणनीति अपनाना शुरू की है, वह भारत के लिए लाभप्रद होगी। ऐसे में अमेरिका को अधिक निर्यात बढ़ाने और चीन प्लस वन के मद्देनजर वैश्विक स्तर पर अधिक निर्यात के मौके भारत की मुट्ठी में आते हुए दिखाई दे सकेंगे। हम उम्मीद करें कि ट्रंप के द्वारा जो नई आर्थिक इबारत लिखी जा रही है, उससे भारत-अमेरिका के आर्थिक रिश्तों का नया दौर आगे बढ़ेगा।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

मंथन

विकेश कुमार बडोला

आध्यात्मिक जीवंतता का वाहक महाकुंभ

कुंभ का शब्दार्थ है घड़ा अर्थात कलश। कुंभ का जीवनार्थ है- काया व मन को पंचतत्त्वों के प्रत्यक्ष स्पर्श में लाकर आत्मसाधना की ओर अग्रसर होना। कुंभावधि में जल नामक तत्त्व गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर अमृतोन्मुखी हो उठता है। कुंभ के वृहद् स्वरूप महाकुंभ में जलतत्त्व के अमृत संपर्क में आकर आत्ममुखी होने का अवसर है महाकुंभी आयोजन। गत तेरह जनवरी से प्रारंभ हुई यह आस्थायात्रा 26 फरवरी 2025 तक चलेगी। अट्ठारह पुराणों से होते हुए चार वेदों तथा असंबद्ध रूप में 108 व मुख्यतः 13 उपनिषदों में समाहित (पंचांग- तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण; पंचतत्त्व- नभ, पृथ्वी, वायु, जल तथा अग्नि) संस्थिति द्वारा शुभाशुभ समय के निर्धारण के उपरांत नियत महाकुंभ आयोजन की पौराणिक कथा मूलतः विष्णु पुराण में पुरोल्लिखित हुई थी। इसके अनुसार, महर्षि दुर्वासा के श्राप द्वारा स्वर्ग ऐश्वर्य, धन, वैभव, इत्यादि से रहित हो गया था। फलतः इन्द्रादि देवता शक्तिहीन हो गये। सहायतार्थ देवताओं ने भगवान विष्णु की शरणागति की। भगवान ने उन्हें असुरों के साथ मिलकर समुद्र मंथन का उपाय बताया। मंथन से अमृत प्राप्त होगा, जिसका पान करके वे सभी अमर हो जाएंगे। असुर राजा बलि को देवताओं ने यह युक्ति बताई। वह भी अमरत्व के लोभवश समुद्र मंथन हेतु तैयार हो गया। देवासुरों ने वासुकि नाग की रस्सी बनाकर मंदराचल पर्वत की सहायता से सागर मथना प्रारंभ किया। परिणामस्वरूप एक-एक कर 14 रत्न निकले। इसी अमृत का पान करने दानव परस्पर छल-बल करने लगे। इस पारस्परिक संघर्ष में वे अमृतकुंभ लेकर यहां-वहां दौड़े। दौड़ाभागी में कुंभ से अमृत की बूंदें छलककर प्रयागराज, नासिक, उज्जैन एवं हरिद्वार में गिर पड़ीं। जिस क्रम में वे जहां गिरीं, वहीं उस स्थान पर समयक्रमानुसार छह वर्ष में अर्द्धकुंभ एवं बारह वर्षों में एक बार कुंभ का आयोजन होता है। तत्कालीन देवासुरों के विशाल अस्तित्व के अनुरूप सृजित अमृत की बूंदें आज के युग के मानवों हेतु नदी के समान ही हैं। प्रायः 12 वर्ष के समयचक्र में होने वाले कुंभ की समयावधि में बृहस्पति, सूर्य व चंद्रमा एक साथ एक दिशा एक स्थिति में विद्यमान होते हैं, किंतु बृहस्पति जब मकर राशि में तथा सूर्य व चंद्रमा अन्य शुभ स्थानों पर विराजित होते हैं, तब महाकुंभ का धरायण होता है। खगोलीय एवं ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 12 कुंभ घटियों के बाद 144 वर्ष का योग बनता है। इस बार यही संयोग है। कुंभ के पौराणिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ असीमित हैं। इन अर्थों को व्यक्तिगत योग चेतना के माध्यम से ही अनुभव किया जा सकता है। कुंभ का मर्म पापमुक्ति एवं मोक्षप्राप्ति से भी गहन है। यदि व्यक्ति के अंदर प्राकृतिक उत्सव में संचित होकर जीवन के प्रति अंतर्दृष्टि खोलने की उत्कट इच्छा है तो उसके लिए महाकुंभ सर्वोत्तम अवसर है। प्रकृति के पंचतत्त्वों में से एक है नीर। प्रत्यक्ष दिखाई देतीं नीरवाहिनी नदियां गंगा, यमुना व अदृश्य रूप में विद्यमान सरस्वती के संगम स्थल के प्रति आस्था, कृतज्ञता एवं सम्मान प्रदर्शित करने का विशाल, भव्य व अद्भुत सम्मेलन संसार में कहां है! इस पावन समय में यह स्थल अलौकिक शोभा एवं सौंदर्य के साथ चमत्कृत है। इस शुभघड़ी में तीनों सरिताओं के अमृतमय नीर द्वारा क्षयमान शरीर को चेतना प्रदान कर, मंगल स्नान कर और निज क्षमता से ध्यान धर कर व्यक्ति के मन में मौन होने, आध्यात्मिक होने का जो विचारबल प्रस्फुटित होता है, वास्तव में वही महाकुंभ का वास्तविक प्रसाद है। महाकुंभ का आस्थावान अंग केवल इसलिए नहीं बनना है कि काया संगम में डुबकी लगाएगी और व्यक्ति का लोक-परलोक सुधर जाएगा, बल्कि आवश्यकता कुंभगत प्राकृतिक प्रभाव को आत्मसात करने की है, ताकि जीवन-मृत्यु के मध्य घूर्णन करते मानवीय अस्तित्व के अंतिम शीर्ष लक्ष्य की ओर उन्मुख होने का आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त हो। मनुष्य का जीवन केवल भौतिक संघर्ष द्वारा ही परास्त नहीं होता। यह वैचारिक एवं मानसिक संघर्ष द्वारा भी अधि सीमा तक दुष्प्रभावित होता है। इन दोनों ही संघर्षों में आत्मबल वृहद् सहायक भूमिका में होता है। अध्यात्म की श्रेष्ठ उपलब्धियां जिन माध्यमों से साकार होती हैं, महाकुंभ की पारंपरिक उत्सवधर्मिता उनमें सर्वश्रेष्ठ है। साधु-संतों, ऋषियों-मुनियों की अंतर्दृष्टि में महाकुंभ त्याग, तपस्या, साधना, ध्यान, भक्ति, आस्था, प्रकृति के प्रति गहन समर्पण, लोक-समाज के लिए व्यक्तिगत क्षमता के अनुसार दायित्व भावना के उदय तथा अंततः जीवन-मृत्यु के अबूझ कालचक्र से स्थायी मुक्ति प्राप्त करने का आध्यात्मिक उपाय है। कुंभ एक गहन आध्यात्मिक विस्तार है। महाकुंभ का मर्म अत्यंत वृहद् है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

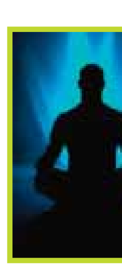

संकलित

दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

मन का भोजन हमारे विचार हैं

संकलित

प्रेरणा

एक दिन गौतम बुद्ध अपने शिष्यों और अन्य लोगों को उपदेश दे रहे थे। सत्संग में काफी लोग बैठे हुए थे। भीड़ में से एक व्यक्ति उठा और उसने बुद्ध से पूछा कि तथागत मैं जब ध्यान करने बैठता हूं तो मेरा मन ध्यान में नहीं लग पाता है। कृपया बताइए, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूं? बुद्ध के साथ ही सत्संग में बैठे हुए लोगों ने भी ये प्रश्न सुना, लेकिन बुद्ध ने उस व्यक्ति से कहा कि कृपया फिर से अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने फिर से कहा कि मेरा मन ध्यान में नहीं लगता है, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूं? बुद्ध ने कहा कि एक बार और अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने एक बार और अपनी बात कह दी। बुद्ध ने कहा कि हमारे विचार मन के लिए भोजन हैं। जब तक मन को विचारों का भोजन मिलता रहेगा, हम ध्यान नहीं कर सकते हैं। जब हम ध्यान करने बैठे, तब मन को विचारों का भोजन नहीं देना चाहिए, यानी सोच-विचार करना बंद कर देना चाहिए। तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। जब मन विचारों से खाली हो जाएगा, तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। बुद्ध ने उस व्यक्ति से ध्यान के बारे में प्रश्न तीन बार पूछा था और बुद्ध ने भी तीन बार इस प्रश्न का उत्तर दिया। बुद्ध ने तीन बार उत्तर दिया तो लोगों ने पूछा कि आपने इस व्यक्ति से तीन बार प्रश्न पूछा और उत्तर भी तीन बार ही दिया, ऐसा क्यों? बुद्ध ने लोगों को समझाया कि मैं इन सज्जन से तीन बार प्रश्न पूछा, क्योंकि मैं प्रश्न के लिए इनकी गंभीरता को परखना चाहता था। जब मुझे लगा कि ये अपने प्रश्न के लिए गंभीर हैं, तब मैंने उत्तर भी तीन बार दिया, ताकि मेरी बात इन्हें अच्छी तरह समझ आ जाए।

सटाका

आज की पाती

आवारा मवेशियों की समस्या का हल जरूरी

देशभर में आवारा मवेशियों की समस्या दिनोंदिन विकराल होती जा रही है। जहां एक ओर आवारा मवेशी सड़क हादसों का सबब बन रहे हैं, तो दूसरी ओर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आज शहर हो या गांव, आवारा मवेशियों के आतंक से कोई अछूता नहीं हैं। इनके सर्वत्र घूमने से आमजन का अपने घर से बाहर निकलना दूभर हो रहा है। सड़क हादसों में होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण आवारा मवेशी भी हैं, जो यातायात व्यवस्था को तो बाधित करते ही हैं साथ ही उनके अचानक बीच सड़क पर आ धमकने से सड़क हादसे भी अंजाम लेते हैं। ऐसे में सवाल है कि आखिर कैसे घूम रहे हैं आवारा मवेशी और कौन है इनका असली मालिक? साथ ही इनसे होने वाले नुकसान के लिए कौन जिम्मेदार है।

- राकेश यादव, बिलासपुर

करंट अफेयर

सुपरसोनिक विमानों की हो सकती है वापसी

पिछले सप्ताह के अंत में, अमेरिकी कंपनी बूम सुपरसोनिक ने अपने एक्सबी-1 सुपरसोनिक डेमोन्स्ट्रेटर विमान के साथ ध्वनि की गति से भी तेज उड़ान भरी। यह अब पहला पायलट वाला गैर-सैन्य विमान है जिसने 2003 में कॉनकॉर्ड के सेवा से हटने के बाद से ध्वनि अवरोध को तोड़ा है। यह बूम के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की दिशा में पहला कदम है, जिसके तहत 2029 तक सुपरसोनिक एयरलाइनर यात्रियों को ले जा सकेंगे। लेकिन सुपरसोनिक यात्रा वास्तव में क्या है? प्रचार के बावजूद इसके अधिक प्रचलित न होने के कुछ कारण हैं। सुपरसोनिक उड़ान क्या है? 'मैक' संख्या को विमान की गति को ध्वनि तरंगों की गति से विभाजित करके परिभाषित किया जाता है। 'ध्वनि अवरोध को तोड़ने' का अर्थ है ध्वनि की गति से तेजउड़ान भरना, जिसमें मैक संख्या 1 से अधिक हो। मैक संख्या एक महत्वपूर्ण अनुपात है: जब विमान उड़ता है, तो यह अपने सामने की हवा को चीरता है। ये विक्षोभ ध्वनि की गति से चलते हैं। सुपरसोनिक उड़ान में ये विक्षोभ मिलकर यान के चारों ओर 'शॉक वेव' बनाती हैं। जब लोग कहते हैं कि आप लड़ाकू विमान की आवाज सुनने से पहले उसे देख सकते हैं, तो वे सुपरसोनिक उड़ान का उल्लेख कर रहे होते हैं: लड़ाकू विमान लगभग मैक 2 की गति से यात्रा कर सकते हैं।

ऑफ बीट

जलवायु से प्रभावित उत्पाद पृथ्वी पर हमेशा बने रहेंगे

जलवायु से प्रभावित उत्पाद अपूर्ण खाद्य पदार्थ जैसा दिखता है क्योंकि यह अक्सर छोटा, विकृत या सतही रूप से अपूर्ण होता है। अपूर्ण उत्पाद को ऐसे उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो दिखने में बाजार के मानकों पर खरा नहीं उतरता। जलवायु से प्रभावित उपज का स्वाद और बनावट काफी भिन्न हो सकती है। सूखे के प्रभाव के कारण सेब अधिक मीठे और दानेदार हो सकते हैं, मिर्च अधिक तीखी और प्याज अधिक तीखे हो सकते हैं। हल्के या मध्यम सूखे के मामले में, ऐसी उपज खाने योग्य होती है। हाल के हमारे शोध से कुछ असहज बातों का पता चलता है। कई उपभोक्ता जलवायु प्रभावित उत्पादों से पूरी तरह बचना पसंद करते हैं और जब कीमत एक कारक है, तो वे छूट के बिना इसे नहीं चुनेंगे। लेकिन हमारा शोध यह भी सुझाव देता है कि किस तरह से ऐसी उपज की खरीद को प्रोत्साहित किया जा सकता है। हमने ताजा फल और सब्जियां खरीदने वाले उपभोक्ताओं के साथ दो अलग-अलग विकल्पों का इस्तेमाल किया। एक नमूना ऑस्ट्रेलियाई छात्रों से लिया गया, जबकि दूसरा व्यापक ऑस्ट्रेलियाई आबादी के सदस्यों से लिया गया। प्रतिभागियों को सेब के आठ अलग-अलग विकल्प दिखाए गए, जिन्हें मिठास और आकार समेत विभिन्न विशेषताओं के साथ वर्णित किया गया था।

ट्रेंड

पवित्र संगम में स्नान

प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर-हर गंगे!

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उपचुनाव में फर्जी वोट

मिल्कीपुर उपचुनाव में राय पट्टी अमानीगंज में फर्जी वोट डालने की बात अपने मुँह से कहने वाले ने साफ़कर दिया है कि भाजपा सरकार में अधिकारी किस तरह से धांधली में लिप्त है। कोई सबूत चाहिए क्या?

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

'मंगल सेवा' का संकल्प

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मेरा बेटा जीत और बहू दिवा अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत एक पुण्य संकल्प से कर रहे हैं। दोनों ने प्रति वर्ष 500 दिव्यांग बहनों के विवाह में प्रत्येक बहन के लिए 10 लाख का आर्थिक सहयोग कर 'मंगल सेवा' का संकल्प लिया है।

-गौतम अडानी, उद्योगपति

जीवन की तरह है व्यवसाय

व्यवसाय, जीवन की तरह, विश्वास, साझेदारी और जोखिम लेने की भूख पर चलता है। शोले सिर्फ एक फिल्म नहीं, यह दोस्ती, साहस और सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ने का एक सबक है।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

वसूली के लक्ष्य को बढ़ाने दिए निर्देश
करदाताओं के घर-घर पहुंचेगा राजस्व अमला : निगमायुक्त

जबलपुर।

निगमायुक्त प्रीति यादव ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कर वसूली के लक्ष्य को बढ़ाने के लिए कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अमला हर करदाता के घर तक पहुंचे और बकाया करों की राशि हर हाल में वसूल कर निगम के खजाने में जमा कराए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान में कोई लापरवाही नहीं सहन की जाएगी।निगमायुक्त ने अधिकारियों को बड़े बकायादारों की सूची सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित करने और उनके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई में तेजी लाने के आदेश दिए। इसके अलावा, निगम के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को दो महीने के लिए राजस्व वसूली कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा।जिन करदाताओं द्वारा बार-बार नोटिस भेजने के बावजूद बकाया राशि नहीं जमा की जाएगी, उनके खिलाफ संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने चेतावनी दी कि जिन राजस्व निरीक्षकों ने लक्ष्य के अनुरूप कार्रवाई नहीं की, उन्हें विभागीय कार्यों से हटा दिया जाएगा और उनके खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे।बैठक में अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा, व्ही.एन. बाजपेयी, मनोज श्रीवास्तव, श्रीमती अंजू सिंह ठाकुर, उपायुक्त पी.एन. सनखेरे, और राजस्व निरीक्षक भी मौजूद थे।

निगमायुक्त के निर्देश पर कुर्की की कार्रवाई तेज

नगर निगम द्वारा इस वित्तीय वर्ष के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वसूली अभियान को गति दी जा रही है। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने कहा कि इस अभियान में सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बेहतर प्रयास कर रहे हैं, लेकिन और अधिक मेहनत की आवश्यकता है। निगमायुक्त के निर्देशों के अनुसार, वसूली अभियान में बड़ी कार्रवाई की गई। संभागों 6 और 10 में प्रमुख बकायादारों की संपत्तियों की कुर्की की गई और कई जल उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन काटे गए।

31 मार्च तक लाइसेंस नवीनीकरण

नगर निगम द्वारा व्यापारियों के लिए लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया 15 फरवरी से शुरू की जाएगी। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने सभी व्यापारियों से अपील की कि वे 31 मार्च तक बिना विलंब शुल्क के अपना लाइसेंस नवीनीकरण कराएं, अन्यथा अप्रैल से विलंब शुल्क लिया जाएगा।

डुमना विमानतल की सुरक्षा में जंगली सियार ने लगाई सेंध

हरिभूमि, जबलपुर।

नवनिर्मित डुमना विमानतल की सुरक्षा में एक जंगली सियार द्वारा सेंध लगाने का मामला सामने आया है जहां पर रनवे से चंद कदमो की दूरी पर बने टनल के रास्ते जंगली सियारों का एक झुंड डुमना विमानतल के अंदर प्रवेश कर गया जिनमे से एक सियार लोहे की जाली में फंस गया जिसकी आवाज सुनकर डुमना विमानतल ऑथोरिटी के अधिकारी मौके पर पहुचे और उस सियार को देख कर तत्काल जबलपुर के वन अधिकारियों को सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुचे वन परिक्षेत्र अधिकारी अपूर्व प्रखर शर्मा औऱ धनंजय घोष के साथ अन्य वन्यप्राणी विशेषज्ञों की टीम ने उस सियार का रेस्क्यू कर उसे जंगल मे छोड़ दिया लेकिन इस पूरे मामले में डुमना विमानतल की सुरक्षा में एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए है अगर रनवे पर किसी विमान की लैंडिंग होती और उसी समय सियार रनवे पर आ जाते तो किसी बड़ी घटना से इंकार नही किया जा सकता था क्योकि 2015 के दिसंबर माह में मुंबई से जबलपुर आ रहा स्पाइस जेड का विमान डुमना विमानतल के रनवे पर उतरते समय अचानक फिसल कर मिटटी में धंस गया था जिसकी जांच के बाद यह सामने आया था कि उस विमान की लैंडिंग के समय कोई जंगली जानवर विमान के पहिये के नीचे आ गया था जिस वजह से वह यात्री विमान रनवे से फिसल कर मिट्टी में जा धंसा था और उस विमान में सवार सभी 53 यात्री दहसत आ गए थे ऐसे में इस तरह का मामला सामने आने के बाद अब एक बार फिर डुमना विमानतल की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे है।

वन प्राणी विशेषज्ञों ने किया सियार का रेस्क्यू

इनका कहना है

डुमना विमानतल के रनवे के पास बनी टर्मिनल बिल्डिंग के पास टनल में एक जंगली सियार फंसा हुआ था जिसका रेस्क्यू कर उसे सकुशल जंगल मे छोड़ दिया गया है और विमानतल के अधिकारियों के साथ एक बार फिर रनवे के आसपास सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा।

अपूर्व प्रखर शर्मा,वन परिक्षेत्र अधिकारी जबलपुर

प्रत्येक किसान की होगी यूनिक आईडी

जबलपुर।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ या अन्य फसलों का उपार्जन अब उन्हीं किसानों से होगा जिनकी फार्मर रजिस्ट्री हो चुकी है अथवा जिन्हें फार्मर आइडी प्राप्त हो गई है। यही नहीं आने वाले समय में किसानों को प्रधानमंत्री किसान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण जैसी शासन की योजनाओं का लाभ भी फार्मर आईडी या फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही मिलेगा। जबलपुर जिले में अभी तक 1 लाख 65 हजार 270 किसानों में से 47 हजार 341 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूरा हो चुका है।

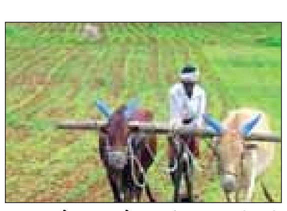

कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के किसानों के लिये राज्य शासन ने महत्वपूर्ण पहल के रूप में फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की है। इसके तहत प्रत्येक किसान को एक यूनिक आईडी (फार्मर आईडी) प्रदान की जायेगी। फार्मर आईडी से किसानों की पहचान सुनिश्चित होगी, किसानों का डेटा बेस तैयार होगा, कृषि सबंधी नीतियों के क्रियान्वन में मदद मिलेगी तथा किसानों को पीएम किसान एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी।अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि किसान घर बैठे मोबाइल एप के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री करा सकेंगे। इसके लिये उन्हें प्ले स्टोर पर जाकर फार्मर सहायक एप डाउनलोड करना होगा तथा आधार वेरीफिकेशन और मोबाइल नम्बर वेरिफिकेशन के बाद किसान को स्वयं की, कृषि भूमि की और समग्र आईडी की जानकारी इसमें दर्ज करनी होगी। मोबाइल एप के अलावा किसान पटवारी अथवा उनके गांव में नियुक्त सर्वेयर सहायक से भी फार्मर रजिस्ट्री करा सकेंगे। एमपी ऑनलाइन कियॉस्क और कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी निर्धारित शुल्क चुकाकर किसान फार्मर रजिस्ट्री करा सकेंगे। जिला प्रशासन ने जिले के सभी किसानों से फार्मर रजिस्ट्री शीघ्र कराने का आग्रह किया है, ताकि भविष्य में उन्हें उपार्जन अथवा शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

यूनिपोल होर्डिंग मामले में उपभोक्ता मंच ने उठाया सवाल
15 दिन बीते, जांच समिति की रिपोर्ट नहीं आई

जबलपुर।

नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत समस्त वैध, अवैध यूनिपोल होर्डिंग को चिन्हित कर जांच किए जाने हेतु समिति का गठन 21 जनवरी को किया गया था तथा वादा किया गया था कि इस समिति को 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट पेश करने को कहा जाएगा। इस समिति के गठन को अब 15 दिन बीत गए हैं, अतः वादे के तहत समिति को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के तत्काल निर्देश जारी करें।

यह निवेदन आज विभिन्न संगठनों ने नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव को सौंपा। उल्लेखनीय है कि नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, महिला समिति आदियों ने 22 जनवरी को आयुक्त प्रीति यादव से शहर में जगह-जगह लगाए गए यूनिपोल होर्डिंग तथा उनसे हो रहे हादसों के संबंध में विस्तृत चर्चा की थी।

एजेंसी पर भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई

चर्चा के दौरान प्रीति यादव ने वादा किया था कि इलाहाबाद बैंक के पास यूनिपाले हादसे में एडवरटाईजर एजेंसी द्वारा प्रस्तुत जवाब का परीक्षण कर कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने दीपक एडवरटाईजर को 20 जनवरी को नोटिस भेजकर 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा था। इस पर एजेंसी ने 21 जनवरी को जवाब प्रस्तुत किया है। अब इस जवाब को भी 15 दिन बीत गए हैं, फिर भी अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस अवसर पर डॉ. पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, टीके रायघटक, डीके सिंह, सुशीला कनौजिया, सुभाष चंद्रा, संतोष श्रीवास्तव, हरजीवन विश्वकर्मा, एड.जीएस सोनकर, विनायक सोरते, दीपक कुंडे, डीआर लखेरा, पीएस राजपूत आदि उपस्थित थे।

गुणवत्ता के साथ करें सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों का निराकरण

जबलपुर।

सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के लिये बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई बैठक में अधिकारियों को जिला स्तर पर अपने विभाग की ग्रेडिंग में तेजी से सुधार लाने के निर्देश दिये गये हैं। बैठक में अधिकारियों से कहा गया है कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और आवेदक की संतुष्टि के साथ ही निराकरण सुनिश्चित करें।

अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त एवं निराकृत शिकायतों की विभागवार समीक्षा की गई। सुश्री मिशा सिंह ने 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुये

जिला अधिकारियों से कहा कि उन्हें अपने स्तर पर भी सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों की निरंतर मॉनिटरिंग करनी होगी। अपर कलेक्टर ने सी और डी ग्रेडिंग वाले विभागों को एक-दो दिन के भीतर अपनी परफार्मेंस में सुधार लाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि यदि किसी विभाग की वजह से जिले के रैंकिंग प्रभावित होती है तो सबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह ने बैठक में साफ किया कि कोई भी विभाग सीएम हेल्पलाइन की कोई शिकायत यदि उसके कार्यक्षेत्र के बाहर है तो अब 5 फरवरी के बाद दूसरे विभाग को ट्रांसफर नहीं कर सकेगा। इसी के साथ उन्होंने मांग और सुझाव सबंधी ऐसी सभी शिकायतों के फोर्स क्लोजर का प्रस्ताव 14 फरवरी तक कलेक्टर कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश भी दिये जिनका निराकरण किसी भी स्थिति में संभव नहीं है।

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं को मिली जमानत

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में आपत्तिजनक पोस्टर चिपकाने के आरोप में गिरफ्तार एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को सत्र न्यायालय से जमानत मिल गई है। एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव नीलेश माहर, मोहम्मद अली और अनुज यादव की ओर से यह जमानत अर्जी दायर की गई थी। जमानत पर सुनवाई के दौरान आरोपितों की ओर से दलील दी गई कि उनके पक्षकार लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे, लेकिन प्रशासन ने सरकार के दवाब में आकर उनके विरुद्ध झूठी कार्रवाई की, जो निरस्त किए जाने योग्य है। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान आवेदकों की ओर से अधिवक्ता श्रीकांत विश्वकर्मा, अजय प्रजापति, अपूर्व केसरवानी, विकास विश्वकर्मा व विजय गुप्ता ने पक्ष रखा।

नवीन अधिवक्ताओं को संघ से सदस्यता लेना जरूरी
स्टेट बार ने दी कार्यवाही की चेतावनी

जबलपुर।

एमपी स्टेट बार काउंसिल ने आदेश के जरिए साफ कर दिया है कि नवीन अधिवक्ताओं को किसी मान्यता प्राप्त अधिवक्ता संघ की सदस्यता लेना अनिवार्य है। यदि वे ऐसा नहीं करते तो उनके विरुद्व कार्यवाही की जाएगी और उन्हें अधिवक्ता कल्याणकारी योजनाओं से भी वंचित होना पड़ेगा।

उक्ताशय की जानकारी स्टेट बार चेयरमेन राधेलाल गुप्ता व वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने दी। उन्होंने बताया कि स्टेट बार से नामांकन के उपरांत तीन माह के अंदर मान्यता प्राप्त अधिवक्ता संघ में सदस्यता लेना अनिवार्य है। वाईस चेयरमेन श्री सैनी ने बताया कि प्रदेश की कई तहसील एवं जिला अधिवक्ता संघों से जानकारी प्राप्त हुई है कि तहसील व जिला के कई अधिवक्तागण अधिवक्ता संघ में सदस्य नहीं है। ऐसे नवागत वकील तीन माह के अंदर मान्यता प्राप्त अधिवक्ता संघ में सदस्यता ले लें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो उनको स्टेट बार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहना पड़ेगा। अधिवक्ता संघो से अनुरोध है कि ऐसे सभी अधिवक्ता जो कि किसी भी अधिवक्ता संघ के सदस्य नहीं हैं उन्हें सदस्यता लेने हेतु प्रेरित करें। इस संबंध में समस्त अधिवक्ता संघों को पत्र भेजे गए हैं। दरअसल, एक दिन पूर्व हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के सचिव अधिवक्ता परितोष त्रिवेदी ने इस आशय का पत्र स्टेट बार भेजा था, जिसके बाद अविलंब कार्रवाई सुनिश्चित कर दी गई।

डीएआरएम ने किया जबलपुर स्टेशन का निरीक्षण

जबलपुर। मण्डल रेल प्रबन्धक कमल कुमार तलरेजा ने आज बुधवार को दुर्घटना राहत गाड़ी के साथ ही जबलपुर स्टेशन के यार्ड में ट्रैक, पॉइंट एंड क्रॉसिंग एवं स्टेशन का विशेष निरीक्षण किया तथा रेल संरक्षा एवं सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने यात्री सुविधाओं संबंधित पार्सल ऑफिस में क्यूआर कोड से पार्सल की मार्किंग की प्रक्रिया का निरीक्षण करते हुए पार्सल ओवर केरी ना होने के निर्देश दिए। इसके पश्चात रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) पैनल एवं क्रू लॉबी का निरीक्षण किया। इसके साथ ही स्टेशन पर बने रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत डीआरएम ने संबंधित अधिकारियों को स्टेशनों पर भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत यात्री सुविधाओं तथा परिचालन संबंधी कार्यों को सावधानी पूर्वक एवं नियम अनुसार करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीआरएम के साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अजय कुमार शुक्ला, वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता रामबदन मिश्रा, वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर (टीआरओ) अक्षय कुमरावत, सीनियर डीएमई (फ्रेंड) हनुमान सिंह, मण्डल अभियंता पीके श्रीवास्तव आदि पर्यवेक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस कप्तान की मेहनत रंग लाई, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की सभी ने की सराहना
नर्मदा भक्तों को जाम ने नहीं किया परेशान

हरिभूमि, जबलपुर।

नर्मदा प्रकटोत्सव की धूम दूसरे दिन भी जारी रही। पहले दिन नर्मदा के तटों पर महाकुंभ का नजारा दिखा, वहीं दूसरे दिन शहर में जहां-तहां स्थापित मां नर्मदा की प्रतिमाओं की विसर्जन यात्राओं का क्रम जारी रहा। नर्मदा मार्ग पर ढोल ढमाकों के साथ जुलूस पहुंचते रहे। इस साल प्रशासनिक व्यवस्थाएं चाक चौबंद रही। खासकर पुलिस ने सुरक्षा और यातायात के व्यापक प्रबंध कर रखे थे। लिहाजा इस साल जाम के हालातों का सामना नहीं करना पड़ा। दरअसल पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने पूरी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करने के बाद यातायात डायवर्सन और वाहनों के प्रवेश व निर्गम की जो व्यवस्था सुनिश्चित की थी, उस पर पूरी तरह से अमल हुआ और पुलिस प्रशासन की व्यवस्था को जनसहयोग भी मिला।

बैरीकेटिंग से नियत्रंण और पार्किंग की सराहना

यद्यपि इस दौरान स्थानीय निवासियों को जरुर आने जाने में परेशानी हुई क्योंकि उनके लिए काम से निकलना और फिर घर लौटना लंबे सफर को तय करने के बराबर हो गया। पुलिस ने बैरीकेटिंग करके, खासकर चौपाया वाहनों के प्रवेश को जिस तरह से नियंत्रित किया और उनकी पार्किंग कराई, उससे यातायात काफी सुगम रहा। पुलिस के साथ-साथ जिला प्रशासन और नगर निगम प्रशासन की व्यवस्थाएं भी काबिले तारीफ रही।

पूजन सामग्री दुकानों की शिफ्टिंग बनी मददगार

तमाम विरोध के बावजूद नगर निगम द्वारा घाट के किनारे लगने वाली पूजन सामग्री दुकानों को गौरीघाट स्टेशन से शिफ्ट कर दिए जाने से पूरा नर्मदा तट श्रद्धालुओं के लिए सुगम और आसान बना।

कलेक्टर- निगमायुक्त भी करते रहे मोनिटरिंग

कलेक्टर दीपक सक्सेना, नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव लगातार व्यवस्थाओं पर निगरानी करते रहे और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए जो भी व्यवस्थाएं आवश्यक थी वे लगातार पूरी तरह से सुनिश्चित कराई गई।

देर रात तक मुस्तैद रहे अफसर-

यहां गौरतलब है कि आयोजन के चार दिन पूर्व प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर नर्मदा प्रकटोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की थी और यातायात सुरक्षा और साफ सफाई के व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिए थे। जन सुरक्षा और जनसुविधा को ध्यान में रखकर प्रशासनिक अधिकारियों ने अपनी पूरी टीम को व्यवस्थाओं में झोंक दिया था। इतना ही नहीं कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय, निगामायुक्त प्रीति यादव, एएसपी सोनाली दुबे एएसपी क्राइम प्रदीप शिंदे, सुबह से देर रात तक व्यवस्थाओ की निगरानी करते रहे। जहां कही भी कमी नजर आई वहां तत्काल व्यवस्था की गई। कुल मिलाकर नर्मदा प्रकोटत्सव का महाकुंभ व्यवस्थाओं के गुलदस्ते से महक उठा।

अब हवाबाग कालेज परिसर में अवैध कटाई का मामला

रातों रात कट रहे दशकों में बड़े हुये पेड़

हरिभूमि जबलपुर।

शहर के प्रतिष्ठित और अनुदान प्राप्त हवाबाग कॉलेज परिसर में बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई की घटना सामने आई है। कॉलेज के मैदान में दशकों पुराने दर्जनों पेड़ों को काटकर फेंक दिया गया है, लेकिन इस कटाई की अनुमति या सहमति किससे ली गई थी, यह जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं हो पाई है। कॉलेज प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की ओर से इस बारे में कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह घटना किसी बड़े वन माफिया के प्रभाव में हुई है। घटना के बारे में कॉलेज प्रिंसिपल से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यही नहीं, जब आसपास के लोग और पर्यावरण प्रेमी इस मामले पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं, तो कॉलेज प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारी कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे हैं।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कॉलेज को अपने स्तर पर पेड़ काटने के पहले विभाग से रिपोर्ट तैयार करवानी होती है और अनुमति लेनी होती । रिपोर्ट में पेड़ों की मोटाई, लंबाई, और कीमत का आंकलन किया जाता है, ताकि नीलामी की प्रक्रिया पूरी की जा सके। हालांकि, आरोप है कि हवाबाग कॉलेज में इस प्रक्रिया का पालन किए बिना ही कटाई की गई है, जिससे यह सवाल खड़ा होता है कि क्या कॉलेज प्रशासन या किसी अन्य प्रभावशाली तत्व ने इस अवैध कटाई की ओर ध्यान नहीं दिया।

लकड़ी माफिया की संलिप्तता का संदेह

आसपास के क्षेत्र में इस घटना की चर्चा जोरों पर है। स्थानीय लोग और कुछ पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि कॉलेज के मैदान में कटे गए पेड़ों की लकड़ी को रातों-रात गाड़ियों में भरकर दूर-दराज स्थानों पर भेज दिया गया है। इसके पीछे लकड़ी माफिया के हाथ होने का संदेह जताया जा रहा है। चर्चा है कि पेड़ काटने के बाद वहां आग भी लगा दी गई थी, ताकि किसी को इसकी जानकारी न हो सके। इतना ही नहीं, हवाबाग कॉलेज के परिसर में कटे गए पेड़ों की लकड़ी गायब है, केवल जड़ें ही मौके पर बची हैं। यह संदेह पैदा करता है कि इन्हें अवैध रूप से बेचने की कोशिश की गई थी। ईंट भट्टों और आरा मिलों में इस लकड़ी को अधिक दामों पर बेचा जाता है, जिससे माफिया का पूरा नेटवर्क इसे शोषण कर रहा है।

पर्यावरण पर पड़ने वाले गंभीर प्रभाव

यह घटना न केवल हवाबाग कॉलेज के भीतर बल्कि पूरे शहर के पर्यावरण के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। दशकों पुराने पेड़ों की कटाई से पर्यावरण में असंतुलन पैदा होगा, जो हवा की गुणवत्ता, मौसम के पैटर्न, और स्थानीय पारिस्थितिकी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। दुर्भाग्यवश, इस घटना से संबंधित किसी भी अधिकारी या संस्थान की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, जिससे यह साबित होता है कि जिम्मेदारों को पर्यावरणीय संकट की कोई चिंता नहीं है। इस घटना के बाद पर्यावरण प्रेमियों ने राज्य सरकार से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही, वे यह भी चाहते हैं कि पेड़ों की अवैध कटाई को रोकने के लिए सख्त नियम बनाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

धर्म

नृसिंह मंदिर में होगा शताब्दी समारोह महोत्सव

सिहोरा। खितौला नगर के श्री नृसिंह मंदिर में शताब्दी समारोह महोत्सव मनाने के साथ श्री लक्ष्मी नृसिंह महायज्ञ का आयोजन 17 फरवरी से 25 फरवरी 2025 तक किया जा रहा है। जिसकी कलश शोभा यात्रा 16 फरवरी को आयोजित है।इस महायज्ञ में 18 पुराणों एवं कथा प्रवचनों का आयोजन होगा।मुख्य कथा वाचक के रूप में जय श्री राधेश्याम दास महाराज (ओरछा) रहेंगे। रात्रि 8 बजे से भव्य रामलीला का आयोजन भी रहेगा। सभी श्रद्धालु भक्तजनो से सपरिवार पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील श्री नृसिंह टेकरी खितौला के समस्त शिष्यगण ने की है।

सिहोरा से प्रतिदिन महाकुंभ में आस्था की डूबकी लगाने जा रहे श्रद्धालु जन

सिहोरा। प्रयागराज उत्तरप्रदेश में 26 फरवरी तक चल रहे महाकुंभ में जहां देश के कोने कोने से श्रद्धालु बड़ी संख्या में स्पेशल बस से आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं वहीं सिहोरा में इसमें पीछे नहीं है।हर कोई त्रिवेणी संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करना चाह रहा है । नृसिंह ट्रैवल्स के संचालक वैभव पांडे ने बताया कि जबसे महाकुंभ प्रारम्भ हुआ तब से अभी तक प्रतिदिन दो बसें बहुत ही कम शुल्क में यात्रियों को लेकर जा रही है। सिहोरा नगर के अलावा इससे लगे ग्रामीण क्षेत्रों के करीब 1500 श्रद्धालूजन आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

एक दीप विद्यासागर गुरुवर के नाम कार्यक्रम का आयोजन आज

पनागर। समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रथम समाधि स्मृति दिवस के अवसर पर गुरुवार दिनांक 6 फरवरी को प्रातः 8 बजे से बड़े जैन मंदिर में आचार्य छत्तीसी विधान होगा और रात्रि 7 बजे कमानिया गेट के अंदर आचार्य श्री जी के तैल चित्र के सम्मुख दीप जलाए जाएंगे। जिसमे सर्व समाज के लोग अपनी उपस्तिथि देगे एवम आयोजको की अपील में सभी जन अपने अपने घर से दीपक लेकर आयेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदु भैया रहेंगे उपस्तिथि की अपील सर्व धर्म समाज ने की है।

माँ नर्मदा जी मूर्ति का हुआ विर्सजन

जबलपुर। मां रेवा उत्सव समिति के द्वारा माँ नर्मदा जन्मोत्सव पावन पर्व पर कंचनपुर बड़ी खेरमाई के पास माँ नर्मदा जी का विर्सजन आज हुआ। इस अवसर पर सनी पटेल, रंजीत रजक, गुलशन पटेल, मोहित पटेल, आकाश साहू, दुर्गेश विश्वकर्मा(लड्डू) अभिषेक विश्वकर्मा, साहिल रजक (मामा) आशू पटेल सत्यम विश्वकर्मा राज पटेल अतुल रजक सत्यम विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

यूनियन बैंक में हमेशा बंद रहती है एंट्री मशीन

भेड़ाघाट। यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा बिल्हा में पासबुक में एंट्री की मशीन खराब होने के कारण उपभोक्ता परेशान होते रहते हैं अक्सर बैंक कर्मचारियों द्वारा एक ही बहाना बनाया जाता है कि अभी एंट्री की मशीन में खराबी होने के कारण आपकी पासबुक की एंट्री नहीं हो सकती। खाता धारकों ने बताया कि हमेशा मशीन बंद रहती है और बैंक कर्मचारियों द्वारा भी एंट्री नहीं की जाती है जिसके कारण खातेधारी परेशान होकर बैंक कर्मचारियों को कोसते हैं कि यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया बिल्हा शाखा जबलपुर में कर्मचारियों द्वारा उल्टा खाता धारी को समझाइश दी जाती है कि ऑनलाइन पैसा निकाल लिया करो या फिर एप्प अपलोड कर लो। ग्रामीण क्षेत्र में बैंक की एक अलग भूमिका होती हैं फिर भी यूनियन बैंक में खाताधारी परेशान होते रहते हैं। उच्च अधिकारियों से खाताधारियों ने मांग करते हुए कहा है कि एंट्री की मशीन चालू कराई जाए या फिर बैंक कर्मचारियों द्वारा एंट्री पासबुक में की जाए जिससे लोगों को परेशानी ना हो पासबुक में एंट्री ना होने से बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है कितना पैसा निकला या कितना पैसा बचा है इसका भी हिसाब किताब नहीं रहता है समस्या को देखते हुए उच्च अधिकारी शीघ्र एंट्री मशीन को चालू कराये जिससे पासबुक में एंट्री हो सके और हम लोगों को इस समस्या से निजात मिल सके।

सचिव सबल सिंह मैन आफ दा मैच चुने गये

जनप्रतिनिधि इलेवन ने अधिकारी इलेवन को 9 विकिट से हराया

हरिभूमि न्यूज सिहोरा।

भाटादोन ग्राम पंचायत के अंतर्गत खेल मैदान में अधिकारी इलेवन एवं जनप्रतिनिधि इलेवन के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। जिसमें जनप्रतिनिधि इलेवन ने अधिकारी इलेवन को 9 विकेट से हराया। खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट मैच में अधिकारी इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 103 रन बनाए जिसमें जनप्रतिनिधि इलेवन ने एक विकेट खोकर दसवें ओवर में जीत हांसिल की। अधिकारी इलेवन टीम की तरफ से सचिव सबल सिंह बागरी को मैन ऑफ दा मैच चुना गया उन्होंने 38 रन बनाने के साथ दो विकिट भी झटके।जनप्रतिनिधि इलेवन की तरफ से पवन गुप्ता मंडल अध्यक्ष ने कप्तानी की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक संतोष बरकडे, पुष्पराज बघेल, तहसीलदार शशांक दुबे,जनपद सीईओ जितेंद्र गुप्ता, सचिव प्रमोद पांडे, सरपंच प्रदीप सेन, अंकित तिवारी, शिशिर पांडे, विरेन्द्र पटेल, मंडल अध्यक्ष सतीश पटैल, प्रमोद गौतम जनपद सदस्य, शिव बालक पांडे, प्रहलाद पांडे, सचिव प्रदीप यादव, नर्मदा दुबे, शरद यादव, पार्षद शारदा बर्मन, सुनील चक्रवर्ती, सरपंच बिनोद पटेल, रजनीकांत पटैल, अमित पटैल सहित अनेक कर्मचारी एंव जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

मारपीट की वारदातों में 3 घायल

हरिभूमि जबलपुर।

गौरीघाट, कोतवाली और शहपुरा थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने चाकू व ब्लेड से हमला कर तीन युवकों को घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरीघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीपी नर्मदा इच्छा क्लब के पीछे गौरीघाट निवासी 27 वर्षीय अनुराग मिश्रा गत दिवस नर्मदा जन्मोत्सव के पर्व पर नर्मदा जी के दर्शन कर गौरीघाट से सिद्धघाट पहुंचकर गाड़ी से घर वापस जाने के लिए निकला, तभी वहां पर शराब के नशे में अज्ञात तीन लड़के तथा उनके अन्य साथी उसके पास आकर शराब पीने के लिये पैसे मांगने लगे, उसने पैसे देने से मना किया तो तीनों लड़के उसके साथ गाली गलौज करते हुये चाकू से उसकी पीठ, हाथ व कमर पर हमला कर घायल कर जान से मारने की धमकी दी। घायल अनुराग को उपचार के लिए मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 118(1) 351(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

वही कोतवाली में प्रताप धर्मकांटा के सामने दमोहनाका निवासी 19 वर्षीय मिन्टू चौधरी से गत रात लगभग 10 बजे शराब के नशे में अभिषेक अहिरवार शराब पीने के लिए 500 रुपए की मांग करने लगा, उसने पैसे देने से मना किया तो गालीगलौज कर मिन्टू के पैर पर ब्लेड से हमला कर घायल कर दिया।

इसी प्रकार शहपुरा खैरी मोहल्ला शहपुरा निवासी 17 वर्षीय अभिजीत सिंह गत दिवस अपने साथी प्रेम मेहरा एवं अभिषेक राजपूत के साथ मालकछार घाट नर्मदा जी के दर्शन करके वापस घर आ रहे थे। शाम लगभग 6 बजे जैसे ही ग्राम मालकछार में शीतलपुर तिराहा के पास पहुंचे तभी रूद्र सिंह परिहार अपनी मोटर सायकल में अपने दो साथियो के साथ आया और उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो तीनों उसके साथ गाली गलौज करते हुए रूद्र सिंह परिहार ने चाकू से उसके हाथ व पीठ पर हमला कर घायल कर जान से मारने की धमकी दी। घायल अभिजीत को उपचार के लिए सीएचसी शहपुरा में भर्ती कराया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 115(2), 118(1) 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

अग्निदग्धा की मौत

जबलपुर। गोराबाजार थाना अतंर्गत टेमर भीटा में आग से जलने पर एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।
गोराबाजार पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार टेमरभीटा निवासी 38 वर्षीय श्रीमति पुष्पलता पटेल की गत 2 फरवरी को 9 बजे घर पर जलने के कारण उपचार के लिए मोहनलाल हरगोविंददास अस्पताल में भर्ती कराई गई थी जहां उपचार दौरान बुधवार सुबह लगभग 9 बजे श्रीमति पुष्पलता पटेल की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

श्रीमती कुलवंत कौर- लक्ष्मी कॉलोनी हाथीताल निवासी श्री अवतार सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती कुलवंत कौर (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती हीरामणी- नटबाबा गली दीक्षितपुरा निवासी श्री कन्हैया राम की धर्मपत्नी श्रीमती हीरामणी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिव कुमार बंशकार- आचार्य विनोबा भावे वार्ड बंशकार मोहल्ला निवासी श्री शिव कुमार बंशकार (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

सुश्री सारिका निगम- आदर्श नगर कटनी निवासी श्री शंकर लाल निगम की पुत्री सुश्री सारिका निगम (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गोपाल माहेश्वरी- पुष्प नगर कछपुरा मालगोदाम के पास निवासी श्री गोपाल माहेश्वरी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उमा देवी शुक्ला- बल्देवबाग निवासी श्री बाबू लाल शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती उमा देवी शुक्ला (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सीताराम गुप्ता- राइट टाउन निवासी श्री सीताराम गुप्ता (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लीला बाई कुरील- गली नं. 9, सदर निवासी श्री फूलचंद कुरील की धर्मपत्नी श्रीमती लीला बाई कुरील (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा ठाकुर- बंबा देवी शीतलामाई निवासी श्री भारत सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती आशा ठाकुर (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. नीलम गौंड़- लाल कुआं बागड़ा दफाई पोलीपाथर निवासी श्री ताम सिंह गौंड़ की पुत्री कु. नीलम गौंड़ (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुनेन्द्र महिधर- नेपियर टाउन निवासी श्री गुनेन्द्र महिधर (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती शकुन बाई कोल- पोलीपाथर बागड़ा दफाई निवासी श्री धुरी लाल कोल की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन बाई कोल (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई विनोदिया- बिहारी महाराज का बाड़ा छोटी ओमती निवासी श्री हरिशचंद्रविनोदिया की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई विनोदिया (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बिहारी लाल रजक- टैगोर रेलवे कॉलोनी सिविल लाइन निवासी श्री बिहारी लाल रजक (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गोकुल राय- आशा नगर अधारताल निवासी श्री गोकुल राय (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री प्रेमलाल कलसिया- सीतापहाड़ बजरिया निवासी श्री प्रेमलाल कलसिया (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शंकर लाल चौधरी- रामपुर शंकरशाह नगर निवासी श्री शंकर लाल चौधरी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती दिव्या बाई सेन- दुर्गा नगर भटौली निवासी श्री हुल्ली लाल सेन की धर्मपत्नी श्रीमती दिव्या बाई सेन का निधन हो गया।

टी20 : अभिषेक की लंबी छलांग... 38 पायदान के फायदे से बने वर्ल्ड नंबर-2

एजेंसी ▸▸ दुबई

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में 38 स्थान की लंबी छलांग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। टीम के उनके साथी तिलक वर्मा एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर हैं। अभिषेक ने मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपने कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 135 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इस प्रदर्शन की बदौलत 24 साल के अभिषेक ने नवीनतम रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई।

855 अंक से शीर्ष पर हेड

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड (855 अंक) टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं लेकिन वानखेड़े में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद अभिषेक उनसे सिर्फ 26 रेटिंग अंक पीछे हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पांचवें स्थान पर हैं। हार्दिक पंड्या (पांच स्थान के फायदे से 51वें स्थान पर) और शिवम दुबे (38 स्थान के फायदे से 58वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

शीर्ष बल्लेबाज

रैंकिंग	खिलाड़ी	देश	अंक
1	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	855
2	अभिषेक शर्मा	भारत	829
3	तिलक वर्मा	भारत	803
4	फिल साल्ट	इंग्लैंड	798
5	सूर्यकुमार यादव	भारत	738

शीर्ष गेंदबाज

रैंकिंग	खिलाड़ी	देश	अंक
1	अकील होसेन	वेस्टइंडीज	707
2	आदिल रशीद	इंग्लैंड	705
3	वरुण चक्रवर्ती	भारत	705
4	वानिंदु हसरंगा	श्रीलंका	698
5	एडम जम्पा	ऑस्ट्रेलिया	694

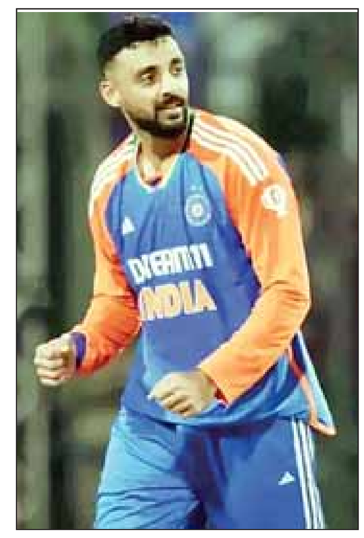

चक्रवर्ती भी दूसरे नंबर पर

गेंदबाजी रैंकिंग में भी भारत के वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में 14 विकेट चटकाने के बाद तीन स्थान के फायदे से आदिल राशिद के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। चक्रवर्ती को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट चटकाने वाले भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई भी चार स्थान आगे बढ़कर छठे पायदान पर हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन एक बार फिर दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं।

टेस्ट में शीर्ष पर बुमराह

टेस्ट रैंकिंग में भारत के यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के जो रूट शीर्ष पर चल रहे हैं जबकि उनके बाद हैरी ब्रूक और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन का नंबर आता है। पीठ की जकड़न की समस्या से उबर रहे भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। उन्हें हाल में आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर चुना गया। बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं।

तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच आज दोपहर 1.30 बजे

कोहली-रोहित सहित फार्म में नहीं भारत के शीर्ष बल्लेबाज

भारत चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम तैयार करने इंग्लैंड को देगा चुनौती

एजेंसी ▸▸ मुंबई

नागपुर। भारतीय टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उचित टीम संयोजन तैयार करना चाहेगा जिसमें कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर भी नजर रहेगी। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी।

विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद दोनों खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला में खेले थे। रोहित ने इस श्रृंखला में दो अर्धशतक लगाए थे जबकि कोहली कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इन दोनों का लचर प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में भी जा रहा जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलबाजी शुरू हो गई। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला पाकिस्तान और दुबई में 19 फरवरी से शुरू वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम प्रतियोगिता होगी जो टी20 विश्व कप के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास लेने वाले रोहित और कोहली के करियर के लिए भी निर्णायक साबित होगी।

पंत-राहुल में चयन मुश्किल

भारतीय टीम के लिए कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म ही चिंता का विषय नहीं है, उसे इस पर भी काफी माथापच्ची करनी होगी कि ऋषभ पंत और केएल राहुल में से विकेटकीपर की भूमिका कौन निभाएगा। रोहित और उप कप्तान शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। उनके बाद कोहली और श्रेयस अय्यर उतरेंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है। इसके बाद हार्दिक पंड्या का नंबर आता है। राहुल बीच के ओवरों में लगातार स्ट्राइक रोटेट करने में उनकी नाकामी चिंता का विषय होगी। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में दाएं हाथ के बल्लेबाजों की भरमार है और ऐसे में पंत बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण उसमें विविधता लाते हैं।

शमी-कुलदीप की वापसी

इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव को भी मैच अभ्यास का मौका मिलेगा। यह दोनों चोट से उबर कर वापसी कर रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं।

चक्रवर्ती को मिल सकता है मौका

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने के कारण स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें यहां वनडे में पदार्पण का मौका मिल सकता है और वह अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल होने का मजबूत दावा पेश कर सकते हैं। टीम प्रबंधन को स्पिन ऑलराउंडर के लिए भी कड़ा फैसला करना होगा। इस स्थान के लिए रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर दावेदार हैं। जडेजा ने वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है।

कमजोरियों को दूर करने उतरेगा इंग्लैंड

इंग्लैंड भी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले उचित टीम संयोजन तैयार करने पर ध्यान देगा। उसे आईसीसी टूर्नामेंट से पहले अपनी कमजोरियों को जल्द से जल्द दूर करना होगा। उसे इस श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड की टीम में जो रूट को छोड़कर अधिकतर वही बल्लेबाज हैं जिन्हें टी20 श्रृंखला में रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। विकेटकीपर जेमी स्मिथ पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहले दो वनडे से बाहर रह सकते हैं।

रोनाल्डो ने 40वें जन्मदिन पर कहा मैं सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर

एजेंसी ▸▸ मैड्रिड

क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपना 40वां जन्मदिन उसी आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के साथ मना रहे हैं जिस पर उन्होंने अपने सफल करियर के दौरान हमेशा गर्व किया है। रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार और अब सऊदी अरब में खेल रहे रोनाल्डो बुधवार को 40 साल के हो गए और उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर कौन है।

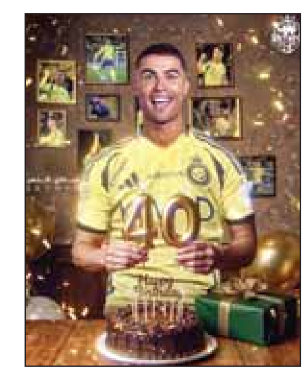

रोनाल्डो ने साक्षात्कार में कहा, 'मैं फुटबॉल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हूं। हालांकि मैं बाएं पैर का अधिक इस्तेमाल नहीं करता लेकिन बाएं पैर से गोल करने के मामले में मैं इतिहास में शीर्ष 10 में हूं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि मैं अब तक का सबसे संपूर्ण खिलाड़ी हूं। मैं खेल में अपने दिमाग का अच्छा इस्तेमाल करता हूं। मैं अच्छी फ्री किक लेता हूं। मैं तेज दौड़ लगाता हूं। मैं दमदार हूं। मैं अच्छी कूद लगाता हूं। मैंने कभी खुद से बेहतर किसी को नहीं देखा।' पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक 217 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 135 गोल दर्ज हैं जो विश्व रिकॉर्ड है।

रोनाल्डो ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्हें लगता है कि वह फुटबॉल के इतिहास में अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनकर उभरेंगे। जब भी उनसे इस चर्चा के बारे में पूछा गया कि उनमें और लियोनेल मेस्सी में कौन सर्वश्रेष्ठ है तो उन्होंने हमेशा अर्जेंटीना के खिलाड़ी की प्रशंसा की लेकिन वह खुद को बेहतर बताने से भी पीछे नहीं हटे।

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
Municipal Corporation Chhindwara (M.P.)
Add. - In front of shukla ground, guraiya road ward no. 39, Chhindwara (M.P.) 480001
Tel. - 07162-222346
E-mail- commchhindwara@mpurban.gov.in

क्रमांक/6557/रा.शा./न.पा.नि/2025 छिंदवाड़ा, दिनांक- 5/2/2025

।। निविदा आमंत्रण सूचना।।

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये निम्नलिखित ठेके दिये जाने ऑन-लाईन निविदा आमंत्रित की जा रही है। अतः सारणी में दर्शाये विवरण एवं शर्तों का पालन करने वाला व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकता है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाता जो वेबसाईट में पंजीकृत है, इस निविदा में दरें प्रस्तुत कर सकते है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तों की जानकारी एवं अन्य विवरण कार्यालयीन दिवस में राजस्व (दुकान) शाखा में देखी जा सकती है, विवरण निम्नानुसार हैः-

क्रं.	टेण्डर क्रमांक	फीस/शुल्क/कर	ठेका अवधि	आपसेट प्राईज	अमानत राशि
1	2025-UAD-401030-1	राजीव गांधी बस स्टैण्ड में आने-जाने वाले वाहनों में प्रवेश पार्किंग शुल्क वसूली ठेका	01.04.2025 से 31.03.2026 तक वर्ष 2025-26	6,05,000/- (रूपये छः लाख पांच हजार मात्र)	61,000/- (रूपये इकसठ हजार मात्र)
2	2025-UAD-401031-1	मानसरोवर बस स्टैण्ड में आने-जाने वाले वाहनों से अनुरक्षण शुल्क वसूली ठेका	01.04.2025 से 31.03.2026 तक वर्ष 2025-26	18,50,000/- (रूपये अठारह लाख पचास हजार मात्र)	1,85,000/- (रूपये एक लाख पच्चासी हजार मात्र)

निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 21/02/2025
नोटः- 1. नीलामी से संबंधित अन्य नियम एवं शर्तें https://www.mptenders.gov.in एवं राजस्व शाखा में (अवकाश दिवस छोड़कर) कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

आयुक्त नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा (म.प्र.)

त्रिशा को एक करोड़ देगी तेलंगाना सरकार

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को उभरती हुई महिला क्रिकेटर गोंगाडी त्रिशा को एक करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की जिन्होंने हाल में कुआलालंपुर में आईसीसी महिला अंडर 19 टी20 विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। तेलंगाना के भद्राचलम की रहने वाली त्रिशा ने यहां मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की। रेड्डी ने त्रिशा के प्रदर्शन की सराहना की और उम्मीद जताई कि वह भविष्य में भी देश के लिए अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगी।

17 सदस्यीय जूनियर बैडमिंटन टीम घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंडर-17 चैंपियन ज्ञान दत्तू टी इस साल फरवरी और मार्च में खेले जाने वाले डच जूनियर इंटरनेशनल और जर्मन जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की 17 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे। भारतीय टीम में विश्व जूनियर रैंकिंग में छठे नंबर के खिलाड़ी रौनक चौहान, आदर्शिनी श्री और युगल विशेषज्ञ भव्य छाबड़ा और परम चौधरी भी शामिल हैं। डच जूनियर इंटरनेशनल 26 फरवरी से दो मार्च तक नीदरलैंड के हार्लेम में जबकि जर्मन जूनियर टूर्नामेंट पांच से नौ मार्च तक मुलहेम एन डेर रूहर में खेला जाएगा।

पहली बार फाइनल में पहुंची मुंबई इंडियंस

गक्बेरहा। पिछले दो सत्र में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद इस बार अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए मुंबई इंडियंस केपटाउन ने पार्ल रॉयल्स को पहले क्वालीफायर में 39 रन से हराकर पहली बार एसए20 लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। फाइनल शनिवार को वांडरर्स पर खेला जाएगा जबकि पार्ल रॉयल्स गुरुवार को दूसरा क्वालीफायर खेलेगी जिसमें उसका सामना दो बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप और जोबर्ग सुपर किंग्स के बीच होने वाले एलिमिनेटर के विजेता से होगा। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर एमआई केपटाउन ने फॉर्म में चल रहे रासी वान डेर डुसेन (40 रन) और रियान रिकेलटन (44 रन) की शानदार पारियों के दम पर चार विकेट पर 199 रन बनाए। दोनों ने पावरप्ले के पहले छह ओवर में 66 रन जोड़े। जवाब में रॉयल्स की टीम 19.4 ओवर में 160 रन पर आउट हो गई।

कमिंस के खेलने की संभावना बहुत कम

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने खुलासा किया कि टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस की 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह फिट होने की बहुत कम संभावना है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	Tender ID 2025_UAD_399834_1 PRO-550 Date-05/02/2025	संभाग क्र. 01 गढ़ा त्रिपुरी वार्ड अंतर्गत सगड़ा क्षेत्र में साहिल कोरी के घर से दुष्यंत दुबे के घर के पास तक नाली निर्माण कार्य (पार्षद अनुशंसा)	05.15 लाख दो माह	2000/- 5150/-	20/02/2025

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उपक्रम

जबलपुर अंचल कार्यालयः राईट टाउन,
जबलपुर फोनः 0761-2480065, 67, 68
शाखा - बरगवां

स्वर्ण आभूषण की नीलामी

नीचे उल्लिखित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे ऋण खातों में देयता का भुगतान करने में विफल रहे हैं। पंजीकृत डाक द्वारा उन्हें भेजे गए नोटिस बैंक को बिना वितरित किए वापस आ गए हैं। इसलिए उनसे अनुरोध है कि वे देयता और अन्य शुल्कों का भुगतान करें और 06/03/2025 को या उससे पहले गिरवी रखी गई प्रतिभूतियों को भुनाएँ, ऐसा न करने पर उक्त प्रतिभूतियों को बैंक द्वारा उधारकर्ता की कीमत पर बैंक परिसर में 07/03/2025 को सुबह 11 बजे से दोपहर 03 बजे के बीच सार्वजनिक नीलामी में बेचा जाएगा या उसके बाद बैंक के पूर्ण विवेक पर बिना किसी और सूचना के किसी अन्य सुविधाजनक तिथि पर बेचा जाएगा। सोने के आभूषणों की खरीद में रुचि रखने वाले पक्ष नीलामी में भाग ले सकते हैं।

SN	उधारकर्ता का नाम और पता	खाता नंबर	शाखा का नाम	आभूषणों का विवरण (कुल वजन ग्राम में)	शुद्धता (कैरेट)	नीलामी की तिथि	कुल बकाया
1.	हुकुम सिंह गायत्री स्कूल के पास गायत्री नगर अम्बेडकर वार्ड मुरवारा	60508406509	बरगवां	चेन-1 नग (3.60 ग्राम) लॉकेट-02 नग (3.00 ग्राम) टॉप्स-04 नग (3.20 ग्राम)	18	07-03-2025	Rs 40000/- + ब्याज

नीलामी की शर्तें-
1. सोने की गुणवत्ता और विशिष्टताओं के लिए बैंक की कोई जिम्मेदारी नहीं है। सोने की नीलामी "जैसा है, वैसा ही" स्थिति में की जा रही है, जिसका जोखिम उधारकर्ता और क्रेता दोनों को उठाना होगा।
2. नीलाम किए जाने वाले प्रस्तावित सोने का निरीक्षण 06/03/2025 को कार्यालय समय के दौरान संबंधित शाखाओं में शाखा प्रबंधक/प्रभारी अधिकारी की उपस्थिति में किया जा सकता है।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
4. सफल बोलीदाता को अंतिम बोली राशि पर लागू दर के अनुसार जीएसटी देना होगा।
5. सार्वजनिक नीलामी में भाग लेने के इच्छुक पक्षों को बैंक ऑफ महाराष्ट्र की उपरोक्त शाखाओं में 06/03/2025 को दोपहर 03.00 बजे या उससे पहले 10000/- रुपये की वापसी योग्य जमा राशि जमा करनी चाहिए और रसीद प्राप्त करनी चाहिए।
6. सोने की सार्वजनिक नीलामी 07/03/2025 को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे के बीच उपर्युक्त शाखाओं में होगी।

Date : 06/02/2025
Authorised Officer, Bank of Maharashtra

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कार्यालय - बालोद वनमंडल बालोद

काष्ठगार डिपो बालोद का ई- ऑक्सन का संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठागार एवं विभिन्न डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का ई-ऑक्सन व्दारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय / वन काष्ठगार डिपो, बालोद से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम तिथि - 19/02/2025
समय - प्रातः 09:00 बजे से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ घ.मी.	नयी काष्ठ बल्ली	नयी काष्ठ डेंगरी	गत अविक्रित काष्ठ घ.मी.	गत अविक्रित काष्ठ बल्ली	गत अविक्रित काष्ठ डेंगरी	कुल योग घ.मी.	कुल योग बल्ली	कुल योग डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	12.629	46	2	91.172	635	484	103.801	681	486
2	बीजा	2.359	5	0	24.608	0	0	26.967	5	0
3	साजा	2.361	91	0	1.025	0	0	3.386	91	0
4	हल्दू	0.429	0	0	2.539	0	0	2.968	0	0
5	कसही	1.520	0	0	3.585	0	0	5.105	0	0
6	धावड़ा	0.844	69	0	0.000	0	0	0.844	69	0
7	कर्रा	0.000	158	4	0.000	5	0	0.000	163	4
8	धाठा	0.460	0	0	0.000	0	0	0.460	0	0
9	अन्य	4.897	276	13	1.962	0	0	6.859	276	13
	योग :-	25.499	645	19	124.891	640	484	150.390	1285	503
10	जलाऊ चट्टा	-			29.5 चट्टा			29.5 चट्टा		
11	व्यापारिक बांस	-			26925 नग = 60.678 नो.टन.			26925 नग = 60.678 नो.टन.		
12	औद्योगिक बांस	-			513 बंडल = 4.274 नो.टन.			513 बंडल = 4.274 नो.टन.		
	निस्तार / उपभोक्ता / बसोड़ डिपो, गुरूर, परिक्षेत्र गुरूर									
13	बबुल	9.926	0	0	0.000	0	0	9.926	0	0
14	जलाऊ चट्टा	18 चट्टा			-			18 चट्टा		

टीप :- (1) क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल मे रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। (2) क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है। (4) ई-आक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

G-242505487/1

वनमंडलाधिकारी
बालोद वन मंडल बालोद (छ.ग.)

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.
LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD
एरिया ऑफिस :– क्षेत्रीय कार्यालयः– 18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज के सामने, मराठाल, जबलपुर – 482001 (म.प्र.) फोन नं. 0761–2401338, Website: www.lichousing.com

मांग सूचना

(वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्ननिर्माण और सिक्योरिटी इन्ट्रेस्टे एक्ट 2002 की प्रवर्तन की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग नोटिस) (1) क्रमांक (2) गृह ऋण खाता क्रमांक (3) ऋणी का नाम व पता (4) सम्पत्ति का पता (5) स्वीकृत ऋण राशि एवं दिनांक (6) बकाया राशि क्र .

क्र.	गृह ऋण खाता क्र	ऋणी का नाम व पता	सम्पत्ति का पता	स्वीकृत ऋण दिनांक / स्वीकृत राशि ₹ / मांग सूचना दिनांक	बकाया राशि ₹
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	120500003151	सुश्री निलोफुर खान और स्वर्गीय श्री मुहियुद्दीन खान के सभी ज्ञात और अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, मकान नंबर 129, सिविल कॉलोनी, ब्योहारी शहडोल, म.प्र. 485001	मकान नंबर 26, चौतन्य सागर सिटी, तिलहरी मंडला रोड, जबलपुर, मध्य प्रदेश – 482001	29.06.2013 / 18,50,000/- / 16.01.2025	14,06,959.25/- + ब्याज व अन्य खर्चे

आपके अनुरोध पर हमने आपको गृह ऋण वित्त राशि के रूप में इकरार नामे की शर्तों के अनुसार स्वीकृत की थी। जिनको आपने स्वीकार किया था । (1) स्वीकृत ऋण राशि स्वीकृति दिनांक एवं आपके खाता संख्या का ब्यौरा ऊपर दिया गया है । (2) आपको विदित है कि आपको प्रदत्त ऋण राशि उपरोक्त (कालम नं. 5) आस्ति प्रतिभूति अनुबंध (रक्षित आस्ति) से रक्षित है। इसके लिए आपने आवश्यक दस्तावेज निष्पादन करके प्रतिभुति के रूप में सम्यबंधक किया है । (3) हम आपको यह भी सूचित करते है कि संपूर्ण ऋण अदा करने हेतु बार – बार मांग नोटिस भेजे गए और मौखिक रूप से अनुरोध किए जाने के पश्चात भी अभी तक आपने ऋण अदा नहीं किया है । इस तरह आपने ऋण की अदायगी में गंभीर अनियमितता बरती है । (4) आज दिनांक तक आपको उपरोक्त राशि देय है (कालम नं . 6) 1 (5) ऊपर लिखे कारणों से हम एतद द्वारा आपको सूचित करते हैं कि इस नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अंदर आप समस्त देय राशियों की भुगतान करें , न करने की स्थिति में हम सिक्योरिटाईजेशन एक्ट की धारा 13 (4) की शक्तियों का उपयोग करेंगे । (6) उपरोक्त शक्तियों के अधीन कार्यवाही करने पर प्राप्त धनराशि प्रथमतः समस्त व्यय प्रभार व खर्चे हेतु उपयोग की जावेगी । जो हमारी राय में उचित प्रकार से किए गए है या संबंधित हो एवं इसके पश्चात हमारे शेष जैसा कि उपरोक्त अदित है में दिनांक 31.01.2025 से वसूली की तारीख की संविदा गत हित के निस्तारण में प्रयोग की जावेगी एवं शेष धनराशि (यदि कोई हो तो) आपको भुगतान दिया जायेगा । (7) एक्ट की धारा 13 (13) के अन्तर्गत आगाह करे कि इस नोटिस की प्राप्त के पश्चात आप इस नोटिस के दर्शायी गई किसी भी रक्षित आस्ति का अन्तरण , बिक्री पट्टे के द्वारा रक्षित ऋण दाता की लिखित पूर्ण सहमति के बिना नहीं कर सकेंगे । (8) एक्ट की धारा 13 (10) के अन्तर्गत हम आपको यह भी सूचित करते है कि यदि रक्षित आस्तियों बिक्री से प्राप्त हमारे ऋण की भरपाई नहीं होती है तो हम आपके विरूद्ध ऋण वसूली अधिकरण (DRT) में जाकर शेष धन राशि की वसूली के लिए कार्यवाही करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं । यह मांग नोटिस दो समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा रहा है ।

दिनांक : 06.02.2025
स्थान : जबलपुर

आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

खबर संक्षेप

अजाक्स इंजीनियरिंग का आईपीओ 10 को खुलेगा

नई दिल्ली। केदारा कैपिटल समर्थित कंक्रीट उपकरण विनिर्माता अजाक्स इंजीनियरिंग ने अपने 1,269 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 599-629 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि आईपीओ 10 फरवरी को खुलेगा और 12 फरवरी को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक सात फरवरी को शेयरों के लिए बोली लगा पाएंगे।

टाइटन का लाभ गिरावट के साथ 1,047 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। प्रमुख आभूषण और घड़ी निर्माता कंपनी टाइटन का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ मामूली गिरावट के साथ 1,047 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 1,053 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। हालांकि, समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की बिक्री 25.68 प्रतिशत बढ़कर 17,550 करोड़ रुपये हो गई।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी को पश्चिम बंगाल में मिली परियोजना

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने बुधवार को कहा कि उसे पश्चिम बंगाल में 1,600 मेगावाट क्षमता की नयी तापीय बिजलीघर परियोजना लगाने का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह परियोजना पश्चिम बंगाल राज्य बिजली वितरण कंपनी लि. से प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के तहत मिली है।

स्विगी का घाटा बढ़कर हुआ 799 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाने का सामान और किराना सामान पहुंचाने वाली कंपनी स्विगी का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़कर 799.08 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 574.38 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

पी सी ज्वेलर ने 148 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया

नई दिल्ली। देश की दिग्गज आभूषण कंपनी पी सी ज्वेलर लि. का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 147.96 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 197.98 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। पिछले वित्त की समान तिमाही में 43.48 करोड़ रुपये थी।

ग्लोबल हेल्थ का शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। मेदांता ब्रांड के तहत अस्पतालों का परिचालन करने वाली कंपनी ग्लोबल हेल्थ का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़कर 143 करोड़ रुपये हो गया। स्वास्थ्य सेवा प्रदाता ग्लोबल हेल्थ का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में शुद्ध लाभ 123 करोड़ रुपये था। ग्लोबल हेल्थ ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसकी परिचालन आय चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बढ़कर 943 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 836 करोड़ रुपये थी।

एटीएम से अब कैश निकालना होगा महंगा, इंटरचेंज फीस बढ़ाने की तैयारी में आरबीआई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- नकद लेनदेन शुल्क को वर्तमान स्तर 21 रुपए से बढ़ाकर 22 रुपए करने की सिफारिश

एटीएम से कैश निकालना अब महंगा हो जाएगा क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुफ्त पांच लेनदेन की लिमिट से अधिक पर लगने वाले शुल्क और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की तैयारी में है।

एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। यानी कि अब कस्टमर्स को एटीएम से कैश निकालने के लिए अपनी जेब से अधिक खर्च करने होंगे। प्रस्तावित शुल्क वृद्धि कितनी है? इस पर जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से बताया, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने पांच बार फ्री लिमिट पूरी होने के बाद अधिकतम नकद लेनदेन शुल्क को वर्तमान स्तर 21 रुपए से बढ़ाकर 22 रुपए करने की सिफारिश की है। भुगतान नियामक एनपीसीआई ने इंडस्ट्री के साथ इसे लेकर बातचीत करने के बाद नकद लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपए से बढ़ाकर 19 रुपए करने की भी सिफारिश की है।

पांच बार की फ्री लिमिट पूरी होने के बाद लेनदेन पर लगता है शुल्क

एक बैंक से दूसरे बैंक को दी जाने वाली राशि

बता दें कि इंटरचेंज फी दूसरे बैंक के एटीएम से एक सीमा के बाद निकासी पर लगाया जाता है। यानी कि यह एटीएम सर्विस इस्तेमाल करने के बदले एक बैंक की तरफ से दूसरे बैंक को दी जाने वाली राशि है। एटीएम से ट्रांजैक्शन के बाद बिल पर भी इसका जिक्र किया जाता है।

आरबीआई ने की इस पर मीटिंग

रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक और व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटर मेट्रो और नॉन-मेट्रो इलाकों में फीस बढ़ाने की एनपीसीआई की योजना से सहमत हैं। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई ने इस घटनाक्रम पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के मामले की जानकारी रखने वाले के हवाले से लिखा गया, ''आरबीआई ने आईबीए के सीईओ की अध्यक्षता में एक दूसरी समिति बनाई, जिसमें एसबीआई और एचडीएफसी बैंक के अधिकारी शामिल थे।''

एटीएम चलाने का बढ़ रहा खर्चा : रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ती महंगाई और पिछले दो सालों में 1.5-2 प्रतिशत की दर से बढ़ते उधार लागत, ट्रांसपोर्टेशन पर अधिक खर्च, नकदी पुनःपूर्ति और अनुपालन लागत के कारण नॉन-मेट्रो जगहों में एटीएम ऑपरेशन का खर्चा बढ़ गया है।

पिछले साल सितंबर में की गई थी सिफारिश
आगे कहा गया, 'इसमें निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए लागत का आकलन करने के बाद, हमने पिछले साल सितंबर में इसके लिए सिफारिश की थी। एनपीसीआई की सिफारिश को (मेट्रो सेक्टर्स के लिए) रखा जा सकता है, लेकिन असली मुद्दा ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में है।'

विश्व स्वर्ण परिषद ने जारी की रिपोर्ट

देश में सोने की मांग 2024 में 802.8 टन रही, 2025 में 700-800 टन रहने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

देश में सोने की मांग आयात शुल्क में कमी और शादी-ब्याह व त्योहारों से संबंधित खरीदारी से 2024 में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 802.8 टन हो गई। 2025 में इसके 700-800 टन के बीच रहने का अनुमान है।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश में 2024 में सोने की मांग 802.8 टन रही, जबकि 2023 में यह 761 टन थी। सोने की मांग का कुल मूल्य 2024 में 31 प्रतिशत बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गया। 2023 में यह 3,92,000 करोड़ रुपये था।

शादी-ब्याह की खरीदीरी से मांग में होगा सुधार

डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी (भारत) सचिन जैन ने कहा, 2025 के लिए हमारा अनुमान है कि सोने की मांग 700-800 टन के बीच रहेगी। उम्मीद है कि शादी-ब्याह से जुड़ी खरीदारी से सोने के आभूषणों की मांग में सुधार होगा बशर्ते कीमतों में कुछ हद तक स्थिरता आए। गौरतलब है कि 2024 में सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाईयों तक पहुंच गई थी।

सोने का मूल्य नए शिखर पर पहुंचा

अखिल भारतीय राफा संघ के अनुसार, आभूषण विक्रेताओं व खुदरा विक्रेताओं की मजबूत मांग के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और यह 500 रुपये बढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई।

सोने में मजबूत निवेश मांग

इसके अलावा, यह अनुमान है कि सोने में मजबूत निवेश मांग का रुझान जारी रहेगा। खुदरा निवेशक गोल्ड ईटीएफ, डिजिटल गोल्ड और सिक्कों व बार में रुचि दिखा रहे हैं। इस बीच, विश्व स्तर पर 2024 में सोने की मांग काफी हद तक स्थिर रही। यह 2023 की तुलना में एक प्रतिशत मामूली वृद्धि के साथ 4,974 टन रही।

- मांग आयात शुल्क में कमी और शादी व त्योहारों की खरीदारी से बढ़ी
- वर्ष 2023 में मांग 761 टन के करीब रही
- सोने की मांग का कुल मूल्य 2024 में 5,15,390 करोड़ रुपए हो गया

आभूषणों की मांग में आई गिरावट

इसकी मुख्य वजह उच्च कीमतें, कमजोर आर्थिक वृद्धि और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बाद आभूषणों की मांग में गिरावट है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्तर पर 2023 में कुल सोने की मांग 4,945.9 टन रही थी, जो 2024 में 4,974 टन हो गई।

इस वर्ष सोना 85,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंचा

इस वर्ष सोना 6,410 रुपये या 8.07 प्रतिशत चढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जो एक जनवरी को 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था। डब्ल्यूजीसी की स्वर्ण मांग रुझान, 2024 रिपोर्ट में कहा गया कि चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान मांग 265.8 टन पर स्थिर रही, जो 2023 की इसी अवधि में 266.2 टन के समान है।

2024 में सोने का आयात चार फीसदी घटा

आभूषणों की मांग 2024 में दो प्रतिशत घटकर 563.4 टन रह गई जो 2023 में 575.8 टन थी। वहीं 2024 में सोने का आयात चार प्रतिशत घटकर 712.1 टन रह गया। यह 2023 में 744 टन था। जैन ने बताया कि इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 2024 में एक महत्वपूर्ण खरीदार रहा जिसने 73 टन सोना खरीदेगा, जो 2023 में 16 टन सोने की खरीद से चार गुना अधिक है।

150 उत्पादों के लिए गुणवत्ता अनुपालन हुआ अनिवार्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सूची में वैक्यूम क्लीनर, स्टेनलेस स्टील के बर्तन सहित कई उत्पाद

सरकार ने घरेलू उपकरणों से लेकर औद्योगिक सामाग्रियों समेत 150 उत्पादों के लिए गुणवत्ता अनुपालन को अनिवार्य किया है। इस पहल का मकसद कड़ी सुरक्षा के साथ प्रदर्शन मानदंड को सुनिश्चित करना है।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि उसने बेहतर जागरूकता के उद्देश्य से 150 से अधिक उत्पादों को पहले ही सूचीबद्ध कर लिया है। इन अनिवार्य मानकों का दायरा अलग-अलग प्रवर्तन तिथियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है। बीआईएस इन आदेशों के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। सूची में वैक्यूम क्लीनर, स्टेनलेस स्टील के बर्तन और मालिश करने वाले उपकरणों सहित विभिन्न उत्पाद शामिल हैं। फर्नीचर उद्योग में, विनिर्माताओं को 'ब्लॉक बोर्ड', प्लाईवुड और लकड़ी के फ्लश दरवाजे जैसे उत्पादों के लिए गुणवत्ता मानदंडों का पालन करना होगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) को घटिया वस्तुओं के आयात को रोकने और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है।

उत्पादों की संख्या बढ़कर 732 से अधिक

गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत उत्पादों की संख्या 2014 में 106 से बढ़कर अक्टूबर, 2024 तक 732 से अधिक हो गई है। यह कदम कम गुणवत्ता वाले आयात पर अंकुश लगाते हुए घरेलू विनिर्माण मानकों को बढ़ाने की भारत की व्यापक रणनीति के अनुरूप है।

वर्ष 2024 में 27 नए विदेशी खुदरा ब्रांड भारत आए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- लक्जरी वस्तुओं की बढ़ती मांग पूरा करने रखा कदम
- एक साल पहले की तुलना में यह संख्या दोगुना

भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज करने और लक्जरी वस्तुओं की बढ़ती उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2024 में 27 नए विदेशी खुदरा ब्रांड ने भारत में कदम रखा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय मूल के 27 नए ब्रांड ने भारतीय बाजार में दस्तक दी, जो उसके एक साल पहले की तुलना में लगभग दोगुना है। वर्ष 2023 में 14 विदेशी खुदरा ब्रांड भारतीय बाजार में आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले चार वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मूल के कुल 60 खुदरा विक्रेताओं ने भारतीय उपभोक्ताओं को वैश्विक ब्रांड के लिए प्राथमिकता देने के इरादे से यहां कदम रखा है। पिछले साल देश में खुदरा उपस्थिति दर्ज कराने वाली शीर्ष तीन खुदरा

विक्रेता श्रेणियां सौंदर्य प्रसाधन एवं तंदरुस्ती, फुटवियर एवं बैग और फैशन एवं परिधान रहीं। जेएलएल के प्रमुख (कार्यालय पट्टा एवं खुदरा सेवाएं) और वरिष्ठ प्रबंध निदेशक (कर्नाटक, केरल) राहुल अरोड़ा ने कहा, ''भारत ने अंतरराष्ट्रीय खुदरा विक्रेताओं का महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है, जिन्होंने पिछले चार वर्षों में देश में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के अपने प्रयासों को लगातार बढ़ाया है।

भारत का खुदरा परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा

पारस बिल्डटेक के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) कुणाल ऋषि ने खुदरा रियल एस्टेट खंड पर अपनी टिप्पणी में कहा, ''भारत का खुदरा परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के आने और घरेलू ब्रांड की विस्तार योजनाओं के कारण प्रमुख स्थानों पर उच्च गुणवत्ता वाले खुदरा स्थल की मांग में उछाल आया है।''

पश्चिम बंगाल में रिलायंस 50 हजार करोड़ का करेगी निवेश...

कोलकाता। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने इस दशक के अंत तक पश्चिम बंगाल में 50,000 करोड़ रुपये के नए निवेश की बुधवार को घोषणा की। अंबानी ने बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) 2025 में कहा कि इस निवेश से राज्य में एक लाख नौकरियों का सृजन होगा। उन्होंने कहा, '' रिलायंस ने पिछले दशक में बंगाल में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस दशक के अंत तक 50,000 करोड़ रुपये का और निवेश किया जाएगा। हमारा निवेश डिजिटल सेवाओं, हरित ऊर्जा और खुदरा सहित कई क्षेत्रों में फैला होगा। अंबानी ने राज्य में आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए रिलायंस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और प. बंगाल के कारोबारी परिदृश्य को बदलने में इसकी भूमिका का उल्लेख किया।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में रही धीमी

- जनवरी में दो साल से अधिक समय में सबसे धीमी रही
- सूचकांक दिसंबर के 59 .3 से घटकर जनवरी में 56 .5 पर आ गया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर बिक्री व उत्पादन में धीमी वृद्धि के बीच जनवरी में दो वर्षों में सबसे धीमी गति से बढ़ी। बुधवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक दिसंबर के 59.3 से घटकर जनवरी में 56.5 पर आ गया, जो नवंबर के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत के सेवा क्षेत्र ने जनवरी में वृद्धि की गति खो दी, हालांकि पीएमआई 50 के स्तर से काफी ऊपर रहा। व्यावसायिक गतिविधि और नए व्यवसाय पीएमआई सूचकांक क्रमशः नवंबर 2022 और नवंबर 2023 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गए।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 313 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- बाजार में मंगलवार की तेजी के बाद मुनाफा वसूली रही

हाल की तेजी के बाद शेयर बाजार में दोनों मानक सूचकांक...सेंसेक्स और निफ्टी...बुधवार को नुकसान में रहे। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 313 अंक टूटा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की इस सप्ताह पेश होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा और व्यापार युद्ध को लेकर चिंता के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 312.53 अंक की गिरावट के साथ 78,271.28 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से 21 नुकसान में जबकि नौ लाभ में रहे। निफ्टी भी 42.95 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,696.30 अंक पर बंद हुआ। रुपये के अबतक के सबसे निचले स्तर पर आने से भी धारणा प्रभावित हुई। इसके अलावा टाइटन, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, जोमैटो और बजाज फिनसर्व के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

हांगकांग का हैंगसेंग रहा नुकसान में
एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की सकारात्मक दायरे में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा। यूरोपीय बाजारों में दोपहर कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नुकसान में रहे थे।

रुपया 39 पैसे गिरकर 87.46 प्रति डॉलर पर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- वैश्विक व्यापार युद्ध गहराने की आशंका से निवेशक सतर्क

वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका गहराने से निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की प्रवृत्ति हावी होने के कारण बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 39 पैसे गिरकर 87.46 (अस्थायी) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका बढ़ने से रुपये में नकारात्मक धारणा के साथ कारोबार हुआ। इसकी वजह यह है कि बाजार प्रतिभागी अमेरिका और चीन द्वारा एक-दूसरे पर लगाए जा रहे शुल्कों के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से नीतिगत ब्याज दर में कटौती की चिंताओं और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

चीन पर 10 फीसदी शुल्क लगाने पर ट्रंप का जोर : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन से सामान आयात करने वाली अमेरिकी कंपनियों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने पर जोर दे रहे हैं। मंगलवार को चीन ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए कुछ अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाने और गूगल के खिलाफ प्रतिस्पर्धा-रोधी जांच की घोषणा की।

सौदों का त्वरित निपटान और बेहतर तरलता का लाभ मिल पाएगा

सेबी ने खुदरा निवेशकों को एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा दी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- केवल संस्थागत निवेशकों को ही एल्गो ट्रेडिंग में निवेश करने की अनुमति

बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को खुदरा निवेशकों को 'एल्गो ट्रेडिंग' का हिस्सा बनने की सुविधा दे दी जिससे उन्हें सौदों के त्वरित निपटान और बेहतर तरलता के लाभ मिल पाएंगे। फिलहाल केवल संस्थागत निवेशकों को ही एल्गो ट्रेडिंग में निवेश करने की अनुमति है।

'एल्गो ट्रेडिंग' शेयर कारोबार का ऐसा तरीका है जिसमें कंप्यूटर प्रोग्राम के जरिए कुछ मानदंड निर्धारित कर शेयर खरीद एवं बिक्री के ऑर्डर दिए जाते हैं। पूर्व-निर्धारित शर्तें पूरी होने पर ऑर्डर बहुत तेजी से जारी किए जा सकते हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने परिपत्र में कहा कि खुदरा निवेशकों को एल्गो ट्रेडिंग करने की सुविधा एक अगस्त से मिलने लगेगी।

ब्रोकर ही निवेशकों को दे सकेंगे अनुमति : इस नियामकीय ढांचे के तहत, खुदरा निवेशकों को केवल पंजीकृत ब्रोकर से ही स्वीकृत एल्गो तक पहुंच मिलेगी ताकि इन निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखा जा सके। सेबी ने कहा कि शेयर ब्रोकर प्रत्यक एल्गो के लिए शेयर बाजार से अपेक्षित अनुमति लेने के बाद ही एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा दे सकेंगे।

एफपीआई ने 97 फीसदी मुनाफा एल्गो ट्रेड़िंग से कमाया : इसके साथ ही एल्गो ऑर्डर की सुविधा देने वाले किसी भी एल्गो प्रदाता को एक्सचेंज के साथ सूचीबद्ध भी होना होगा। वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) कारोबार संबंधी सेबी के पिछले अध्ययन से पता चला है कि वित्त वर्ष 2023-24 में एफपीआई मुनाफे का लगभग 97 प्रतिशत और मालिकाना कारोबारी लाभ का 96 प्रतिशत एल्गो ट्रेडिंग से पैदा हुआ था।

परीक्षण के लिए एसओपी लागू होगी

सेबी ने कहा कि शेयर बाजार एल्गो ट्रेडिंग की निगरानी करने और यह जांचने के लिए जिम्मेदार होंगे कि ब्रोकर एल्गो और गैर-एल्गो ऑर्डर के बीच अंतर करने की क्षमता रखते हैं। शेयर बाजार एल्गो ट्रेडिंग की निगरानी के लिए जिम्मेदार बने रहेंगे जबकि एल्गो के परीक्षण के लिए एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू करेंगे।

नियामकीय ढांचा तैयार

इसके साथ ही सेबी ने खुदरा निवेशकों को एल्गो सुविधाओं का लाभ अपेक्षित सुरक्षा उपायों के साथ उठाने देने के लिए एक नियामकीय ढांचा भी तैयार किया है। यह ढांचा निवेशक, ब्रोकर, एल्गो प्रदाताओं/ विक्रेताओं और बाजार अवसंरचना संस्थानों (एमआईआई) जैसे हितधारकों के अधिकारों एवं दायित्वों को स्पष्ट करता है।

ओला इलेक्ट्रिक ने ई-मोटरसाइकिल बाजार में उतारी

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक रोडस्टर एक्स श्रृंखला के साथ इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खंड में उतर गई है। कंपनी ने बुधवार को स्केलेबल मोटरसाइकिल मंच पर निर्मित रोडस्टर एक्स श्रृंखला के 2.5 केडबल्यूए, 3.5 केडबल्यूएच और 4.5 केडबल्यूएच संस्करण पेश किए। इनकी कीमत क्रमशः 74,999 रुपये, 84,999 रुपये और 94,999 रुपये है। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भविष अग्रवाल ने कहा, 'मोटरसाइकिल भारत के परिवहन परिदृश्य के केंद्र में है। अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के साथ हम भारतीय परिवहन के मूल में ईवी क्रांति को और गहराई तक ले जा रहे हैं।'

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आदर्श नगर, जबलपुर में अपनी 18वीं शाखा का उद्घाटन किया

जबलपुर। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, जो देश की अग्रणी और विश्वसनीय सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक है, ने आज जबलपुर के आदर्श नगर में अपनी 18वीं शाखा (जबलपुर जिला), 40वीं शाखा (जबलपुर जोन), 194वीं शाखा (मध्य प्रदेश) और 2547वीं शाखा (भारत) का भव्य उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, ग्राहकों और बैंक अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश बी. धीरवानी तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र, जबलपुर जोन के अंचल प्रबंधक मोहम्मद शाहज़ीब की गरिमामयी उपस्थिति इस आयोजन को और अधिक विशेष बनाती है।

शासकीय कालोनियों को अवैध अतिक्रमण से मुक्त किया जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि जबलपुर में शासकीय कॉलोनी, कार्यालय के आसपास लगातार अवैध अतिक्रमण चल रहा है, वहीं कार्यालयों के आसपास पान गुटखा नशीले पदार्थों के टपरे खुल रहे हैं। यह अतिक्रमण नगर निगम की छत्र छाया में फलफूल रहे हैं। इन अवैध अतिक्रमण पर तत्काल रोक लगाते हुए शासकीय कालोनियों, शासकीय भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त किये जाने की आवश्यक कार्यवाही तत्काल की जाना चाहिये। कमिश्नर महोदय से अपील है की मामले को संज्ञान में लेकर शासकीय कालोनियों और कार्यालयों के आसपास के क्षेत्र में कार्यवाही कर हो रहे अवैध अतिक्रमण को दूर करने की कार्यवाही अतिशीघ्र की जानी चाहिए। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, ज़ियाउर्रहीम, राकेश श्रीवास, गुडविन चार्ल्स, राजेश सहारिया, द आदि ने कमिश्नर महोदय से मांग की है की शासकीय कालोनियों और कार्यालयों के आसपास हो रहे अवैध निर्माणों पर अतिशीघ्र रोक लगाई जाए।

पेंशनर एसोसियेशन की मासिक बैठक संपन्न

जबलपुर। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसियेशन की मासिक बैठक 05 फरवरी को बरगी हिल्स में आयोजित की गई, जिसमें एड. राजकुमार दुबे, प्रांताध्यक्ष ने बताया कि 09 फरवरी को ग्वालियर सम्मेलन जोन के लिए एक प्रतिनिधि मंडल रवाना होगा एवं संगठन को मजबूत करने जबलपुर जिला में सदस्यता अभियान एवं जनजागरण किया जाएगा। बैठक में ब्लाक, तहसील एवं जिला से सदस्य बनाने तथा लंबित मांगों संबंधी ज्ञापन मुख्यमंत्री भोपाल को प्रेषित किए जाने का निर्णय लिया गया।

महाकौशल प्रांत से पहुंचे सैकड़ों किसान

किसानों ने किया वल्लभ भवन का घेराव

जबलपुर।

सस्ती बिजली, खाद और पानी, मांग रही है आज किसान और हम अपना अधिकार मांगते नहीं किसी से भीख मांगते के नारों का उद्घोष करते प्रदेश के हजारों किसान राजधानी भोपाल पंहुचे और अपनी मांगों व समस्याओं का ज्ञापन प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को सौंपा। किसानों की समस्याओं व मांगों को धैर्यपूर्वक सुनकर किसानों को संबोधित करते हुये उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव किसानों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों को वल्लभ आने की आवश्यकता नहीं है, वल्लभ भवन को चलाने वाली सरकार ही किसानों के बीच जायेगी। श्री देवड़ा ने आगे कहा कि खेती व किसानों की योजनाओं के क्रियान्वयन में जो प्रशासनिक कमी है। सरकार समीक्षा कर उस कमी को दूर करेगी। इसके साथ ही ज्ञापन में जो समस्यायें व मांगे किसानों ने रखी है। उस पर सरकार काम करते हुये उन्हें दूर करने का प्रयास भी करेगी। भारतीय किसान संघ के अन्नदाता अधिकार रैली व वल्लभ भवन घेराव कार्यक्रम में किसान संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष रामभरोस वासोतिया, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल, क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रांत संगठन मंत्री मनीष शर्मा, प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान ने संबोधित किया। इस के साथ ही प्रांत महामंत्री शिवनंदन रघुवंशी, पवन शर्मा, प्रांत प्रचार प्रमुख राहुल धूत, प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर, नमोनारायण दीक्षित, कैलाश ठाकुर, जगराम यादव सहित प्रदेश भर से आये जिलों के अध्यक्ष, प्रांत, प्रदेश पदाधिकारियों सहित हजारों की तादाद में प्रदेश भर से आये किसानों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मंच संचालन प्रांत कोषाध्यक्ष सतीश तिवारी ने किया।

किसानों ने समस्याओं का थैला सौंपा

भारतीय किसान संघ ने किसानों से अपनी राजस्व व अन्य समस्याओं को प्रमाण के साथ लाने कहा था। प्रदेश भर से आये किसानों की समस्याओं का थैला मंच पर ही ज्ञापन के साथ उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को सौंपा। जिस पर उन्होंने कार्यवाही करने की बात कही।

प्रशासन व सरकार पर जमकर बरसे किसान

प्रदेशभर से आये किसानों का आक्रोश उनके भाषड़ों में देखने मिला। किसान राजस्व, सिंचाई, खाद, बीज, बिजली, पशुपालन, न्यूनतम समर्थन मूल्य, मंडी सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन व सरकार से नाराज दिखा और प्रशासन व सरकार को खरी खोटी सुनाते हुये जमकर भड़ास निकाली।

पटवारी प्रदेश के राजा बन बैठे हैं : राघवेन्द्र पटेल

अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में पटवारी राजा बन गए हैं उन्हें किसी का भय नहीं है। जिलों में प्रशासनिक व्यवस्था में व्याप्त भृष्टाचार से किसान परेशान हो गया है। समस्याओं व मांगों के अनेक ज्ञापन देने के बावजूद भी कहीं कोई सुनवाई नहीं है। इसलिये मजबूरीवश किसानों को सरकार व प्रशासन से सीधा संवाद करने राजधानी भोपाल की सड़कों पर आकर अन्नदाता अधिकार रैली व वल्लभ भवन का घेराव कर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। किसान पटवारी से लेकर जिला प्रशासन सन तक की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से संतुष्ट नहीं है।

खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी कम करने कार्यशाला

जबलपुर। राज्य शासन के पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) ने डब्ल्यूआरआई इंडिया के साथ आज बुधवार को जबलपुर में 'खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी कम करने हेतु नगर स्तरीय रणनीतियों' पर चर्चा के लिये विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाते हुए विचार-मंथन कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम पूरे मध्य प्रदेश में ऐसे संवाद कार्यक्रमों की श्रृंखला की दूसरी कड़ी है। पहली कड़ी के रूप में भोपाल में दिसंबर 2024 में इसी प्रकार का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यशाला को संबोधित करते हुए संभागायुक्त अभय वर्मा ने कहा कि जबलपुर में खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी से निपटने में एक मजबूत उदाहरण स्थापित करने की क्षमता है। सही मार्गदर्शन और सामूहिक कार्रवाई से हम इस मुद्दे से निपट सकते हैं। आज की चर्चाओं ने इस विषय पर एक मूल्यवान दिशा प्रदान की और हम अधिक टिकाऊ भविष्य के लिए इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जबलपुर को खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हालाँकि घरों में भोजन की बर्बादी आम नहीं है, लेकिन यह सकारात्मक सोच शादियों और होटलों में होने वाले बड़े समारोहों में नहीं अपनाई जाती, यहाँ हमें कार्रवाई की आवश्यकता है। श्री सक्सेना ने कहा कि हम इस चुनौती को पहचानते हैं और बेहतर समाधान की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों से संवाद करते हुए नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने कहा कि खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी एक ऐसा मुद्दा है जिसके बारे में हम सभी सोचते हैं, लेकिन शायद ही इसका महत्व समझ पाते हैं। व्यक्तिगत प्रयास मायने तो रखते हैं, लेकिन वास्तविक प्रभाव के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हम सभी हितधारकों को एक साथ लाकर और पारंपरिक ज्ञान के साथ आधुनिक समाधानों का लाभ उठाकर और सुविचारित रणनीतियों को लागू करके इस चुनौती को खाद्य सुरक्षा, स्थिरता और एक स्वस्थ भविष्य के लिए अवसर में बदल सकते हैं।

संत रविदास विचार मंच ने ज्ञान का दीप जलाया

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 02 फरवरी को लालकुंआ पोलीपाथर ग्वारीघाट रोड स्थित चंदाबाई के निवास पर मंच की सभा संपन्न हुई। सभा के मुख्य अतिथि अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संतों के विचारों और ज्ञान से मनुष्य अपने जीवन का नया मार्ग प्राप्त कर सकता है। उन्होंने संभागीय अध्यक्ष, प्रांतीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, ग्रामीण अध्यक्ष व नगर अध्यक्ष को संत रविदास जयंती जानकारी लेकर मनाने का आदेश दिया, जिसमें चल समारोह सामूहिक रूप से एक साथ चले। इस अवसर पर शारदा प्रसाद चौधरी, मुन्नालाल चौधरी, रामकली चौधरी, लक्ष्मी चौधरी, कंधीलाल मास्टर, काशी मास्टर, बाबूलाल चौधरी, शिवनाथ चौधरी, सियाबाई, रामकली, द्रोपदीबाई, छोटीबाई, प्रेमवती चौधरी, किरन बाई, रेखा बाई, कैलाशबाई सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

निकला विशाल चल समारोह, पाण्डुक शिला पर हुआ अभिषेक

कुंडलपुर नगरी में मनाई गई श्री वीर प्रभु के जन्म कल्याणक की खुशियां

जबलपुर।

अहिंसा के प्रणेता एवं वर्तमान शासन नायक बाल तीर्थंकर श्री वीर प्रभु के मंगलकारी जन्मकल्याणक का समाचार सुनते ही कुंडलपुर नगरी झूम उठी और संस्कारधानी सहित पूरे देश से पधारे हजारों जैन बंधुओं ने वीर प्रभु का मंगलकारी जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया।

महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं नितिन जैन ने बताया कि मंगलमय प्रसंग पर प्रातः काल की मंगल बेला पर इंद्र सभा का आयोजन किया गया जिसमें सौधर्म इंद्र का आसन कम्पायमान होते ही उन्होंने अवधिज्ञान से जाना कि कुंडलपुर नगरी में बाल तीर्थंकर श्री वीर प्रभु का जन्म हो गया है और उन्होंने वहीं से प्रभु के चरणों में नमन किया। राज सभा में दूत ने बाल तीर्थंकर के जन्म का समाचार सुनाया और कहा कि महाराज जगत को मुक्ति का मार्ग बताने वाले तीन लोक के नाथ श्री महावीर प्रभु का जन्म हो चुका है यह समाचार सुनते ही सम्पूर्ण कुंडलपुर नगरी खुशियों से गूंज उठी और सभी मंगल बधाइयां गाकर जनकल्याणक की खुशियां मनाई। श्री वीर प्रभु को सौधर्म इंद्र एवं शची इंद्राणी ऐरावत हाथी पर विराजमान कर शोभायात्रा के साथ पाण्डुक शिला पर ले गए जहां 1008 कलशों से जन्माभिषेक कर अपने कर कमलों को धन्य किया।

सामुदायिक भवन, बड़ादेव पेनठाना की छत व मंच निर्माण कराने की मांग

जबलपुर। गोंड समाज महासभा जिला जबलपुर ने गोंड राजा संग्राम शाह मडावी सामुदायिक भवन निर्माण कराने संतोष बरकड़े विधायक सिहोरा को ज्ञापन सौंपा। बताया गया मोहनिया, तह-रांझी, जि. जबलपुर में गोंड समाज के आराध्य बड़ादेव पैनठाना (पूजा स्थल) स्थित है यह भूमि प.ह.नं.1 खसरा नं.259/2 रकवा 0.400 हेक्ट. है, जिसमें जिला स्तरीय आदिवासी सामुदायिक भवन का निर्माण प्रस्ताव भी लंबित है। यह स्थल समस्त गोंड समाज के आस्था का केन्द्र है यहां गोंड समाज के लोग गोंगो पाटा (पूजा-पाठ) करते हैं गोंड समाज ने विधायक से निवेदन है कि गोंड समाज के आराध्य बड़ादेव पेनठाना (पूजा स्थल) की छत सहित मंच निर्माण व गोंड राजा संग्राम शाह मडावी सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाए।

डॉ. अंजना की आतिशी बल्लेबाजी से पावर स्मैशर्स टीम जीती

जबलपुर। मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल के तत्वावधान में बालक मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल रामपुर में विद्युत महिला मंडल द्वारा विभिन्न सामाजिक ,शैक्षणिक और अन्य गतिविधियों की कड़ी में सदस्य टीमों के बीच क्रिकेट का प्रदर्शन मुकाबला खेला गया। मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल की अध्यक्षा डॉ अंजना तिवारी ने आलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को 8 विकेट से रोचक विजय दिलाई।पहले खेलते हुए पावर प्रिंसेस की टीम ने निर्धारित 8 ओवरों में भाविका के 2 चौके और 1 छक्के की मदद से बनाये 14 रन, स्मृति के 10 व फरहत के 8 रन की बदौलत 57 रन का स्कोर बनाया। डाक्टर अंजना तिवारी ने किफायती गेंदबाजी करते हुए एक विकेट हासिल किया। जवाब में पावर स्मैशर्स टीम की कप्तान एवं मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल की अध्यक्षता डॉ अंजना तिवारी ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 11 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 28 धुआंधार रन बनाये और जीत का निर्धारित लक्ष्य सातवें ओवर में ही मात्र 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। वूमेन आफ द मैच का पुरस्कार डॉक्टर अंजना तिवारी को तथा भाविका को विशेष पुरस्कार दिया गया। मैच को संपन्न कराने में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के संदीप बर्मन और पवन पटेल ने अंपायर की भूमिका निभाई। सौरभ रजक व मुकुल सिंह राजपूत स्कोरर रहे। विवेक राव व धर्मेंद्र ने ग्राउंड तैयार किया।

कोरी समाज का परिचय सम्मेलन 9 फरवरी को

जबलपुर। कोरी तंतुवाय समाज कल्याण संगठन जबलपुर द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 19वां प्रदेश स्तरीय विराट सामाजिक परिचय सम्मेलन 09 फरवरी को एमजीजी बारात घर मेट्रो हॉस्पिटल के सामने दमोहनाका में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में विवाह योग्य युवक, युवतियों का परिचय एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं तथा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया जाएगा। उक्त जानकारी विगत दिवस संगठन की बैठक में अध्यक्ष इंजी. एसएल कोरी एवं महामंत्री गोपालदास कोरी ने देते हुए संगठन के सभी पदाधिकारियों को कार्यक्रम संबंधी जिम्मेदारी सौंपी।

पनागर विधायक एवं गेल इंडिया के स्वतंत्र निदेशक ने प्रदान किये

एलिम्को शिविर में 48 दिव्यांगजनों को मिले 68 सहायक उपकरण

हरिभूमि, जबलपुर। गैस अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (गेल) की कॉर्पोरेट सोशियल रेस्पोंसिबिलिटी के अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा आज बुधवार को अपने रिछाई स्थित सहायक उत्पादन केन्द्र में पनागर के विधायक श्री सुशील तिवारी इंदु की मौजूदगी में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों के वितरण हेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 48 दिव्यांगजनों को 68 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के स्वतंत्र अखिलेश जैन, श्री योगेन्द्र उइके, रमेश चांद, हेमा साहू, मानगोविंद स्वाईं सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण विधायक सुशील तिवारी इंदु एवं अखिलेश जैन ने किया। शिविर में दिव्यांगजनों को वितरित सहायक उपकरणों में 20 बैसाखी, 11 ट्राईसिकल, 8 श्रवण यन्त्र, 7 व्हील चेयर, 7 मोटराईज्ड ट्राईसिकल, दो रोलेटर, दो जॉय स्टिक व्हील चेयर तथा एक-एक सीपी चेयर, एडीएल किट, स्मार्ट केन एवं सुगम्य फोन शामिल थे। ज्ञात हो कि गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा कार्पोरेट सोशियल रिस्पांसबिलिटी के तहत पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदु के आग्रह पर सुहागी में 22 नवम्बर को दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान करने भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण केंद्र के सहयोग से चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया था।

शेष निजी स्कूलों को एक दिन के भीतर किताबों की सूची देने के निर्देश

जबलपुर। जिले के ऐसे सभी निजी स्कूलों को शैक्षणिक सत्र 2025-26 में लगने वाली किताबों की सूची एक दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को देना होगा, जिन्होंने अभी तक यह सूची नहीं सौंपी है। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना के निर्देशानुसार समस्त सीबीएसई,आईसीएसई एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की सत्र 2025-26 की पुस्तकों की सूची जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 11 जनवरी तक जमा की जानी थी, लेकिन अभी तक कुछ निजी स्कूलों द्वारा पुस्तकों की सूची कार्यालय में जमा नहीं की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी ने एक दिन के भीतर पुस्तकों की सूची जमा न करने की स्थिति में निजी स्कूलों के विरुद्ध म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 सहपठित नियम 2020 मान्यता नियमों के तहत वैधानिक कार्यवाही की चेतावनी दी है।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह का रिकार्डतोड़ प्रदर्शन

क्षमता से अधिक उत्पादन कर 100 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ अर्जित

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) की 660 मेगावाट की इकाई नंबर 3 ने गत दिवस लगातार दूसरे दिन अपनी उत्पादन क्षमता से अधिक रिकार्ड तोड़ 158.7 लाख यूनिट उच्चतम दैनिक विद्युत उत्पादन किया। यूनिट का प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 100.18 फीसदी रहा। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह जब से स्थापित हुआ है, तब से पहली बार उसकी किसी विद्युत इकाई ने 100 फीसदी से अधिक का पीएलएफ हासिल किया। इससे पूर्व श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की 600 मेगावाट क्षमता की इकाई नंबर 2 ने वर्ष 2015 में 100 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित किया था। उल्लेखनीय है कि इकाई नंबर तीन ने 3 फरवरी को 158.3 लाख यूनिट विद्युत उत्पादन कर रिकार्ड बनाया था। उस दौरान यूनिट का पीएलएफ 99.94 फीसदी रहा था।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट-श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। यहां पहली व दूसरी इकाई 600-600 मेगावाट और तीसरी व चौथी इकाई 660-660 मेगावाट की हैं।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 3 के अभयिंताओं व कार्मिकों द्वारा 100 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ अर्जित और क्षमता से अधिक उत्पादन करने जैसी उपलब्धी के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने बधाई दी।

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आदर्श नगर, जबलपुर में अपनी 18वीं शाखा का उद्घाटन किया

जबलपुर। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, जो देश की अग्रणी और विश्वसनीय सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक है, ने आज जबलपुर के आदर्श नगर में अपनी 18वीं शाखा (जबलपुर जिला), 40वीं शाखा (जबलपुर जोन), 194वीं शाखा (मध्य प्रदेश) और 2547वीं शाखा (भारत) का भव्य उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, ग्राहकों और बैंक अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश बी. धीरवानी तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र, जबलपुर जोन के अंचल प्रबंधक मोहम्मद शाहज़ीब की गरिमामयी उपस्थिति इस आयोजन को और अधिक विशेष बनाती है।

शासकीय कालोनियों को अवैध अतिक्रमण से मुक्त किया जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि जबलपुर में शासकीय कॉलोनी, कार्यालय के आसपास लगातार अवैध अतिक्रमण चल रहा है, वहीं कार्यालयों के आसपास पान गुटखा नशीले पदार्थों के टपरे खुल रहे हैं। यह अतिक्रमण नगर निगम की छत्र छाया में फलफूल रहे हैं। इन अवैध अतिक्रमण पर तत्काल रोक लगाते हुए शासकीय कालोनियों, शासकीय भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त किये जाने की आवश्यक कार्यवाही तत्काल की जाना चाहिये। कमिश्नर महोदय से अपील है की मामले को संज्ञान में लेकर शासकीय कालोनियों और कार्यालयों के आसपास के क्षेत्र में कार्यवाही कर हो रहे अवैध अतिक्रमण को दूर करने की कार्यवाही अतिशीघ्र की जानी चाहिए। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, ज़ियाउर्रहीम, राकेश श्रीवास, गुडविन चाल्स, राजेश सहारिया, द आदि ने कमिश्नर महोदय से मांग की है की शासकीय कालोनियों और कार्यालयों के आसपास हो रहे अवैध निर्माणों पर अतिशीघ्र रोक लगाई जाए।

पेंशनर एसोसियेशन की मासिक बैठक संपन्न

जबलपुर। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसियेशन की मासिक बैठक 05 फरवरी को बरगी हिल्स में आयोजित की गई, जिसमें एड. राजकुमार दुबे, प्रांताध्यक्ष ने बताया कि 09 फरवरी को ग्वालियर सम्मेलन जोन के लिए एक प्रतिनिधि मंडल रवाना होगा एवं संगठन को मजबूत करने जबलपुर जिला में सदस्यता अभियान एवं जनजागरण किया जाएगा। बैठक में ब्लाक, तहसील एवं जिला से सदस्य बनाने तथा लंबित मांगों संबंधी ज्ञापन मुख्यमंत्री भोपाल को प्रेषित किए जाने का निर्णय लिया गया।

महाकौशल प्रांत से पहुंचे सैकड़ों किसान

किसानों ने किया वल्लभ भवन का घेराव

जबलपुर।

सस्ती बिजली, खाद और पानी, मांग रही है आज किसान और हम अपना अधिकार मांगते नहीं किसी से भीख मांगते के नारों का उद्घोष करते प्रदेश के हजारों किसान राजधानी भोपाल पंहुचे और अपनी मांगों व समस्याओं का ज्ञापन प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को सौंपा। किसानों की समस्याओं व मांगों को धैर्यपूर्वक सुनकर किसानों को संबोधित करते हुये उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव किसानों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों को वल्लभ आने की आवश्यकता नहीं है, वल्लभ भवन को चलाने वाली सरकार ही किसानों के बीच जायेगी। श्री देवड़ा ने आगे कहा कि खेती व किसानों की योजनाओं के क्रियान्वयन में जो प्रशासनिक कमी है। सरकार समीक्षा कर उस कमी को दूर करेगी। इसके साथ ही ज्ञापन में जो समस्यायें व मांगे किसानों ने रखी है। उस पर सरकार काम करते हुये उन्हें दूर करने का प्रयास भी करेगी। भारतीय किसान संघ के अन्नदाता अधिकार रैली व वल्लभ भवन घेराव कार्यक्रम में किसान संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष रामभरोस वासोतिया, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल, क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रांत संगठन मंत्री मनीष शर्मा, प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान ने संबोधित किया। इस के साथ ही प्रांत महामंत्री शिवनंदन रघुवंशी, पवन शर्मा, प्रांत प्रचार प्रमुख राहुल धूत, प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर, नमोनारायण दीक्षित, कैलाश ठाकुर, जगराम यादव सहित प्रदेश भर से आये जिलों के अध्यक्ष, प्रांत, प्रदेश पदाधिकारियों सहित हजारों की तादाद में प्रदेश भर से आये किसानों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मंच संचालन प्रांत कोषाध्यक्ष सतीश तिवारी ने किया।

किसानों ने समस्याओं का थैला सौंपा

भारतीय किसान संघ ने किसानों से अपनी राजस्व व अन्य समस्याओं को प्रमाण के साथ लाने कहा था। प्रदेश भर से आये किसानों की समस्याओं का थैला मंच पर ही ज्ञापन के साथ उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को सौंपा। जिस पर उन्होंने कार्यवाही करने की बात कही।

प्रशासन व सरकार पर जमकर बरसे किसान

प्रदेशभर से आये किसानों का आक्रोश उनके भाषड़ों में देखने मिला। किसान राजस्व, सिंचाई, खाद, बीज, बिजली, पशुपालन, न्यूनतम समर्थन मूल्य, मंडी सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन व सरकार से नाराज दिखा और प्रशासन व सरकार को खरी खोटी सुनाते हुये जमकर भड़ास निकाली।

पटवारी प्रदेश के राजा बन बैठे हैं : राघवेन्द्र पटेल

अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में पटवारी राजा बन गए हैं उन्हें किसी का भय नहीं है। जिलों में प्रशासनिक व्यवस्था में व्याप्त भृष्टाचार से किसान परेशान हो गया है। समस्याओं व मांगों के अनेक ज्ञापन देने के बावजूद भी कहीं कोई सुनवाई नहीं है। इसलिये मजबूरीवश किसानों को सरकार व प्रशासन से सीधा संवाद करने राजधानी भोपाल की सड़कों पर आकर अन्नदाता अधिकार रैली व वल्लभ भवन का घेराव कर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। किसान पटवारी से लेकर जिला प्रशासन सन तक की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से संतुष्ट नहीं है।

खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी कम करने कार्यशाला

जबलपुर। राज्य शासन के पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) ने डब्ल्यूआरआई इंडिया के साथ आज बुधवार को जबलपुर में 'खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी कम करने हेतु नगर स्तरीय रणनीतियों' पर चर्चा के लिये विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाते हुए विचार-मंथन कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम पूरे मध्य प्रदेश में ऐसे संवाद कार्यक्रमों की श्रृंखला की दूसरी कड़ी है। पहली कड़ी के रूप में भोपाल में दिसंबर 2024 में इसी प्रकार का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यशाला को संबोधित करते हुए संभागायुक्त अभय वर्मा ने कहा कि जबलपुर में खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी से निपटने में एक मजबूत उदाहरण स्थापित करने की क्षमता है। सही मार्गदर्शन और सामूहिक कार्रवाई से हम इस मुद्दे से निपट सकते हैं। आज की चर्चाओं ने इस विषय पर एक मूल्यवान दिशा प्रदान की और हम अधिक टिकाऊ भविष्य के लिए इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जबलपुर को खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हालाँकि घरों में भोजन की बर्बादी आम नहीं है, लेकिन यह सकारात्मक सोच शादियों और होटलों में होने वाले बड़े समारोहों में नहीं अपनाई जाती, यहाँ हमें कार्रवाई की आवश्यकता है। श्री सक्सेना ने कहा कि हम इस चुनौती को पहचानते हैं और बेहतर समाधान की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों से संवाद करते हुए नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने कहा कि खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी एक ऐसा मुद्दा है जिसके बारे में हम सभी सोचते हैं, लेकिन शायद ही इसका महत्व समझ पाते हैं। व्यक्तिगत प्रयास मायने तो रखते हैं, लेकिन वास्तविक प्रभाव के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हम सभी हितधारकों को एक साथ लाकर और पारंपरिक ज्ञान के साथ आधुनिक समाधानों का लाभ उठाकर और सुविचारित रणनीतियों को लागू करके इस चुनौती को खाद्य सुरक्षा, स्थिरता और एक स्वस्थ भविष्य के लिए अवसर में बदल सकते हैं।

संत रविदास विचार मंच ने ज्ञान का दीप जलाया

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 02 फरवरी को लालकुंआ पोलीपाथर ग्वारीघाट रोड स्थित चंदाबाई के निवास पर मंच की सभा संपन्न हुई। सभा के मुख्य अतिथि अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संतों के विचारों और ज्ञान से मनुष्य अपने जीवन का नया मार्ग प्राप्त कर सकता है। उन्होंने संभागीय अध्यक्ष, प्रांतीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, ग्रामीण अध्यक्ष व नगर अध्यक्ष को संत रविदास जयंती जानकारी लेकर मनाने का आदेश दिया, जिसमें चल समारोह सामूहिक रूप से एक साथ चले। इस अवसर पर शारदा प्रसाद चौधरी, मुन्नालाल चौधरी, रामकली चौधरी, लक्ष्मी चौधरी, कंधीलाल मास्टर, काशी मास्टर, बाबूलाल चौधरी, शिवनाथ चौधरी, सियाबाई, रामकली, द्रोपदीबाई, छोटीबाई, प्रेमवती चौधरी, किरन बाई, रेखा बाई, कैलाशबाई सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

निकला विशाल चल समारोह, पाण्डुक शिला पर हुआ अभिषेक

कुंडलपुर नगरी में मनाई गई श्री वीर प्रभु के जन्म कल्याणक की खुशियां

जबलपुर।

अहिंसा के प्रणेता एवं वर्तमान शासन नायक बाल तीर्थंकर श्री वीर प्रभु के मंगलकारी जन्मकल्याणक का समाचार सुनते ही कुंडलपुर नगरी झूम उठी और संस्कारधानी सहित पूरे देश से पधारे हजारों जैन बंधुओं ने वीर प्रभु का मंगलकारी जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया।

महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं नितिन जैन ने बताया कि मंगलमय प्रसंग पर प्रातः काल की मंगल बेला पर इंद्र सभा का आयोजन किया गया जिसमें सौधर्म इंद्र का आसन कम्पायमान होते ही उन्होंने अवधिज्ञान से जाना कि कुंडलपुर नगरी में बाल तीर्थंकर श्री वीर प्रभु का जन्म हो गया है और उन्होंने वहीं से प्रभु के चरणों में नमन किया। राज सभा में दूत ने बाल तीर्थंकर के जन्म का समाचार सुनाया और कहा कि महाराज जगत को मुक्ति का मार्ग बताने वाले तीन लोक के नाथ श्री महावीर प्रभु का जन्म हो चुका है यह समाचार सुनते ही सम्पूर्ण कुंडलपुर नगरी खुशियों से गूंज उठी और सभी मंगल बधाइयां गाकर जनकल्याणक की खुशियां मनाई। श्री वीर प्रभु को सौधर्म इंद्र एवं शची इंद्राणी ऐरावत हाथी पर विराजमान कर शोभायात्रा के साथ पाण्डुक शिला पर ले गए जहां 1008 कलशों से जन्माभिषेक कर अपने कर कमलों को धन्य किया।

सामुदायिक भवन, बड़ादेव पेनठाना की छत व मंच निर्माण कराने की मांग

जबलपुर। गोंड समाज महासभा जिला जबलपुर ने गोंड राजा संग्राम शाह मडावी सामुदायिक भवन निर्माण कराने संतोष बरकड़े विधायक सिहोरा को ज्ञापन सौंपा। बताया गया मोहनिया, तह-रांझी, जि. जबलपुर में गोंड समाज के आराध्य बड़ादेव पैनठाना (पूजा स्थल) स्थित है यह भूमि प.ह.नं.1 खसरा नं.259/2 रकवा 0.400 हेक्ट. है, जिसमें जिला स्तरीय आदिवासी सामुदायिक भवन का निर्माण प्रस्ताव भी लंबित है। यह स्थल समस्त गोंड समाज के आस्था का केन्द्र है यहां गोंड समाज के लोग गोंगो पाटा (पूजा-पाठ) करते हैं गोंड समाज ने विधायक से निवेदन है कि गोंड समाज के आराध्य बड़ादेव पेनठाना (पूजा स्थल) की छत सहित मंच निर्माण व गोंड राजा संग्राम शाह मडावी सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाए।

डॉ. अंजना की आतिशी बल्लेबाजी से पावर स्मैशर्स टीम जीती

जबलपुर। मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल के तत्वावधान में बालक मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल रामपुर में विद्युत महिला मंडल द्वारा विभिन्न सामाजिक ,शैक्षणिक और अन्य गतिविधियों की कड़ी में सदस्य टीमों के बीच क्रिकेट का प्रदर्शन मुकाबला खेला गया। मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल की अध्यक्षा डॉ अंजना तिवारी ने आलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को 8 विकेट से रोचक विजय दिलाई।पहले खेलते हुए पावर प्रिंसेस की टीम ने निर्धारित 8 ओवरों में भाविका के 2 चौके और 1 छक्के की मदद से बनाये 14 रन, स्मृति के 10 व फरहत के 8 रन की बदौलत 57 रन का स्कोर बनाया। डाक्टर अंजना तिवारी ने किफायती गेंदबाजी करते हुए एक विकेट हासिल किया। जवाब में पावर स्मैशर्स टीम की कप्तान एवं मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल की अध्यक्षता डॉ अंजना तिवारी ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 11 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 28 धुआंधार रन बनाये और जीत का निर्धारित लक्ष्य सातवें ओवर में ही मात्र 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। वूमेन आफ द मैच का पुरस्कार डॉक्टर अंजना तिवारी को तथा भाविका को विशेष पुरस्कार दिया गया। मैच को संपन्न कराने में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के संदीप बर्मन और पवन पटेल ने अंपायर की भूमिका निभाई। सौरभ रजक व मुकुल सिंह राजपूत स्कोरर रहे। विवेक राव व धर्मेंद्र ने ग्राउंड तैयार किया।

कोरी समाज का परिचय सम्मेलन 9 फरवरी को

जबलपुर। कोरी तंतुवाय समाज कल्याण संगठन जबलपुर द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 19वां प्रदेश स्तरीय विराट सामाजिक परिचय सम्मेलन 09 फरवरी को एमजीजी बारात घर मेट्रो हॉस्पिटल के सामने दमोहनाका में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में विवाह योग्य युवक, युवतियों का परिचय एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं तथा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया जाएगा। उक्त जानकारी विगत दिवस संगठन की बैठक में अध्यक्ष इंजी. एसएल कोरी एवं महामंत्री गोपालदास कोरी ने देते हुए संगठन के सभी पदाधिकारियों को कार्यक्रम संबंधी जिम्मेदारी सौंपी।

पनागर विधायक एवं गेल इंडिया के स्वतंत्र निदेशक ने प्रदान किये

एलिम्को शिविर में 48 दिव्यांगजनों को मिले 68 सहायक उपकरण

हरिभूमि, जबलपुर। गैस अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (गेल) की कॉर्पोरेट सोशियल रेस्पॉसिबिलिटी के अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा आज बुधवार को अपने रिछाई स्थित सहायक उत्पादन केन्द्र में पनागर के विधायक श्री सुशील तिवारी इंदु की मौजूदगी में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों के वितरण हेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 48 दिव्यांगजनों को 68 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के स्वतंत्र अखिलेश जैन, श्री योगेन्द्र उइके, रमेश चांद, हेमा साहू, मानगोविंद स्वाईं सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण विधायक सुशील तिवारी इंदु एवं अखिलेश जैन ने किया। शिविर में दिव्यांगजनों को वितरित सहायक उपकरणों में 20 बैसाखी, 11 ट्राईसिकल, 8 श्रवण यन्त्र, 7 व्हील चेयर, 7 मोटराईज्ड ट्राईसिकल, दो रोलेटर, दो जॉय स्टिक व्हील चेयर तथा एक-एक सीपी चेयर, एडीएल किट, स्मार्ट केन एवं सुगम्य फोन शामिल थे। ज्ञात हो कि गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा कार्पोरेट सोशियल रिस्पांसबिलिटी के तहत पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदु के आग्रह पर सुहागी में 22 नवम्बर को दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान करने भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण केंद्र के सहयोग से चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया था।

शेष निजी स्कूलों को एक दिन के भीतर किताबों की सूची देने के निर्देश

जबलपुर। जिले के ऐसे सभी निजी स्कूलों को शैक्षणिक सत्र 2025-26 में लगने वाली किताबों की सूची एक दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को देना होगा, जिन्होंने अभी तक यह सूची नहीं सौंपी है। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना के निर्देशानुसार समस्त सीबीएसई,आईसीएसई एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की सत्र 2025-26 की पुस्तकों की सूची जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 11 जनवरी तक जमा की जानी थी, लेकिन अभी तक कुछ निजी स्कूलों द्वारा पुस्तकों की सूची कार्यालय में जमा नहीं की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी ने एक दिन के भीतर पुस्तकों की सूची जमा न करने की स्थिति में निजी स्कूलों के विरुद्ध म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 सहपठित नियम 2020 मान्यता नियमों के तहत वैधानिक कार्यवाही की चेतावनी दी है।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह का रिकार्डतोड़ प्रदर्शन

क्षमता से अधिक उत्पादन कर 100 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ अर्जित

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) की 660 मेगावाट की इकाई नंबर 3 ने गत दिवस लगातार दूसरे दिन अपनी उत्पादन क्षमता से अधिक रिकार्ड तोड़ 158.7 लाख यूनिट उच्चतम दैनिक विद्युत उत्पादन किया। यूनिट का प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 100.18 फीसदी रहा। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह जब से स्थापित हुआ है, तब से पहली बार उसकी किसी विद्युत इकाई ने 100 फीसदी से अधिक का पीएलएफ हासिल किया। इससे पूर्व श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की 600 मेगावाट क्षमता की इकाई नंबर 2 ने वर्ष 2015 में 100 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित किया था। उल्लेखनीय है कि इकाई नंबर तीन ने 3 फरवरी को 158.3 लाख यूनिट विद्युत उत्पादन कर रिकार्ड बनाया था। उस दौरान यूनिट का पीएलएफ 99.94 फीसदी रहा था।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट-श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। यहां पहली व दूसरी इकाई 600-600 मेगावाट और तीसरी व चौथी इकाई 660-660 मेगावाट की हैं।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 3 के अभयिंताओं व कार्मिकों द्वारा 100 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ अर्जित और क्षमता से अधिक उत्पादन करने जैसी उपलब्धी के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने बधाई दी।

कलर्स बाय रूपा ने नए उत्पाद 'ड्राई फिट कलेक्शन' का अनावरण किया

जयपुर। भारत की अग्रणी होजियरी ब्राण्ड रूपा एंड कंपनी लिमिटेड के तहत एक विश्वसनीय नाम "कलर्स बाय रूपा" ने हाल ही में लॉन्च किए गए ड्राई फिट कलेक्शन के साथ एथलीजर वेयर की रेंज को फिर से परिभाषित करने की यात्रा शुरू की है। इसे डायनेमिक 'प्लेश्योर' रेंज के अंतर्गत कम्फर्ट, परफारमेंस और स्टाईल के साथ सहजता से मिश्रित करने के लिए यह रेंज डिज़ाइन की गई है जो प्रतिदिन के हर पल को एक अनुभव में बदल देती है। ड्राईफिट कलेक्शन बहुमुखी प्रतिभा के लिए बनाया गया है जो आज के कन्ज्यूमर की एक्टिव लाईफ-स्टाईल को पूरा करती है। उन्नत पॉलिएस्टर फैब्रिक, इलास्टेन-आधारित मेटेरियल से तैयार यह प्रोडक्ट चाहे आप गहन वर्कआऊट कर रहे हों या आराम से काम कर रहे हों, असाधारण रूप से आराम प्रदान करता है। एर्गोनॉमिक रूप से तैयार किए गए कपड़े को परफेक्ट फिट सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है जो आपके

शरीर के साथ आसानी से मूव करता है। यह कलेक्शन आपकी त्वचा को स्वतंत्र रूप से सांस लेने की अनुमति देता है। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए इसमें स्टाइलिश और जीवंत लाइन-अप है जिसमें महिलाओं की गोल गर्दन वाली टी-शर्ट, पोलो टी-शर्ट, टैंक टॉप, लेगिंग और साइकलिंग शॉर्ट्स के साथ-साथ पुरुषों की रागलन स्लीव गोल गर्दन वाली टी-शर्ट, पोलो टी-शर्ट, टैंक टॉप, ट्रैक पैंट, जॉगर्स और शॉर्ट्स शामिल हैं। एडवान्स्ड स्ट्रैच की क्षमता, बेहतर श्वसन क्षमता और हल्के स्पर्श के साथ ये परिधान आपके व्यक्तित्व को और भी आकर्षक बनाता है। रूपा एंड कंपनी लिमिटेड के निदेशक, मुकेश अग्रवाल ने इस लॉंचिंग अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, कलर्स बाय रूपा का "ड्राईफिट कलेक्शन" सिर्फ परिधान नहीं है- यह पर्सनालिटी, मूवमेंट और स्टाईल का एक समावेश है एवं ऊर्जावान ग्राहक की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए सौंदर्य के साथ परिवर्तनात्मक डिजाइन का मिश्रण है। हमें पूरा भरोसा है कि बेजोड़ स्टाईल का यह कलेक्शन हमारे प्रिय ग्राहकों को आकर्षित करेगा और इसे अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

तंबाकू का सेवन और कैंसर के बीच घातक संबंध का खुलासाः डॉ.अमोल डोंगरे

जबलपुर। कैंसर के खिलाफ चल रहे संघर्ष में, एक सबसे बड़ा दुश्मन है 'तंबाकू' जो सबसे ज्यादा खतरनाक है। दशकों के शोध से पता चला है कि तंबाकू के सेवन और विभिन्न प्रकार के कैंसर के बीच जटिल और विनाशकारी संबंध है। फेफड़ों के कैंसर से लेकर अग्नाशय के कैंसर और अन्य प्रकार के कैंसर तक, तंबाकू का सेवन और कैंसर की घटनाओं और मृत्यु दर के बीच का संबंध स्पष्ट है। डॉ. अमोल डोंगरे, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने इसके बारे में जानकारी साझा की। इस घातक संबंध में सबसे आगे फेफड़ों का कैंसर है, जो दुनिया भर में कैंसर के सबसे प्रचलित और जानलेवा प्रकारों में से एक है। इसका मुख्य कारण तंबाकू का धुआं है, जिसमें कम से कम 70 ज्ञात कार्सिनोजेन (कैंसर पैदा करने वाले तत्व) सहित 7,000 से अधिक रसायन होते हैं। इन जहरीले धुएं का साँस के जरिए शरीर में प्रवेश, फेफड़ों के नाजुक ऊतकों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है।

बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड की घोषणा

मुंबई/पुणे। बजाज फिन्सर्व एएमसी ने एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड की शुरुआत की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉकों में निवेश किया जाएगा। इन्वेस्टर के लिए यह फंड 6 फरवरी से शुरू होकर 20 फरवरी को बंद होगा। यह फंड लार्ज, मिड और स्मॉल कंपनियों में संतुलित रूप से निवेश करेगा जिससे एक विविध बेहतर पोर्टफोलिओ को बनाए रखा जा सके।

धरती की तरफ बढ़ते एक विशाल एस्टेरॉयड ने चिंता बढ़ाई

वॉशिंगटन। धरती की तरफ बढ़ते एक विशाल एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) ने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। संयुक्त राष्ट्र के खगोलविद इस क्षुद्रग्रह पर नजर रख रहे हैं, जिसके पृथ्वी से टकराने का अंदेशा जताया गया है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने कहा है कि एस्टेरॉयड के 22 दिसंबर 2032 को पृथ्वी के पास सुरक्षित रूप से गुजरने की 99 फीसदी संभावना है, लेकिन बाकी एक फीसदी टकराव की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है। ऐसा कोई भी टकराव एक बड़ी तबाही का सबब बन सकता है। इस तबाही की जद में दक्षिण एशिया के देश (भारत-पाकिस्तान और आसपास के मुल्क) भी आ सकते हैं। इस क्षुद्रग्रह का नाम 2024 वाईआर4 है, जिसका आकार 40 से 90 मीटर के बीच है। ईएसए का कहना है कि इसके सुरक्षित रूप से पृथ्वी से टकराव की संभावना 1.3 फीसदी आंकी गई है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र की ग्रह रक्षा संस्थाएं एक क्षुद्रग्रह की बारीकी से निगरानी कर रही हैं।

3 रुपए का भोज! न दहेज... न ही दावत, खुद खाना पकाकर लाते हैं बाराती

नई दिल्ली। आजकल देखा जाता है कि शादी विवाह में लोगो खूब पैसा उड़ाते है। वधू पक्ष की ओर से अच्छा खासा खाने का इंतजाम किया जाता है। एक से बढ़कर एक पकवान पकाए जाते हैं, लेकिन आदिवासी समाज में एक अनोखा तरीका है। आदिवासी समाज में वधू पक्ष पर किसी भी तरह के भोज या फिर बारातियों के स्वागत में खाने के इंतजाम का प्रेशर नहीं रहता। कई बार तो ऐसा होता है कि अगर वधू पक्ष असमर्थ है तो बाराती खुद अपना खाना लेकर आते हैं। वधू पक्ष पर बारातियों को भोज खिलाने का नहीं होता जिम्मा : आदिवासी समाज में महिलाओं को काफी सम्मान दिया गया है। वधू पक्ष के ऊपर किसी तरह का कोई दबाव न पड़े और उनको किसी भी कीमत में तकलीफ न पहुंचे इसी कारण से ऐसा किया जाता है। संताल देसमांझी के प्रमुख सलाहकार सुनील हेंब्रम ने बताया कि शादी-ब्याह में दहेज तो छोड़िए, वधू पक्ष के लोगों पर बारातियों को भोज खिलाने का भी जिम्मा नहीं होता।

भोज की बाध्यता नहीं

वधू पक्ष ने यदि तीन रुपए का भोज देना स्वीकार किया तो इसका मतलब ये निकला कि कन्या पक्ष बारातियों को कुछ खिला नहीं सकता। तब वर पक्ष ही भोजन की व्यवस्था करेगा। बाराती अपना भोजन खुद लेकर जाएंगे। यदि वधू पक्ष ने पांच रुपए का भोज स्वीकार किया, तो बरातियों को एक समय खाना खिलाया जाएगा। जो वधू पक्ष अमीर हैं और बरातियों को भोजन कराना चाहते हैं, तब 16 रुपए का भोज स्वीकार करते हैं। इसके तहत वधू पक्ष ही पूरी व्यवस्था करता है। उन्होंने बताया कि वधू पक्ष पर भोज की बाध्यता नहीं है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने की मांग टैक्सपेयर्स को मिले टैक्स की मार से राहत

भोपाल। महंगाई के चलते खपत में कमी ने उद्योगजगत की चिंता बढ़ा दी है। मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में जीडीपी गोथ रेट में गिरावट इस बात की तस्दीक करती है। ऐसे में सभी की नजरें नए साल में एक फरवरी 2025 को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश होने वाले बजट पर है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण डिमांड और कंजम्प्शन को बढ़ाने के लिए क्या एलान करती हैं। इस संबंध में मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन और व्यापारियों की शीर्ष संस्था भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने सरकार से बजट में पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी को घटाने की मांग की है । वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश होने वाले बजट के लिए मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने वित्त मंत्री को पेट्रोल डीजल पर एक्साइज ड्यूटी को घटाने का सुझाव दिया है जिससे कम इनकम वाले सेगमेंट के लेवल पर खपत को बढ़ाया जा सके। क्योंकि ईंधन की ज्यादा कीमतों के चलते महंगाई बढ़ती है। अजय सिंह के मुताबिक पेट्रोल के दामों में सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी की हिस्सेदारी 21 फीसदी है जबकि डीजल के दामों में 18 फीसदी हिस्सा इसी टैक्स का है। मई 2022 के बाद से ही ग्लोबल क्रूड ऑयल कीमतों में 40 फीसदी कमी के बावजूद पेट्रोल डीजल की कीमतों में कमी नहीं की गई है। एक्साइज ड्यूटी के घटाने से महंगाई को कम करने में मदद मिलेगी, साथ ही लोगों के डिस्पोजेबल इनकम में भी बढ़ोतरी आएगी। अजय सिंह ने कहाकि देश के तेज विकास के लिए घरेलू खपत को बढ़ाना बेहद जरूरी है, लेकिन महंगाई के चलते लोगों की पर्चेजिंग पावर घटी है।

ये है दुनिया की सबसे महंगी गाय, कीमत 10-20 करोड़ नहीं, बल्कि इतने में तो 50 घोड़े आ जाएं!

ब्रासीलिया। क्या आप यकीन कर सकते हैं कि एक गाय की कीमत करोड़ों रुपये हो सकती है? यह कोई मजाक नहीं, बल्कि सच्चाई है! ब्राजील में 'वियटिना-19' नाम की एक नेलोर गाय को 4 मिलियन डॉलर (करीब 33 करोड़ रुपए) में बेचा गया है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर यह गाय इतनी महंगी क्यों है?

गायों की अनोखी दुनिया और महंगी नस्लें : गायें सिर्फ दूध देने के लिए ही नहीं होतीं, बल्कि कुछ खास नस्लों की कीमत उनके असाधारण गुणों के कारण बहुत ज्यादा होती है। दुनिया में ऐसी कई नस्लें हैं जो अपनी अनूठी विशेषताओं की वजह से लाखों-करोड़ों में बिकती हैं। जापान की वाग्यू और भारत की ब्राह्मण गायें इसकी बेहतरीन मिसाल हैं। ये गायें गर्मी में भी आसानी से जी सकती हैं और इनकी नस्ल बहुत ही शुद्ध मानी जाती है।

यूलिप पर अब म्यूचुअल फंड की तरह लगेगा

नई दिल्ली। बजट में घोषणा की गई है कि 2.5 लाख रुपए से अधिक वार्षिक प्रीमियम वाले बड़े यूनिट लिंक्ड बीमा योजनाएं (यूलिप) पर अब 12.5 फीसदी की दर से लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स लगाया जाएगा। यह प्रावधान 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। यह कदम यूलिपके टैक्स सिस्टम को स्पष्ट और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है, क्योंकि यह एक ऐसा वित्तीय उत्पाद है जो बीमा और निवेश दोनों का संयोजन करता है। अब तक यूलिप से होने वाले लाभ पर टैक्सेशन को लेकर असमंजस की स्थिति थी, खासकर उन पॉलिसी के लिए, जिनका वार्षिक प्रीमियम 2.5 लाख रुपये से अधिक था। यूलिप की संरचना इस तरह से की गई है कि इसके एक बड़े हिस्से का निवेश शेयर बाजार में किया जाता है।

आईआईटी की रिपोर्ट में खुला

सावधान! आधे से अधिक ट्रक ड्राइवरों को ढंग से दिखाई तक नहीं देता

नई दिल्ली। नेशनल हाईवे, एक्सप्रेसवे, फोरलेन या किसी छोटी सड़क पर ट्रक चलाने वाले आधे से अधिक ड्राइवरों को ढंग से दिखाई नहीं देता है। भारत में 55.1 फीसदी ट्रक ड्राइवरों की नजर कमजोर है, जो सड़क सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, 53.3 फीसदी ड्राइवरों को दूर की दृष्टि में सुधार की जरूरत है, जबकि 46.7 फीसदी निकट दृष्टिदोष से पीड़ित हैं। यह अध्ययन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली और फोरसाइट फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु के 50 हजार ट्रक ड्राइवर शामिल थे। देश के 44.3फीसदी ट्रक ड्राइवरों का बीएमआई (शरीर द्रव्यमान सूचकांक) सीमा रेखा या उससे अधिक है। 57.4 फीसदी ड्राइवर हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। 18.4 फीसदी ट्रक ड्राइवरों में ब्लड शुगर का स्तर सामान्य से अधिक है। 33.9 फीसदी ड्राइवरों में मध्यम स्तर के तनाव की शिकायत है। 2.9 फीसदी में तनाव का उच्च स्तर पाया गया, जो मानसिक स्वास्थ्य सहायता की आवश्यकता को दर्शाता है।

- परिवहन क्षेत्र में महत्वपूर्ण चुनौतियां

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत के परिवहन क्षेत्र में महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों पर 70 फीसदी यातायात और ढुलाई लागत 14-16 फीसदी तक बढ़ गई है। देश में ट्रक ड्राइवरों की कमी है। हर 100 ट्रक पर केवल 75 ड्राइवर उपलब्ध हैं। गडकरी ने बताया कि ड्राइवरों के प्रशिक्षण और कल्याण के लिए डिजिटलीकरण और ऐप्स के एकीकरण पर काम किया जा रहा है।

- परिवहन क्षेत्र लॉजिस्टिक्स का मुख्य आधार

भारत का ट्रक परिवहन क्षेत्र लॉजिस्टिक्स का मुख्य आधार है। देशभर में आवश्यक सामानों की ढुलाई के लिए ट्रक अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि ड्राइवरों की स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देना नितांत आवश्यक है। ट्रक ड्राइवरों को अक्सर कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें लंबी दूरी तक ट्रक चलाना, अनियमित शिफ्ट और आराम की कमी, परिवार से लंबे समय तक दूर रहना और खराब स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं।

सभी परिवहन कार्यालयों में होना चाहिए प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई

भोपाल। जिस प्रकार जिला प्रशासन , नगरीय प्रशासन सहित अन्य सरकारी विभागों में प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई की जाती है, उसी तरह परिवहन विभाग में भी सभी परिवहन कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई होना चाहिए। यह मांग मध्यप्रदेश के ट्रांसपोर्टरों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से की। ट्रांसपोर्टरों ने कहाकि मध्यप्रदेश परिवहन विभाग का एक हेल्पलाइन नंबर के साथ ऑफिसियल एप होना चाहिए। मध्यप्रदेश पुलिस विभाग की तरह परिवहन विभाग में भी कमिश्नर एवं अन्य अधिकारियों आरटीओ, डीटीओ, आरटीआई का एक सरकारी स्थाई मोबाइल नंबर होना चाहिए जो आम जनता के लिए हमेशा उपलब्ध रहे। ट्रक ऑपरेटर एवं ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएल मुकाती ने कहा कि मध्यप्रदेश के अन्य विभागों में प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई की जाती है, उसी तरह परिवहन विभाग के सभी परिवहन कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई होना चाहिए।

आवश्यकता

आवश्यकता है- आकर्षक ऑफर, पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के - लड़कियां, महिलाएं - पुरुष पैकिंग (24500 से 64500) महीना कमाये, फन्ड + बोनस- 09034329258 (रायपुर /09 फरवरी25)

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

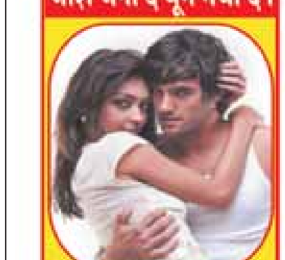

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाये।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन — मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह — नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग है।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

वार्षिक जीएसटी रिटर्न फार्म ने खड़ी की नई परेशानी

व्यापारी परेशान है और रिटर्न भरने में छूट रहा पसीना

भोपाल। वार्षिक रिटर्न जमा करने वाले व्यापारी अपने इनपुट टैक्स का सही हिसाब भर रहे हैं जो कि लेखा पुस्तकों में है। इसके बाद भी वार्षिक रिटर्न में वह मैच नहीं हो रहा। ऐसा इसलिए हुआ कि नया फार्म 2-बी का प्रारुप आने के कारण बीते वर्षों की इनपुट टैक्स क्रेडिट भी इस साल के रिटर्न में दिख रही है। जिसका कारण वार्षिक जीएसटी रिटर्न फार्म (जीएसटीआर-9) ने व्यापारियों के समक्ष नई परेशानी खड़ी कर दी है और उनके पसीने छूट रहे हैं। क्योंकि मासिक रिटर्न फार्म बदलने वाला जीएसटी नेटवर्क वार्षिक रिटर्न फार्म में बदलाव करना ही भूल गया।गौरतलब है कि बीते दिनों मासिक रिटर्न प्रणाली में तो बदलाव हुआ मगर वार्षिक रिटर्न का फार्म पुराने प्रारुप ही है। जिसके चलते व्यापारी रिटर्न भरने में पसीना-पसीना हो रहे हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट व कर सलाहकार खुद विभाग को समझाने पहुंच रहे हैं कि गलती कैसे सुधारे।

वित्त वर्ष 2017-18 से 2022-23 तक जीएसटी में इनपुट टैक्स क्रेडिट का हिसाब एक ही फार्म 2-ए के आधार पर होता था। इस फार्म में आपूर्ति कर्ता व्यापारी द्वारा चुकाए गए टैक्स-क्रेडिट का हिसाब आ जाता था। इसी के आधार पर वार्षिक रिटर्न फार्म का प्रारुप बना था और बीते वर्षों तक वह भरा जाता रहा। इसी साल जीएसटी में एक और मासिक फार्म 2-बी जारी कर दिया गया। इस फार्म में व्यापारी की आईटीसी का हिसाब आटोमैटिक सिस्टम से आने लगा।

भोपाल टैक्स लॉ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मृदुल आर्य और वरिष्ठ कर सलाकार राजेश जैन के अनुसार अब नए मासिक फार्म 2-बी के चलते वार्षिक रिटर्न जमा करने की कोशिश जब व्यापारी कर रहे हैं तो उनका इनपुट टैक्स क्रेडिट का मिलान लेखा पुस्तकों से नहीं हो रहा है। व्यापारी और कर सलाहकारों ने जीएसटी को शिकायत की है। जीएसटी ने कर सलाहकारों से ही सुझाव मांग लिए हैं कि वे ही बता दें कि सुधार कैसे किया जा सकता है। क्योंकि पुराने फार्म से यदि इसी स्थिति में रिटर्न भरा गया तो व्यापारी के पास मिसमैच के नोटिस पहुंचने लगेंगे।

शब्द पहेली - 5770

बाएँ से दाए
1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह, टीस, लालसा-3
6. हानि, आपत्ति-2
7. दुश्मनी, बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश, आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. शैतानी, बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा, लालसा-4
24. कवि, गजलकार-3
25. जरा, थोड़ा-2
27. मुलायम, नाजुक-3
28. गुफा, खोह-2
29. प्रियतम, सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह. शक्ति-2
3. बिनाबाल वारा, गंजा-4
4. पंक्ति, लाइन-3
5. लड़की, पुत्री, बेटी -2
7. वहम, संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा, कसम -3
13. गंगा का पानी -4
15. तीखा, तीक्ष्ण-3
16. आतुर, धैर्यहीन -4
17. संभवतः-3
18. मर्कट, कपि-3
20. गोविंदा, खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन, प्रेमी-3
24. संध्या, सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना, मास-2

शब्द पहेली- 5769 का हल

■	प	रा	या	प	न	■	म	च	ल	ना
सां	ग	■	च	■	का	ली	न	■	त	ट
व	■	त	क	रा	र	■	का	ल	■	की
ला	चा	र	■	■	दे	श	■	त	न	य
प	■	ती	■	पा	ना	■	गा	■	क	■
न	क	ब	ज	न	■	चा	ल	च	ल	न
■	हा	■	मा	■	च	र	■	ह	■	म
म	र	ना	■	द	म	■	■	क	स	क
र	■	श	क	■	क	रा	ह	ना	■	या
दू	ब	■	ल	बा	दा	■	रा	■	या	त्रा
द	या	क	र	■	र	च	ना	का	र	■

मंगल सैनचा, बैंगलोर

सूडोकू बवाल - 5780

***** कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल - 5779 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

गुलियन-बैरी सिंड्रोम या जीबीएस एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिससे महाराष्ट्र में कई लोग संक्रमित हो चुके हैं। इस बीमारी के होने के कारण, इसके लक्षण, इलाज और जरूरी सावधानियों के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर के बहुत यूजफुल सजेशंस यहां दिए जा रहे हैं।

गुलियन-बैरी सिंड्रोम बचाव के लिए सावधानी है जरूरी

डॉक्टर एडवाइस

डॉ. राजुल अग्रवाल
डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी
श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली

पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र में गुलियन बैरी सिंड्रोम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खासतौर पर पुणें में इसके कई मामले सामने आए हैं। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इसके संक्रमण से सात लोगों की संदिग्ध मृत्यु हो चुकी है और 160 से अधिक लोग इससे बीमार हो चुके हैं। इन वजहों से इसको लेकर लोगों के मन में भय व्याप्त है। ऐसे में बिना डरे हुए आपको गुलियन बैरी सिंड्रोम के बारे में जानना-समझना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इससे बचाव के लिए गुलियन बैरी सिंड्रोम के लक्षणों पर ध्यान देना और समय रहते अस्पताल पहुंचना बहुत जरूरी है।

क्या है जीबीएस

गुलियन-बैरी सिंड्रोम या जीबीएस एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें नसों में

सूजन आने लगती है। यह बीमारी तब होती है, जब हमारा इम्यून सिस्टम नसों के ऊपर हमला करना शुरू कर देता है। इसमें कुछ समय बाद नसों में सूजन आने लगती है और शरीर के अन्य अंगों में कमजोरी के साथ दर्द भी होने लगता है। इसलिए आपको गुलियन-बैरी सिंड्रोम के लक्षणों पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है और जरा भी संदेह होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

लक्षणों पर रखें नजर

गुलियन-बैरी सिंड्रोम के लक्षणों की बात करें तो सबसे पहले हाथों और पैरों में कमजोरी आनी शुरू हो जाती है। हाथ और पैर सुन्न होने लगते हैं। हाथ-पैर को हिलाने में दिक्कत आने लगती है और यह कमजोरी तेजी से शरीर के अन्य अंगों में भी फैलती है। इसके अलावा रीढ़ की हड्डी में कमजोरी, छाती की मांसपेशियों में कमजोरी, सांस लेने में परेशानी होना, जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इसकी वजह से मरीज को पैरालिसिस यानी लकवा भी हो सकता है। इस बीमारी में कई बार मरीज को हाई बीपी या फिर हार्ट अटैक तक आने की आशंका रहती है, जो घातक हो सकती है। इसलिए समय रहते लक्षणों पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है।

पॉसिबल ट्रीटमेंट

यह हमारी इम्यून सिस्टम से जुड़ी बीमारी है, इसलिए इसका कोई निश्चित इलाज नहीं है। लेकिन डॉक्टर दो तरह की थेरेपी से मरीज का इलाज करते हैं। इन दो तरह की थेरेपीज में प्लास्मफेरेसिस और आई.वी.आई.जी.आई थेरेपी के माध्यम से मरीज का इलाज किया जाता है। कुछ मामलों में प्लाजमा थेरेपी और इम्यूनोग्लोबिन थेरेपी की मदद से भी बीमारी पर नियंत्रण प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। इसलिए लक्षणों पर ध्यान देकर तुरंत अस्पताल पहुंचना बहुत जरूरी है और आपको कुछ सावधानियां भी बरतनी जरूरी हैं। तभी इससे बचाव संभव है।

बरतें ये सावधानियां

- सबसे पहले तो आप जीबीएस के प्रमुख लक्षणों पर अवश्य ध्यान दें यदि शरीर की मांसपेशियों में कमजोरी लग रही है, झुनझुनी या सुन्नता महसूस होती है, तो इसमें जरा भी लापरवाही ना बरतें और तुरंत अस्पताल पहुंचे या फिर नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें।

- साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, हमेशा स्वच्छ पानी पिएं, जिन स्थानों पर यह संक्रमण फैला है, वहां से दूरी बनाएं।
- भोजन करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

वॉकिंग के बारे में तो हम सब जानते हैं। अपनी फिटनेस को लेकर कॉन्शस लोग अपने वर्कआउट रूटीन में वॉकिंग को शामिल भी जरूर करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इससे मिलती-जुलती एक एक्सरसाइज रकिंग, वॉकिंग से काफी अधिक फायदेमंद होती है? हम आपको बता रहे हैं, क्या होती है रकिंग, इससे होने वाले फायदे और इसे करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में।

परफेक्ट-फिट बॉडी के लिए डेली करिए रकिंग

फिटनेस

शिखर चंद जैन

राजन अभी 40 प्लस का हुआ भी नहीं था कि उसने महसूस किया कि आजकल उसके पैरों में हल्की सूजन रहने लगी है। शरीर में हर वक्त थकान सी रहती है, थोड़ा सा चलते-फिरते ही सांस फूलने लगती है और धड़कन तेज हो जाती है। एक दिन अचानक वह चलते-चलते घर में ही गिर पड़ा। अस्पताल में चेकअप के दौरान पता चला कि उसे कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर हुआ था। डॉक्टर ने इलाज के दौरान बताया कि उसे अपने जीवनशैली में परिवर्तन, शारीरिक सक्रियता और एक्सरसाइज के साथ-साथ डाइट में भी परिवर्तन करना होगा। बाद में फिटनेस एक्सपर्ट ने उसे अपनी कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, बोन डेंसिटी मेंटेन करने, मसल्स की इलास्टिसिटी और स्ट्रेंथ के लिए रकिंग यानी बैक-पैक वॉकिंग करने की सलाह दी। इससे उसे काफी फायदा हुआ। फिजिकल एक्टिविटी और वेट लिफ्टिंग की प्रैक्टिस ने न केवल उसका बॉडी वेट सही मेंटेन किया बल्कि कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर की कंडीशन को बहुत हद तक रिवर्स भी किया। इतना ही नहीं अब उसे मेंटल स्ट्रेंथ भी महसूस होती है।

क्या होती है रकिंग

रकिंग की शुरुआत आर्मी ट्रेनिंग से हुई है, जिसमें 'रक' या 'रकसैक' शब्द का अर्थ है बैक-पैक। प्रथम विश्व युद्ध से पहले, सैनिक अपना सारा सामान और कपड़े, डंडों से बने बंडलों में ढोते थे। 20वीं सदी की शुरुआत में, सैनिकों ने रकसैक में अपनी पीठ पर सामान ढोने का प्रशिक्षण लिया। अब इसी की तर्ज पर रकिंग इन दिनों ट्रेंड में है। फिटनेस एक्सपर्ट्स के साथ-साथ वेलनेस गुरु भी इसे सजेस्ट कर रहे हैं क्योंकि यह फिजिकल के साथ मेंटल हेल्थ को भी फायदा पहुंचाती है। इसमें आपको पीठ पर बैग लादकर वॉक करना होता है।

ईजी होती है एक्सरसाइज

बैक-पैक वॉकिंग यानी रकिंग कोई टफ एक्सरसाइज नहीं होती है। आप वॉक कर सकते हैं तो आप रक भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि आप अपनी लाइफ में डेली रुटीन को बाधित किए बिना रकिंग कर सकते हैं। इसमें केवल आपको अपना सामान भरा बैक-पैक लेकर वॉक करना है। आप अपने बैक-पैक के साथ ग्रॉसरी स्टोर जाएं या सब्जी लेने जाएं या फिर अपने ऑफिस जा सकते हैं।

रकिंग के फायदे हैं कई

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कांसीन मिलवॉकी में रिहैबिलिटेशन साइंसेज की प्रोफेसर जेनिफर अर्ल बोयम कहती हैं, 'रकिंग से आपकी स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ती है। मस्कुलर इलास्टिसिटी और मजबूती भी बढ़ती है। इससे आपकी आउटडोर फिजिकल एक्टिविटी तो होती ही है, ब्रेन एक्टिविटी भी बढ़ती है। यह मेंटल हेल्थ, स्लीप और ब्लड प्रेशर के लिए भी फायदेमंद है। इस एक्सरसाइज के लिए न तो आपको अलग से कोई उपकरण खरीदना है न कोई एक्स्ट्रा खर्च करना होता है।'

बरतें सावधानियां

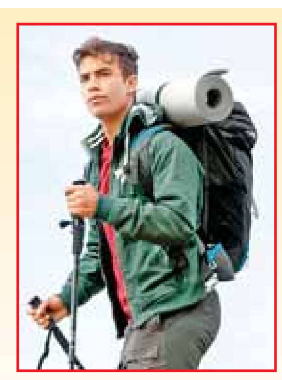

रकिंग करने वालों को लारा हेइमैन सुझाव देती हैं कि सबसे पहले आप इस बारे में सोचें कि आप बिना वजन के कितनी देर तक चल सकते हैं? अपने रक्स के लिए उस समय को आधा कर दें। उदाहरण के लिए, अगर आप आराम से 30 मिनट तक चल सकते हैं तो 15 मिनट के लिए रक्स करने का प्रयास करें। हेइमैन कहती हैं कि जैसे-जैसे आपकी भुजाओं, कंधों, कूल्हों और पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती जाएंगी। इससे आप धीरे-धीरे अपने रक्स का भार, दूरी और ऊंचाई बढ़ा सकते हैं। हेइमैन एक ऐसा बैग चुनने की सलाह देती हैं, जिसमें छाती और कमर दोनों के लिए पट्टा यानी स्ट्रैप हो ताकि बैग का वजन आपके ऊपरी शरीर पर समान रूप से पड़े। यह एक लाइफ जैकेट की तरह फिट होना चाहिए।

धीरे-धीरे बढ़ाएं बैक-पैक का वेट

रकिंग करने के लिए आप घर से कोई भी सामान अपने बैक-पैक में रख सकते हैं। यह सामान किताबें, पानी की बोतल आपका लैपटॉप कुछ भी हो सकता है या फिर ग्रॉसरी स्टोर से खरीदा गया सामान भी हो सकता है। हां, इसका वजन इतना ही हो जितना आप आसानी से उठा पाएं। धीरे-धीरे अभ्यास के मुताबिक आप इस वजन को बढ़ा भी सकते हैं।

इंप्रूव होता है बॉडी पोश्चर

फिजिकल थेरेपिस्ट लारा हेइमैन कहती हैं कि रकिंग से आपके पॉश्चर, बॉडी बैलेंस और स्टेबिलिटी में भी सुधार होता है। रकिंग आपकी पीठ को मजबूत बनाती है, जिससे आपको थोड़ा सीधा खड़े होने में भी मदद मिल सकती है। जब आप बैक-पैक पहनते हैं, तो आपकी ऊपरी ट्रेपेजियस मांसपेशियों, कंधों और ऊपरी पीठ की मांसपेशियों को सक्रिय होना पड़ता है। यह उन लोगों के लिए वास्तव में मददगार हो सकता है, जिनकी ऊपरी पीठ की मांसपेशियां कमजोर हैं और पॉश्चर खराब है। अगर आप डेस्क जॉब करते हैं तो आपको रकिंग के लाभ बहुत जल्दी दिखने लगेंगे। आपकी पीठ पर बंधा हुआ सारा वजन सिर्फ आपके ऊपरी शरीर को एक्टिव नहीं करता, यह आपके पैरों और कोर को भी एक्टिव कर देता है। जब आपकी पीठ पर वजन पड़ता है तो यह आपके कोर को भी सक्रिय करते हैं, जो आपके शरीर को स्थिर करने का काम करता है, जिससे यह पूरे शरीर की कसरत बन जाती है। *

घरेलू औषधि / रेखा देशराज

पाचन रखे दुरुस्त इसबगोल की भूसी

इसबगोल या साइलियम हस्क एक प्राकृतिक औषधि है, जो प्लांटागो ओवाटा नामक पौधे के बीज से हासिल होती है। इस बीज का बाहरी हिस्सा जिसे भूसी कहते हैं, दरअसल यही इसबगोल की भूसी होती है, जिसे आमतौर पर पेट की विभिन्न समस्याओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह भूसी फाइबर का बहुत समृद्ध स्रोत होती है। इसबगोल का उपयोग पाचन से संबंधित समस्याओं के लिए भारत में हजारों साल से हो रहा है। इसबगोल को आयुर्वेदिक और प्राकृतिक चिकित्सा में चमत्कारिक जड़ी के रूप में जाना जाता है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है। भारत में इसबगोल का इस्तेमाल सदियों से होता रहा है और प्राचीनकाल से ही इसबगोल की दुनिया के दूसरे देशों में भी काफी मांग रही है, इसलिए राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर इसकी खेती होती है। भारत इसबगोल का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है। यह एक तरह की घुलनशील फाइबर है, जो आंतों, हृदय और समूचे पेट के स्वास्थ्य के लिए रामबाण मानी जाती है। इसबगोल की भूसी को पावडर, दानों या कैप्सूल के रूप में भी लिया जा सकता है।

सेवन से होने वाले फायदे: इसबगोल विशेषकर अपने भरपूर फाइबर और पाचन सुधारक गुणों के कारण पूरी दुनिया में मशहूर है।

- यह कब्ज, दस्त और गैस की समस्या को दूर करती है।
- यह ब्लड शुगर लेबल को नियंत्रित करती है।
- बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करती है और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाती है।
- दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।
- यह एसिडिटी से बचाती है।
- यह आंतों की दीवारों को मजबूत करती है। साथ ही यह इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के लक्षणों को कम करती है।
- यह पानी को सोख लेती है, जिससे मल नरम हो जाता है और पेट साफ रहता है।
- यह हल्का और ठंडक प्रदान करने वाला है, साथ ही यह पित्त, वात और कफ के असंतुलन को ठीक करता है। *

हेल्थ सजेशन

रेखा

क्या आपको पता है सोने का सही ढंग क्या है? किन मुद्राओं में सोना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है? जमीन में सोना सही होता है या पलंग पर? इनके जवाब जानकर आप सोने का सही तरीका जान लेंगे और इससे स्वस्थ रहेंगे।

स्वास्थ्य को सुधारता है सोने का सही तरीका

सोने के सही तरीके से भी स्वस्थ रहा जा सकता है? क्या सही तरीके से सोना अच्छे स्वास्थ्य की गारंटी है? इन दोनों सवालों का जवाब है, हां। विशेषज्ञ कहते हैं कि अच्छी नींद लेना स्वस्थ रहने का विज्ञान है।

सही ढंग से सोने के फायदे: विशेषज्ञ सोने के तौर तरीकों पर लंबी जांच पड़ताल के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि सोने का सही तरीका और आदतें न केवल हमारी नींद की गुणवत्ता बढ़ाती हैं बल्कि ये हमारे समग्र स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती हैं। सही तरीके से सोना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की गारंटी है। सही तरीके से सोने में ही वो सारी गतिविधियां सुचारु रूप से संपन्न होती हैं, जो हमारे सोते समय हमारा शरीर करता है। अगर हम सही तरीके से सोते हैं तो सही ढंग से हमारी मांसपेशियों की मरम्मत होती है। सही ढंग से रिकवरी होती है, सही ढंग से सोने पर हमारे शरीर की कोशिकाएं ज्यादा स्वस्थ और सक्रिय रहती हैं। इन सब बातों का समग्रता में हमारी सेहत पर सकारात्मक असर पड़ता है। इसलिए सही तरीके से सोना अच्छे स्वास्थ्य की गारंटी है।

क्या है सोने का सही तरीका: सोने की सही मुद्रा हमारी रीढ़ की हड्डी को प्राकृतिक अवस्था में बनाए रखती है, जो कि हमारे सेहतमंद रहने का एक बड़ा आधार होती है। रीढ़ की हड्डी अगर प्राकृतिक अवस्था में रहती है, तो इससे हमारा शरीर तनावमुक्त रहता है। सही ढंग से सोने के तरीके में इस बात का भी महत्व होता है कि हम जिन गद्दों और तकियों के साथ सोते हैं, वो कैसे हैं? सोने के लिए ऐसा गद्दा होना चाहिए, जो न ज्यादा सख्त हो और न ही बहुत मुलायम। साथ ही तकिया गर्दन और रीढ़ की सीध में होना चाहिए। अब जानते हैं सोने की सही मुद्राओं के बारे में।

बाईं करवट सोना: विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हम बाईं करवट सोते हैं तो यह हमारे पाचनतंत्र के लिए बहुत लाभकारी होता है। इस मुद्रा में सोने से एसिडिटी कम होती है। रक्तप्रवाह में सुधार होता है। गर्भवती महिलाओं को तो विशेषकर बाईं करवट ही सोना चाहिए।

दाईं करवट सोना: सोने की यह भी मुद्रा आरामदायक है, लेकिन अगर लंबे समय तक दाईं करवट पर सोया जाए तो पेट और दिल के बीच दबाव बढ़ सकता है। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ दाईं करवट सोने को सही नहीं मानते। जिन्हें दिल की बीमारी हो उन्हें तो खासतौर पर दाईं करवट सोने से बचना चाहिए।

जमीन पर या पलंग पर: जमीन पर सोना रीढ़ को सीधा रखने में मददगार होता है। यह शरीर को बेहतर समर्थन देता है। लेकिन इसमें एक समस्या रहती है, खासतौर पर सर्दियों में जमीन पर सोने से सर्दी लग जाती है और जोड़ों में दर्द जैसी समस्या पैदा हो जाती है। यदि लकड़ी का सख्त पलंग है तो सोने के लिए वह भी सही रहता है। बस सोने का सही गद्दा होना जरूरी है ताकि वह शरीर को सपोर्ट भी दे और आरामदायक भी रहे। अगर ये दोनों बातें हैं तो लकड़ी के पलंग पर सोना ही बेहतर विकल्प है।

कैसे कपड़े पहन कर सोएं: निश्चित रूप से आरामदायक और ढीले कपड़े पहन कर सोना चाहिए। यह बेहतर नींद और स्वास्थ्य के लिए अच्छा विकल्प है। यह भी ध्यान रखें कि रात में सूती कपड़े पहन कर ही सोएं। कपड़े बहुत फिट भी नहीं होने चाहिए। इससे त्वचा और रक्त प्रवाह में बाधा पड़ती है, जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। *

पीठ के बल सोना

पीठ के बल सोने से रीढ़ और गर्दन सीधी रहती है। त्वचा पर झुर्रियां कम पड़ती हैं। लेकिन जिन्हें 'स्लीप एपनिया' की बीमारी हो, उन्हें इस मुद्रा में सोने से बचना चाहिए।

अगर आप बदलते मौसम में मांसपेशियों में होने वाले दर्द से परेशान रहते हैं तो आपको डेली कुंभकासन का अभ्यास करना चाहिए। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत बनती हैं और कई तरह के दर्द से राहत भी मिलती है। इसकी विधि और सावधानियों के बारे में जानिए।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करे कुंभकासन

योगोपचार / दिव्यज्योति 'नंदन'

अब सर्दी कम तो हो गई है लेकिन अभी भी सुबह-शाम ठंडी हवाओं से बचना जरूरी है। ऐसे में शरीर को गर्म रखने के लिए आप योगाभ्यास कर सकते हैं। इसके लिए वैसे तो कई महत्वपूर्ण आसन हैं जैसे-पादहस्तासन, उत्तानासन, भुजंगासन, उष्ट्रासन और कुंभकासन। लेकिन इनमें कुंभकासन या प्लैंक पोज इसलिए अन्य आसनों से बेहतर है, क्योंकि यह मसल्स की ताकत बढ़ाता है।

आसन करने की विधि: सही तरीके से कुंभकासन करने के लिए सबसे पहले अपनी योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। इस दौरान अपनी हथेलियों को अपने चेहरे के पास रखें और पैरों को इस तरह से मोड़ें कि पैर की अंगुलियां जमीन से ऊपर उठ रही हों। इसके बाद हाथों को धक्का देकर अपने नितंबों को हवा में ऊपर उठाएं। धड़ को फर्श के समानांतर रखें और इसे तब तक आगे की ओर खींचते रहें, जब तक कि भुजाएं लंबवत न हो जाएं और कंधे, कलाइयों के ऊपर न आ जाएं। इसके बाद हथेलियों को जमीन पर मजबूती से टिकाएं। कंधों की हड्डियों को रीढ़ से दूर फैलाएं और अपनी कॉलरबोन को सीने से दूर की तरफ खींचें। पैरों की अंगुलियों को नीचे की ओर मोड़ें और टेलबोन को एड़ियों की ओर लंबा करें। इस दौरान नाक की सीध पर फर्श की तरफ देखें। कुंभकासन या प्लैंक पोज की शुरुआत अधोमुख श्वानासन से करना चाहिए।

कुंभकासन करने के फायदे: यह पेट की मांसपेशियों की शक्ति को बढ़ाता है।

- कंधों, पीठ, नितंबों और जांघों को मजबूत बनाता है।
- वजन घटाने में भी कुंभकासन मददगार है।
- पैरों की पिंडलियों को यह आसन मजबूत करता है।
- शरीर में लचीलापन बढ़ाता है। कंसंट्रेशन भी बढ़ाता है।
- इस आसन को करने से स्ट्रेस कम होता है।
- ब्लड सर्कुलेशन सिस्टम को सुचारु बनाता है।
- यह आसन हिप्स को टोंड करता है।

कुंभकासन करते समय बरतें ये सावधानियां: नियमित कुंभकासन करने के बहुत सारे फायदे हैं, लेकिन उन लोगों को कुंभकासन करने से बचना चाहिए, जिन्हें यहां बताई जा रही शारीरिक परेशानियां हैं।

- जिनके घुटनों, टखनों या कोहनियों में दर्द रहता है या यह आसन करते समय तेजी से दर्द उठता है।
- अगर बीपी की समस्या है तो इसे करने से पहले डॉक्टर से सलाह ले लें।
- अनिद्रा या किसी तरह के भी सिरदर्द की समस्या है तो यह आसन न करें।
- जिन लोगों को अकसर चक्कर आते हैं, उन्हें भी इस आसन से दूर रहना चाहिए।
- गर्भवती महिलाओं को यह आसन भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

पहले और बाद में क्या करें: कुंभकासन के पहले शवासन करना चाहिए, क्योंकि शवासन करने से शरीर विश्राम की मुद्रा में आ जाता है। कुंभकासन के बाद भी शवासन करना फायदेमंद होता है। अगर पहली बार कुंभकासन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि किसी योग प्रशिक्षक की निगरानी या देखरेख में ही करें। *

आयकर विभाग

बजट 2025
बेहतर कल के लिए

केन्द्रीय बजट 2025-2026

सशक्त मध्यम वर्ग

- ₹12 लाख तक की सालाना आय पर और वेतनभोगी करदाताओ के लिए ₹12.75 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा (वेतनभोगियों के लिए ₹75,000 की मानक कटौती सहित)
- करदाता अब बिना किसी शर्त के अपने स्वामित्व वाली दो संपत्तियों के लिए शून्य वार्षिक मूल्य का दावा कर सकते हैं
- सम्बंधित मूल्यांकन वर्ष के खत्म होने के बाद अपडेटेड रिटर्न भरने की समय सीमा 24 महीने से बढ़ाकर 48 महीने कर दी गई है
- राष्ट्रीय बचत योजना (NSS) से 29 अगस्त, 2024 या उसके बाद जमा की गई धनराशि को निकालने पर कोई टैक्स नहीं देना होगा
- NPS वात्सल्य योगदान पर NPS खाते के समान टैक्स का लाभ मिलेगा

TDS/TCS नियमों में राहत

- वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज पर टैक्स कटौती की सीमा ₹50,000 से बढ़ाकर अब ₹1 लाख कर दी गई है
- किराए पर TDS की वार्षिक सीमा ₹2.40 लाख से बढ़ाकर ₹6 लाख की जाएगी, जिससे छोटे करदाताओं को लाभ होगा
- RBI की लिब्रलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम(LRS) के तहत भेजे हुए धन पर TCS कटौती की सीमा ₹7 लाख से बढ़ाकर ₹10 लाख की गई है
- विदेश में शिक्षा के लिए धन भेजने पर TCS नहीं लगेगा
- अगर तिमाही TCS विवरण भरने की आखिरी तारीख तक या उससे पहले TCS चुका दिया जाता है, तो देरी के लिए कोई मुकदमा नहीं चलेगा
- उच्च TDS कटौती केवल गैर-पैन मामलों में लागू होगी

बढ़ता व्यापार

- सुगम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए 3 वर्षीय ट्रांसफर प्राइसिंग ब्लॉक अवधि उपलब्ध होगी
- विस्तारित सेफ हार्बर नियमों से अंतर्राष्ट्रीय कराधान में मुकदमेबाजी कम होगी और निश्चितता बढ़ेगी
- इलेक्ट्रॉनिक निर्माण में लगी निवासी कंपनी को सेवाएं या टेक्नोलॉजी प्रदान करने में लगे गैर-निवासियों के लिए प्रेसमटिव टैक्सेशन की व्यवस्था शुरू की गई है
- विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक निर्माण इकाइयों को आपूर्ति हेतु पुर्जे संग्रहीत करने वाले गैर-निवासियों के लिए नया सेफ हार्बर नियम बनाया गया है

अनुपालन बोझ को कम करना

छोटे धर्मार्थ ट्रस्टों/संस्थाओं के लिए अनुपालन बोझ को कम करने के लिए पंजीकरण की अवधि 5 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष कर दी गई है

रोजगार और निवेश को बढ़ावा

- देश में अंतर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए, अंतर्देशीय जहाज अधिनियम, 2021 के तहत पंजीकृत अंतर्देशीय जहाजों के लिए टनेज कर योजना का विस्तार किया गया है
- स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए, धारा 80-IAC के तहत लाभ को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाया जाएगा। यह विस्तार 1 अप्रैल, 2030 से पहले शामिल किए गए योग्य स्टार्टअप्स को लाभ उपलब्ध कराएगा
- इंफ्रास्ट्रक्चर फंडिंग को बढ़ावा देने के लिए सॉवरेन वेल्थ फंड और पेंशन फंड में निवेश की समय सीमा बढ़ा दी है
- IFSC में स्थापित वैश्विक कंपनियों की शिप-लीजिंग इकाइयों, बीमा कार्यालयों और ट्रेजरी केंद्रों के लिए विशेष लाभ प्रदान किए गए हैं
- लाभों का दावा करने के लिए, IFSC में काम शुरू करने की अंतिम तिथि को भी 5 साल बढ़ाकर 31.3.2030 कर दिया गया है
- इंफ्रास्ट्रक्चर और ऐसे ही अन्य क्षेत्रों में निवेश करने वाली श्रेणी I और श्रेणी II AIF को प्रतिभूतियों से होने वाले लाभ पर कराधान की निश्चितता प्रदान की गई है

वेबसाइट के लिए स्कैन करें

आयकर विभाग
केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

FAQ के लिए स्कैन करें

CBC 15401/13/0017/2425

@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndia.Official @IncomeTaxIndiaOfficial @IncomeTaxIndiaOfficial www.incometax.gov.in

सहकारी समिति ने खुद को बताया निर्दोष, आपूर्ति निगम पर जिम्मेदारी थोपी

कालाडूमर में 7 हजार क्विंटल धान कहां गई

हरिभूमि, जबलपुर।

पनागर के कालाडूमर स्थित नर्मदा वेयर हाउस में धान खरीदी में व्यापक गड़बड़ी का मामला सामने आया है। यहां सहकारी सेवा समिति द्वारा की गई धान खरीदी में करीब 7 हजार क्विंटन धान कम पाई गई है। इस मामले में कलेक्टर दीपक सक्सेना ने एफआईआर कराने के निर्देश दिये हैं।

वहीं दूसरी ओर सहकारी सेवा समिति पनागर ने अपर कलेक्टर को कलेक्टर ने नाम एक ज्ञापन सौंपकर आग्रह किया है कि उनपर कार्यवाही न की जाए, धान की गड़बड़ी के लिये नागरिक आपूर्ति निगम जिम्मेदार है। समिति ने स्पष्ट किया कि उपार्जित धान का उठाव और भंडारण नागरिक आपूर्ति निगम की जिम्मेदारी है। यदि समय पर उठाव और भंडारण नहीं हुआ तो इसके लिए सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

गौरतलब है कि पनागर के कालाडूमर स्थितनर्मदा वेयरहाउस में धान खरीदी में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। सहकारी सेवा समिति पनागर द्वारा की गई धान खरीदी में लगभग 7000 क्विंटल धान कम पाई गई। इस मामले में जिला कलेक्टर ने समिति प्रबंधक सहित अन्य कर्मचारियों पर कार्रवाई का आदेश दिया है। इस कार्रवाई के विरोध में सहकारी समिति संघ के प्रदेश अध्यक्ष बीएस चौहान और प्रवक्ता सफी खान ने अपर कलेक्टर नाथू राम गौंड को ज्ञापन सौंपा। उनका दावा है कि धान उपार्जन शासन के निर्देशानुसार किया गया है। संघ ने कई अन्य मांगें भी रखी हैं, जिनमें कोरोना काल में शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं द्वारा ऑफलाइन वितरित खाद्यान्न को पीओएस मशीनों से कम करने और कर्मचारियों की बकाया वेतनवृद्धि का तत्काल भुगतान शामिल है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

इस संबंध मे कलेक्टर का कहना है कि किसी के कहने सुनने के आधार पर किसी को दोषी या निर्दोष नहीं कहा जा सकता। न ही जांच के दायरे से बाहर किया जा सकता है। अधिकारियों को मामले की जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही तय होगी।

आय से सौ फीसदी अधिक संपत्ति करने की संभावना

सहायक शिक्षक के निवास और फार्म हाउस में लोकायुक्त की दबिश

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में एक सहायक शिक्षक के सुहागी स्थित निवास और फार्म हाउस में छापेमारी की है। प्रारंभिक जांच में आय से सौ फीसदी अधिक संपत्ति अर्जित करने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

डीएसपी दिलीप झरवड़े के नेतृत्व में यह कार्यवाही चल रही है। लोकायुक्त सूत्रों के मुताबिक 61 वर्षीय हरीशंकर दुबे 1986 से शिक्षा विभाग में पदस्थ हैं, अगले साल सेवानिवृत्त होने वाले हैं. लोकायुक्त टीम ने संपत्ति से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जप्त किये हैं। डीएसपी दिलीप झरवड़े ने बताया की लोकायुक्त एसपी संजय साहू को लिखित शिकायत मिली थी, शिकायत का परीक्षण करने के बाद यह कार्यवाही की जा रही है। जांच के दौरान सुहागी में दो मंजिला बंगला एक लग्जरी कार्य सहित जमीन के

दस्तावेज मिले हैं। शुरुआती जांच में सौ फीसदी अनुपात ही संपत्ति का खुलासा हुआ है। छापामार कार्रवाई में शामिल लोकायुक्त पुलिस के अधिकारी ने मीडिया को बताया कि लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक को एक लिखित शिकायत मिली थी। जिसमें बताया गया था कि पनागर के बरखेड़ा -कुशनेर स्थित शासकीय स्कूल में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ रहे हरिशंकर दुबे ने अपनी 40 साल की सेवा के दौरान अकूत संपत्ति अर्जित की है। जो कि उनकों मिलने वाले वेतन के अनुपात से कई गुना अधिक है। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए बुधवार की सुबह लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने उनके निवास और फार्म हाउस में एक साथ छापामार कार्रवाई की है। बताया जाता है कि हरिशंकर दुबे का पुत्र अतुल दुबे भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेश पदाधिकारी है।

हाईकोर्ट की युगल पीठ ने दिए निर्देश

बिल्डर मच्छानी के खिलाफ चलेगा अवमानना का मामला

हरिभूमि जबलपुर।

हाईकोर्ट की युगल पीठ के न्यायाधीश विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला द्वारा अधिवक्ता मुकेश जैन द्वारा दायर विविध सिविल याचिका पर सुनवाई के दौरान रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि इस एम.सी.सी. को अवमानना मामले के रूप में पंजीकृत किया जाए और अवमानना मामले का पंजीकरण होने के बाद अवमानना याचिका को अगले सप्ताह उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। यह भी निर्देश दिया गया कि अवमानना मामले के पंजीकरण किए जाने के साथ ही इस एम.सी.सी. का निपटारा भी हो जाएगा। दरअसल 24 जून 2024 को हाईकोर्ट ने 80 फुट चौड़े सार्वजनिक रोड पर बिल्डर शंकर मंच्छानी द्वारा मुस्कान पार्क प्रोजक्ट में दुकानों का अवैध निर्माण करने की शिकायत का निराकरण करने के आयुक्त नगर निगम को निर्देश दिए थे। यह निराकरण 4 माह की अवधि में किया जाना था। उक्त शिकायत में आरोप लगाया गया था कि हाईकोर्ट चौराहे से दूसरे पुल के बीच निर्माणाधीन मुस्कान पार्क के सामने 80 फुट रोड के हिस्से में अवैध रूप से दुकान, फ्रंट एमओएस, पार्किंग व गार्डन पेरापेट का निर्माण कर सार्वजनिक रोड को संकरा करने और जन सामान्य के आवागमन में बाधा डाली जा रही है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने न्यायालय को बताया कि हाईकोर्ट से सेकेण्ड ब्रिज वाले मार्ग पर स्वामी दयानंद

सरस्वती वार्ड, नेपियर टाउन जबलपुर स्थित नजूल भूमि पर मुस्कान पार्क का निमाण शंकरलाल मंच्छानी द्वारा किया जा रहा है। नगर तथा ग्राम निवेश विभाग और आयुक्त नगर पालिका निगम जबलपुर द्वारा उक्त भूमि पर दी गई विकास अनुज्ञा और भवन अनुज्ञा के नक्शे में भवन के सामने स्थित रोड को 80 फुट चौढ़ा दिखाया गया है। उक्त व्यस्ततम सड़क के मध्य से 40 फुट रोड के क्षेत्र में से मुस्कान पार्क की दिशा की ओर स्थित करीब 25 वे फुट से बिल्डर शंकर मंच्छानी के द्वारा अवैध रूप से फर्श (फ्लोर) का निर्माण षुरू किया जो कि 50 वे फुट रोड क्षेत्र तक हुआ है। इस प्रकार बिल्डर द्वारा रोड के उक्त हिस्से पर कब्जा कर उसे बिना अनुमति के अपने भवन के फ्रन्ट एमओएस हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया गया है और फ्रन्ट एमओएस के लिए विहित 40 फुट लंबाई वाली वास्तविक जगह में से आधी से अधिक लंबाई पर (जो कि करीब 20 फुट के आसपास बैठता है), उसे खाली छोड़ने के स्थान पर उस पर दुकानों का अवैध निर्माण कर उसे उन्हें नगर निगम की अनुमति के बिना चालू भी कर दिया गया है। उक्त अवैध निर्माण के कारण सार्वजनिक रोड के मध्य से भवन की दूरी 80 फुट से करीब 30 फुट घटकर 50 फुट ही रह गई है। इसके फलस्वरूप मार्ग आंशिक रूप से सकरा होने से पहले की तुलना में आवागमन अपेक्षाकृत कठिन हो गया गया है। रोड के सकरा होने से और मुस्कान पार्क में कामर्शियल दुकानों के अवैध निर्माण के कारण आगे चलकर जब वाहनों की संख्या में वृद्धि होगी तो आवागमन में बाधा और ज्यादा बढ़ेगी। साथ ही पार्किंग की समस्या भी पैदा होगी। इसलिए इन अवैध निर्मित दुकानों और व्यावसायिक आफिसों को ध्वस्त कर वहां फ्रंट ओपन स्पेश का निर्माण किया जाना आवश्यक है।

गौरतलव है कि याचिकाकर्ता मुकेश जैन के द्वारा इस संबंध में नगर निगम को प्रस्तुत शिकायत प्रस्तुत पर कोई कार्यवाही न होने के चलते उक्त याचिका दायर की गई थी। जिसमें पारित आदेश का पालन न होने के कारण विविध सिविल याचिका दायर की थी किन्तु आदेश की अवमानना किए जाने के दृष्टिगत न्यायालय के द्वारा प्रकरण की विविध सिविल प्रकृति को बदलकर अवमानना की श्रेणी में रखते हुए उक्त आदेश जारी किया। प्रकरण में शासकीय अधिवक्ता ऋत्विक पाराशर के द्वारा शासन की ओर से पक्ष रखा।

बाल संप्रेक्षण गृह से भागे नाबालिगों की फरारी पर आयोग ने मांगा जवाब

जबलपुर। शहर के रांझी थानान्तर्गत गोकलपुर स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से आठ अपचारी किशोरों द्वारा संप्रेक्षण गृह से भागने का मामला सामने आया है। रात के समय में सभी अपचारी एकजुट होकर टेक्निक से बैरक का ताला खोलकर चौकीदार के सिर पर हमला करके वहां से भाग गये। हमले में चौकीदार को गंभीर चोटे भी आई है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रो मे प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्यपीठ भोपाल मे प्रकरण की सुनवाई करते हुये, सदस्य राजीव कुमार टण्डन की एकलपीठ ने जनहित में मानव अधिकारो के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के महिला बाल विकास अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में तलब किया है।

धूप लगने लगी तीखी, रात में बह रही शीतल बयार

ऋतुराज के आते ही बदलने लगा मौसम का मिजाज

जबलपुर। ऋतुराज बसंत के आगमन के साथ ही मौसम करवट बदलने लगा है। दिन में वातावरण से नमी गायब हो रही है। धूप तीखी लगने लगी है। लेकिन शाम ढलने के बाद रात में शीतल बयारे चलती है। दिन और रात के तापमान में उछाल बरकरार है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार मौसम लगातार शुष्क होने के कारण धूप तीखी होने लगी है। दिन में गर्मी का अहसास होने लगा है। जबकि रात में उत्तर भारत से आ रही वर्फीली हवाओं के कारण हल्की ठंड का अनुभव किया जा रहा है। बसंत पंचमी के बाद ठंडक वैसे भी गुलाबी हो जाती है। लेकिन मौसम कार्यालय का कहना है कि ठण्ड का एक दौर अभी लौटेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 16.05 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 91 प्रतिशत और सायंकाल 62 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 6.47 बजे और सूर्यास्त शाम 6.01 बजे हुआ। उत्तर पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं।

गालीगलौज के विवाद पर चाकूबाजी, 2 दोस्त घायल

जबलपुर। बरेला थाना अतंर्गत बस स्टेंड के पास पान ठेला में गुटखा लेने गए दो दोस्तों पर दो बदमाशों ने चाकू से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड बरेला निवासी 19 वर्षीय अजय चक्रवर्ती गत रात लगभग 10.30 बजे अपने दोस्त समीर चक्रवर्ती बाईक से बस स्टेंड में पान ठेला गुटखा लेने गए थे, तभी अमन बर्मन और समीर आर्मो दोनों उसको देखकर गाली गलोज करने लगे, जिन्हें गाली देने से मना किया तो समीर आर्मो ने चाकू से अजय की कमर पर प्राणघातक हमला कर दिया वहीं दोस्त समीर चक्रवर्ती ने बीच बचाव किया तो उसकी आंख पर भी चाकू से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 109, 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

4 वारदातों का खुलासा, नाबालिग सहित 8 गिरफ्तार

दिन में रैकी और रात में करते थे चोरी

हरिभूमि जबलपुर।

अधारताल और गोहलपुर थाना क्षेत्र में हुई 4 नकब जनी की वारदातों पर खुलासा करते हुये पुलिस ने एक नाबालिग सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर 15 लाख रुपये के जेवर और घटना में प्रयुक्त एक्सिस वाहन जप्त किया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया की दिन में कालोनी में घूमकर सूने मकानों की रैकी करते थे और रात में वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस कंट्रोल रूम में पत्रकारों से चर्चा करते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आनंद कलांदगी ने बताया कि पिछले दिनों अधारताल थाना क्षेत्र के सनसिटी कंचनपुर में सुनील कुमार अधारताल के आयसा नगर में श्रीमति मेसर अंजुम और अधारताल के जय प्रकाश

नगर निवासी अर्जुन सिंह ठाकुर व गोहलपुर के समता कालोनी निवासी श्रीमति प्रियंका चौधरी के सूने घरों का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने जेवर और अन्य कीमती सामान चोरी किये थे।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने हनुमानताल निवासी मोहम्मद फैज खान, बाबा टोला निवासी अभिषेक उर्फ महेश चक्रवर्ती, टेढी नीम निवासी छोटे उर्फ जमाल, खुर्शीद अंसारी, बाबा टोला निवासी गज्जू उर्फ देवेन्द्र चौधरी, सिंधी कैम्प निवासी लक्ष्मण अहिरवार, भगवान उर्फ घनश्याम, चौपड़ा कुआं निवासी समीर खान के साथ ही हनुमानताल निवासी एक नाबालिग को गिरफ्तार कर पूछ ताछ में उनकी निशानदेही से लगभग 16 तोला सोने के जेवर और 1800 ग्राम चांदी के जेवर व एक एक्सिस वाहन जप्त किया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया की दिन में कालोनी में घूमकर सूने मकानों की रैकी करते थे और रात में वारदात को अंजाम देते थे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240